राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 39
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 24 अगस्त 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 पूर्व सांसद एवं मंत्री डीपी यादव अपने पिता महाशय तेजपाल सिंह के दिए संस्कारो पर चल रहे हैं : वीरेश शांडिल्य
पेज 5 सिरफिरे ने बीच चौराहे दारोगा को पटककर पीटा, किसी तरह हवालात में डाला गया
पेज 7 अब जज के खिलाफ बोलकर फंसे इमरान खान, अवमानना कार्यवाही शुरू; हाईकोर्ट ने 31 अगस्त को बुलाया

6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल में 36 घंटे में गिरा 14.18 इंच पानी, राजस्थान में नाले में बहने से पति-पत्नी की मौत

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, हिमाचल, बिहार और छत्तीसगढ़ में पिछले 48 घंटे से भारी बारिश हो रही है। राजस्थान में 200 और मध्यप्रदेश में करीब 50 छोटे-बड़े डैम ओवरफ्लो हो गए हैं। उधर, उत्तरप्रदेश में गंगा खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। बिहार में ये खतरे के निशान के करीब है। हिमाचल प्रदेश में फ्लैश फ्लड और लैंड स्लाइड की 36 घटनाओं में 22 लोगों की जान चली गई है।

इन सभी राज्यों में मंगलवार के लिए भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। यानी अगले 48 घंटे बारिश से राहत मिलने के आसार नहीं हैं।

भोपाल में 36 घंटे में ही 14.18 इंच से ज्यादा बारिश

मध्यप्रदेश में पिछले 48 घंटों से बारिश हो रही है। सबसे ज्यादा भोपाल में हुई। 16 साल बाद अगस्त में एक दिन की सबसे ज्यादा बारिश हुई। राजधानी में रविवार सुबह 8:30 बजे से लेकर सोमवार रात 8:30 बजे तक 36 घंटे में ही 14.18 इंच से ज्यादा बारिश हो गई। इसे मिलाकर राजधानी में अब तक 66.50 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। यह सीजन के कोटे की 42 इंच बारिश से 23 इंच ज्यादा है। इसने अगले मानसून सीजन की भी आधी जरूरत पूरी कर दी है।

राजस्थानः सीजन में 20.35 इंच बारिश, रेड अलर्ट जारी

राज्य में पिछले 48 घंटे हुई बारिश के चलते सीजन की 20.35 इंच बारिश हो चुकी है। कोटा में 20.47 इंच बारिश हुई। आंकड़ों के लिहाज से ये 25.80 प्रतिशत ज्यादा है। सभी जिलों में औसत से ज्यादा बारिश हुई है। पिछले 24 घंटे में गिरे पानी की वजह से 716 छोटे-बड़े बांधों में से 200 से ज्यादा ओवरफ्लो हो चुके हैं। राजधानी जयपुर की बात करें तो सीजन की बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। यहां सीजन में 19.78 इंच बारिश होती है, जबकि 19.79 इंच बारिश हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ : हाईवे पर चट्टानें गिरीं, एमपी से संपर्क कटा

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी बारिश के चलते गौरेला-पेंड्रा-मरवाही से करीब 15 किमी आगे मध्य प्रदेश के अनूपपुर में लैंडस्लाइड होने से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। इसके चलते 15 से 20 ट्रक फंस गए हैं। वहीं राजेंद्रग्राम-अमरकंटक को जोड़ने वाले किरर मार्ग पर रीटेनिंग वॉल सहित सड़क बह गई है। इसके बाद आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है।

बिहार : 20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

पहाड़ी इलाकों में बारिश के चलते बिहार के कई जिलों में नदियां उफान पर हैं। नदियों के किनारों बसे गांवों को अलर्ट जारी किया गया है। कई जिलों में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। पिछले 24 घंटे में पटना समेत कई जिलों में बारिश के चलते मौसम में राहत मिली है।

हिमाचल : 207 करोड़ का नुकसान

हिमाचल प्रदेश में बीते 48 घंटे की बारिश ने जान और माल दोनों को भारी नुकसान पहुंचाया है। बीते तीन दिन में 207 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति तबाह हुई है। पूरे मानसून सीजन में 1337 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान हो गया है।

जोखिम भरे सामान ढोने वाले वाहनों पर निगरानी उपकरण के लिए अधिसूचना

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने गैर राष्ट्रीय परमिट वाले उन वाहनों के लिए भी निगरानी उपकरण लगाने की अधिसूचना जारी की है जो जोखिम भरे और खतरनाक माल की ढुलाई करते हैं। मंत्रालय ने मंगलवार को इस संबंध में बताया कि मंत्रालय के संज्ञान में लाया गया है कि जो वाहन राष्ट्रीय परमिट के दायरे में नहीं आते हैं तथा नाइट्रोजन, आर्गन, ऑक्सीजन जैसी गैसों, खतरनाक तथा जोखिमभरे माल से लदे होते हैं उनमे लोकेशन यानी उनकी मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी देने वाले वाहन निगरानी उपकरण नहीं लगे होते हैं। केंद्रीय मंत्रालय ने गत तीन अगस्त को एक सूचना के माध्यम से यह अनिवार्य किया है कि एन2 और एन3 श्रेणियों के प्रत्येक वाहन, जिनका निर्माण नए मॉडलों के सन्दर्भ में एक सितंबर 2022 को या इसके बाद होगा तथा मौजूदा मॉडलों के मामले में एक जनवरी 2023 को या इसके बाद होगा।

बिलकिस बानो मामला : दोषियों की सजा में छूट पर होगी सुनवाई

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय गुजरात के बिलकिस बानो मामले में दोषियों को सजा में दी गई छूट के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना की अध्यक्षता वाली पीठ ने वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अधिवक्ता अपर्णा भट के %विशेष उल्लेख% के दौरान शीघ्र सुनवाई करने की गुहार पर मंगलवार को सहमति दी।

वर्ष 2002 के गोधरा दंगों के दौरान 14 लोगों की हत्या और एक गर्भवती महिला का यौन उत्पीड़न करने के दोषी 11 लोगों को दी सजा में छूट को चुनौती दी गई है।

विशेष उल्लेख के दौरान न्यायमूर्ति रमना की अध्यक्षता वाली पीठ ने संबंधित वकील से पूछा कि क्या रिहाई सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर हुई? इस पर श्री सिब्बल ने कहा कि याचिकाकर्ता शीर्ष अदालत के आदेश पर सवाल नहीं उठा रहे हैं, बल्कि 11 दोषियों को छूट देने के आधार पर सवाल उठा रहे हैं।

वकीलों ने उच्चतम न्यायालय में तथ्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की अध्यक्षता वाली पीठ ने गुजरात सरकार को बिलकिस बानो मामले के 11 आरोपियों को दोषसिद्धि के समय प्रचलित छूट नियमों को लागू करने की अनुमति दी थी।

न्यायमूर्ति रमना की अध्यक्षता वाली पीठ ने वकीलों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि याचिका को शीघ्र ही उपयुक्त पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा।

भाजपा नेता सोनाली फोगाट का निधन

गोवा में दिल का दौरा पड़ा; 2019 में आदमपुर से लड़ा था चुनाव

गोवा। हरियाणा की भाजपा नेता सोनाली फोगाट का मंगलवार को निधन हो गया। वे 42 साल की थीं। वे अपने स्टाफ के साथ गोवा गई थीं, जहां उन्हें सोमवार देर रात दिल का दौरा पड़ा था।

सोनाली टिक-टॉक स्टार और बिग बॉस-14 की कंटेस्टेंट बनने के बाद पॉपुलर हुई थीं। उनकी एक बेटी है और पति की कई साल पहले मौत हो चुकी है।

जूता कांड से चर्चा में आई थीं सोनाली

सोनाली विधानसभा चुनाव में चुनाव लड़कर राजनीति में इतनी चर्चा नहीं आई थीं, जितना कि मार्केट कमेटी के सचिव को जूते से पिटाई करके। सोनाली ने बालसमंद में हिसार मार्केट कमेटी के सचिव की काम न करने पर सरेआम पिटाई की थी। सचिव की शिकायत पर सोनाली पर केस दर्ज हुआ था।

मौत से चंद घंटे पहले की थी फेसबुक पोस्ट

सोनाली ने 27 अगस्त को वर्करों की मीटिंग बुलाई थी। सोनाली ने अपनी मौत से चंद घंटे पहले रात को फेसबुक पर अपनी फोटो अपलोड की थी। जिस पर सोनाली ने लिखा था कि ऑलवेज रेडी, दबंग लेडी, रियल बॉस लेडी।

चुनाव हार गई थीं सोनाली

सोनाली अपने बयानों को लेकर भी सुर्खियों में रही हैं। 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने आदमपुर से कुलदीप बिश्नोई के खिलाफ चुनाव लड़ा था। वे इस चुनाव में हार गई थीं।

कुलदीप बिश्नोई ने 29 हजार 471 वोट से ज्यादा वोट हासिल किए थे।सोनाली और कुलदीप बिश्नोई राजनीतिक विरोधी थे। हाल ही में दोनों की मुलाकात हुई थी और गिले-शिकवे दूर हुए थे। ये मुलाकात सोनाली के घर पर ही हुई थी। इसके बाद सोनाली गुरु जांभेश्वर जयंती पर बिश्नोई मंदिर में पहुंची थीं।

सहारनपुर में कार और ट्रैक्टर-ट्रॉली में भिड़ंत, 5 की मौत

स्टेट हाईवे-59 पर हादसा, 18 लोगों की हालत गंभीर

देवबंद। सहारनपुर में स्टेट हाईवे-59 पर सोमवार की शाम ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार में भिड़ंत हो गई। हादसे में 5 की मौत हो गई। वहीं 18 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। ट्रैक्टर-ट्रॉली से लोग तेरहवीं से लौट रहे थे। हादसे की सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। मरने वालों की संख्या बढ़ने का अनुमान है।

काफी दूर तक घिसटते चले गए वाहन

सोमवार शाम स्टेट हाईवे -59 पर गांव घलौली के निकट मुजफ्फरनगर के पंचेड़ा गांव से लोग तेरहवीं से लौट रहे थे। ट्रैक्टर-ट्राली में देवबंद के गांव सुनहैटी के लोग सवार थे। इस दौरान तेज गति से आ रही एक कार ट्रॉली में घुस गई। कार में सवार मुजफ्फरनगर के बेगराजपुर में नर्सिंग का कोर्स कर रही देवबंद के गांव रणसुरा की शिवानी (18) पुत्री सतेंद्र त्यागी और शुगर मिल निवासी कार चालक रोहन, शुगर मिल निवासी सार्थक पुत्र दिनेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा गांव सुनहैटी निवासी सावित्री (55) पत्नी तेजपाल की उपचार के दौरान सीएचसी में मौत हो गई। घायलों में कई की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। कई घायलों को परिजनों ने प्राइवेट नर्सिंग होम में भर्ती कराया है।

पुलिस ने घायलों को निकाला बाहर

हादसे के बाद लोग दोनों वाहनों में फंस गए। पुलिस ने राहगीरों की मदद से लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया। मौके पर पुलिस-प्रशासन के आला अधिकारी पहुंचे। इसके बाद एंबुलेंस समेत अन्य वाहनों से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। इस कार्य के लिए हाईवे 45 मिनट के लिए वन-वे कर दिया गया। केवल एक तरफ से ही वाहन गुजरते रहे।

देश में 24 घंटे में 9,680 मरीज कोविड मुक्त हुए

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में 9,680 लोग कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से मुक्त हुए है इसी के साथ इस बीमारी से उबरने वालों की संख्या बढ़कर 4,37,33,624 हो गयी है। देश में रिकवरी दर 98.59 प्रतिशत है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 210.31 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से 42 और लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर पांच लाख 27 हजार 416 तक पहुंच गई है। देश में कोरोना सक्रिय मामलों की संख्या 96506 हो गयी है। सक्रिय मामलों की दर 0.22 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 2.19 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 8,586 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर चार करोड़ 43 लाख 57 हजार 546 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटे में 3,91,281 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88.31 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किए हैं।

देश में 37 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों में पिछले 24 घंटे में 14 राज्यों में कोरोना सक्रिय मामले बढ़े हैं और बाकी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में इनकी संख्या में घटी है।

ओडिशा में पिछले 24 घंटों में कोरोना सक्रिय मामले सबसे अधिक बढ़े हैं। राज्य में 202 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी संख्या बढ़कर 2421 हो गयी है और इस महामारी से निजात पाने वालों का आंकड़ा बढ़कर 1313679 तक पहुंच गयी है जबकि मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 9164 तक पहुंच गया है।

पंजाब में 188 कोरोना सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 16457 हो गयी है और इससे निजात पाने वालों की संख्या 747101 हो गयी है। इस महामारी से छह और मरीजों की जान जाने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 17833 हो गया है।

छत्तीसगढ में 137 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 1584 हो गयी है और इससे निजात पाने वालों की संख्या 1156789 हो गयी है।

इस महामारी से एक और मरीजों की जान जाने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 14101 हो गया है।

इस अवधि में महाराष्ट्र में 84 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 11725 हो गयी। राज्य में इस महामारी से अब तक 7925645 लोग उबर चुके है और मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 148196 तक पहुंच गया है।

मिजोरम में 100 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 804 हो गयी। राज्य में इस महामारी से अब तक 234798 लोग उबर चुके है और मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 717 तक पहुंच गया है।

कर्नाटक में पिछले 24 घंटों में 33 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 10541 हो गये हैं, तथा 1229 मरीजों के कोविड मुक्त होने से इस बीमारी से ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 3991342 हो गई है। इस महामारी से छह और मरीजों की जान जाने से मतृकों का आंकड़ा बढ़कर 40216 हो गया है।

तेलंगाना में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 80 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 2752 हो गई है।

कांग्रेस'भारत जोड़ो' यात्रा का मकसद है नफरत की दीवार तोड़ना

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा का मकसद देश हित बताते हुए मंगलवार को कहा कि इसमें समाज के हर वर्ग को शामिल किया जाएगा और देश के समक्ष जो चुनौतियां है, इस यात्रा में सबको साथ लेकर इनसे निपटा जाएगा। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के समन्वय समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह तथा पार्टी के संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने यात्रा का टैगलाइन, पम्पलेट, वेबसाइट का विमोचन करने के बाद यहां पार्टी संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहां कि इस यात्रा में विभिन्न विचारधारा से जुडे सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं और यात्रा मार्ग में जो भी कार्यक्रम होंगे उनमे स्थानीय मुद्दों पर भी विचार किया जाएगा। इसे अब तक की सबसे बड़ी पद यात्रा बताते हुए उन्होंने कहा कि देश में इतने बड़े स्तर पर अब तक कहीं कोई पदयात्रा नही हुई है और न कोई जनसंपर्क अभियान चलाया गया है।

टी राजा सिंह भाजपा से निलंबित, पैगंबर विवाद से पहले भी दे चुके भड़काऊ बयान

नई दिल्ली। तेलंगाना के गोशामहल से भाजपा विधायक टी राजा सिंह को पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि धार्मिक आस्था के अपमान के संबंध में कानून की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उनके खिलाफ बीती रात हैदराबाद में बड़ी संख्या में मुस्लिम युवा कमिश्नर ऑफिस के बाहर इकट्ठा हुए थे और सर तन से जुदा वाले नारे लगाए थे। उधर, भाजपा उन्हें पार्टी से निलंबित कर चुकी है।

पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी करने वाले भाजपा विधायक टी राजा सिंह के साथ यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने भड़काऊ बयान दिया है। पहले भी अभद्र भाषा के लिए उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। वो भड़काऊ टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं। तमाम बयानों के बाद भी साल 2018 में वो गोशामहल विधानसभा सीट को जीतने में कामयाब रहे।

भाजपा ने किया निलंबित

टी राजा सिंह के भड़काऊ बयान पर भाजपा ने उन पर ऐक्शन लिया है। पार्टी ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उनसे जवाब मांगा है। जांच पूरी होने तक उन्हें पार्टी से निलंबित किया गया है।

फेसबुक भी कर चुका है बैन

टी राजा सिंह भड़काऊ टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं, उनके खिलाफ दर्जनों मामले हैं, जिनमें से ज्यादातर अभद्र भाषा के लिए हैं। साल 2020 में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक ने राजनेता को मंच और इंस्टाग्राम से कथित तौर पर नफरत को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबंधित कर दिया था।

भाजपा के फ्लोर लीडर रहे टी राजा सिंह

टी राजा सिंह तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के सदस्य थे और बाद में भाजपा में शामिल हो गए। वह वर्तमान में विधानसभा में भाजपा के फ्लोर लीडर रहे।

बेनामी लेनदेन कानून : सुप्रीम कोर्ट ने दंडात्मक प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित किया

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि बेनामी लेनदेन कानून में 2016 के संशोधन को पिछली तारीख से लागू नहीं किया जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने 97-पृष्ठों के अपने फैसले में 1988 के बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम के उन प्रावधानों को रद्द कर दिया, जिनमें बेनामी लेनदेन में शामिल लोगों के लिए तीन साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों का प्रावधान था।

शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया कि अधिकारी 2016 के अधिनियम, यानी 25 अक्टूबर, 2016 के लागू होने से पहले किए गए लेनदेन के लिए आपराधिक अभियोजन या जब्ती की कार्यवाही शुरू या जारी नहीं रख सकते हैं।

पीठ की ओर से न्यायमूर्ति रमना ने लिखा,ऐसे सभी अभियोग या जब्ती की कार्यवाही को रद्द कर दिया जाएगा।

सर्वोच्च अदालत ने केंद्र सरकार की इस दलील को खारिज कर दी कि पूर्व-संशोधन अधिनियम ने पहले से ही बेनामी लेनदेन को कानून के विपरीत मान्यता दी थी, और इसलिए कोई नया या वास्तविक कानून नहीं बनाया जा रहा था और प्रक्रियात्मक कानून को पूर्वव्यापी रूप से लागू किया जा सकता है।

वर्ष 2016 के संशोधन ने नकद हस्तांतरण, संपत्ति सौदों और शेयर जारी करने जैसे कई लेनदेन को इसके दायरे में ला दिया था। संशोधित कानून में दंड के लिए कड़े प्रावधान दिए थे। यहां तक कि आयकर विभाग ने एक नवंबर 2016 से पहले किए गए लेनदेन के संबंध में भी इन संशोधित प्रावधानों को लागू किया था।

शीर्ष अदालत ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ केंद्र सरकार की अपील यह फैसला दिया, जिसमें कहा गया था कि नए कानून को पूर्वव्यापी (पिछली तारीख से) रूप से लागू नहीं किया जा सकता है।

केंद्र सरकार की दलील थी कि पिछली तारीख से लागू करना गलत नहीं था।

अत्याचार

खंडवा में 6 महिलाओं समेत 9 लोगों ने लात-घूंसों से मारा; अस्पताल में भर्ती

मटकी फोड़ देखने गई दलित लड़की की पिटाई, गालियां दीं

एजेंसी

खंडवा। खंडवा में मंदिर के सामने से निकलने पर 9 लोगों ने 15 साल की दलित लड़की को बुरी तरह पीट दिया। महिला और पुरुष उस पर सामूहिक रूप से टूट पड़े। लात-घूंसों से उसे इतना मारा कि उसकी पसली में गंभीर चोट आ गई। लड़की का खालवा के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना 19 अगस्त की रात की है। पुलिस ने 9 आरोपियों पर केस दर्ज किया है। इनमें 6 महिलाएं हैं। सभी आरोपियों को थाने से जमानत मिल चुकी है।

मामला आदिवासी बहुल क्षेत्र खालवा के भोगांवा गांव का है। पीड़िता प्रियंका कटारे ने दैनिक भास्कर को बताया, 19 अगस्त को जन्माष्टमी की रात गांव के भीलट बाबा मंदिर के पास मटकी फोड़ कार्यक्रम चल रहा था। वहां उमा माली, संतोष माली, गणेश माली, कमल माली, सुनीता माली, अनिता माली, क्षमा माली और राधु माली कार्यक्रम में थी। मैं वहां से अपने घर की तरफ जा रही थी। शारदा, क्षमा और राधु बोलीं- ये नीच जाति की मंदिर के सामने हमारे कार्यक्रम में कैसे आ गई। तब मैंने शारदा से कहा- तुम मुझसे भेदभाव कर रही हो। इसी बात को लेकर कमला और गणेश ने मुझे जाति सूचक गालियां दीं। दोनों ने मुझे डंडे से मारा। इससे दाहिने तरफ की पसली में चोट लगी है।

जान से मारने की धमकी दी, तब कराई एफआईआर

पीड़िता की इंदौर निवासी बड़ी बहन ने बताया कि शुरू में हम लोग इसलिए खामोश रहे, ताकि विवाद आगे न बढ़ जाए। लेकिन आरोपी पक्ष ने समझौते का दबाव बनाकर जान से मारने की धमकी दी। दूसरी तरफ, मारपीट में आई चोटों के कारण बहन दर्द बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी।

चिल्लाने की आवाज सुनकर दौड़ती आई मां-बहन

पीड़िता ने बताया, शारदा बाई, अनिता बाई और क्षमा बाई ने लात-घूसों से मारा। वहां पर जितने भी लोग मौजूद थे, सभी ने मारपीट की। मेरे रोने और चिल्लाने की आवाज सुनकर बड़ी बहन, मां और रिश्तेदार आ गए। मुझे भीड़ से बचाकर ले गए। आरोपियों ने कहा कि दोबारा कार्यक्रम में आना मत, नहीं तो जान से मार देंगे।

शार्ट न्यूज

एलोपैथी के खिलाफ बोलकर बुरे फंसे बाबा रामदेव, अब सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। एलोपैथी और डॉक्टर्स पर बयानबाजी के चलते योग गुरू बाबा रामदेव की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने मामले में रामदेव से सवाल किए हैं। साथ ही उन्हें स्पष्टीकरण देने के लिए भी कहा गया है। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी एलोपैथी के खिलाफ बोलकर लोगों को गुमराह नहीं करने की सलाह दी थी। मंगलवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन यानी IMA याचिका पर शीर्ष न्यायालय ने पतंजली आयुर्वेद और केंद्र सरकार को भी नोटिस जारी किए हैं। कोर्ट ने एलोपैथी को बदनाम करते हुए विज्ञापन दिखाने पर सफाई मांगी है। भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने मौखिक तौर पर कहा, बाबा अपने सिस्टम को लोकप्रिय बना सकते हैं, लेकिन अन्य की आलोचना क्यों करना। हम उनका सम्मान करते हैं। उन्होंने योग को लोकप्रिया बनाया है। लेकिन उन्होंने अन्य व्यवस्थाओं के बारे में गलत कहने से बचना चाहिए। सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच ने सवाल किया, इस बात की क्या गारंटी है कि जिसका वह (बाबा रामदेव) पालन करते हैं, वह सबकुछ ठीक कर देगा। याचिका में IMA ने मॉडर्न मेडिसिन के खिलाफ जारी अभियान को नियंत्रित करने की मांग की थी।

नौशेरा में घुसपैठ का प्रयास विफल , दो पाकिस्तानी घुसपैठिए ढेर

जम्मू। जम्मू कश्मीर में राजौरी जिले के नौशेरा इलाके में नियंत्रण रेखा पर सेना के जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। रक्षा प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात लाम सेक्टर में सतर्क सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। घुसपैठ वाले स्थान के सामान्य क्षेत्र की टोही जारी है। उन्होंने बताया कि क्वाडकॉप्टर द्वारा सैन्य जांच स्कैन किया जा रहा है। स्कैन के दौरान घुसपैठियों के दो शव देखे गये हैं। सेना ने गत रविवार को लाम सेक्टर में नियंत्रण रेखा के समीप एक घुसपैठिए को उस समय हिरासत में ले लिया , जब घुसपैठ के दौरान वह सैनिकों की गोलीबारी में घायल हो गया।

पहलगाम सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एएसआई ने दम तोड़ा, मृतकों की संख्या आठ हुई

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुलवामा में बस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) ने मंगलवार को दम तोड़ दिया। इस हादसे में मृतकों की संख्या अब आठ हो गयी है। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल आईटीबीपी के चौथी बटालियन में तैनात सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) जी डी नंदन सिंह ने आज सुबह शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में आखिरी सांस ली। सहायक उप निरीक्षक के शहीद होने के साथ मृतकों संख्या बढ़कर आठ हो गई। गौरतलब है कि 16 अगस्त को पहलगाम के चंदनवाडी यह हादसा हुआ था। जिसमें वाहन सड़क से फिसल जाने के कारण आईटीबीपी के सात जवान शहीद हो गए थे और पुलिसकर्मियों समेत 30 अन्य घायल हो गए। वाहन में कुल 37 जवान सवार थे। आईटीबीपी के जवान अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी में शामिल होने के बाद वापस आ रहे थे। इसके अलावा सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल आईटीबीपी के तीन जवानों को 19 अगस्त को विशेष एयर एंबुलेंस से श्रीनगर से नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में स्थानांतरित किया गया था।

विझिंजम बंदरगाह के कारण नौकरी का नुकसान नहीं : विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने मंगलवार को कहा कि विझिंजम बंदरगाह का निर्माण होने से किसी को घर या नौकरी का नुकसान नहीं होगा। श्री विजयन ने विधानसभा में कहा कि सरकार लोगों की वास्तविक समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने वादा किया कि वे आंदोलनकारी मछुआरों से बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि बड़ी परियोजनाओं के लिए सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट है और एक वर्ग के विरोध के कारण बंदरगाह का निर्माण नहीं रोका जा सकता है।

हिमाचल में बैंको को जन धन खाते बढ़ाने के निर्देश

शिमला। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ भागवत कराड ने मंगलवार को कहा कि जनता तक केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने को लेकर बैंकों को राज्य में जन धन खातें बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। शिमला में आज राज्य मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में डॉ कराड कहा कि केंद्र सरकार लोगों की वित्तीय साक्षरता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और नाबार्ड के माध्यम से हम ऐसे साक्षरता स्तर को बढ़ाने के लिए गांव-गांव जाएंगे। हम ब्लॉक स्तर पर वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए 12 जिलों के लिए 12 वैन उपलब्ध कराएंगे। डॉ भागवत कराड ने बैंक अधिकारियों को गांव में जाकर बैंकिंग गतिविधियों को शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीते पांच साल में हिमाचल प्रदेश में बैंक की कोई नई शाखा नहीं खुली है। ऐसे में प्रदेश सरकार जिन इलाकों में बैंक शाखा खोलने के लिए कहेगी वहां, नई शाखाएं जल्द से जल्द खोली जाएंगी। वित्त राज्य मंत्री ने बैंक अधिकारियों को हिमाचल प्रदेश के लोगों को जल्द से जल्द केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए भी निर्देश दिए. भागवत कराड़ ने बताया कि प्रदेश में 17.56 लाख जन धन अकाउंट खोले गए हैं जो कि कुछ कम है।

जयपुर जिले में 70 हजार 85 खिलाड़ियों के लिये पांच हजार 226 टीमों का किया गठन

जयपुर। राजस्थान में ग्रामीण क्षेत्र के सभी आयु वर्ग के महिला एंव पुरूष खिलाड़ियों को खेल प्रतिभाओं में सुनहरा अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जयपुर जिले में राजीव गांधी ग्रामीण ऑलम्पिक खेल का आयोजन 29 अगस्त से पांच अक्टूबर तक किया जायेगा। जिला खेल अधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि जिले में सभी ग्राम पंचायत वार टीमों का गठन कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती से खेलों की तैयारी एवं ग्राम पंचायतों में खेल मैदान का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी ग्राम पंचायतों में स्थित विद्यालयों में उपलब्ध खेल सामग्री का उपयोग करते हुए खेलों के लिए गठित की गई टीमों के द्वारा खेलों का पूर्व अभ्यास शुरू कर दिया गया है ताकि अच्छे खिलाड़ियों का चयन किया जा सके। उन्होंने बताया कि जिले में 27 हजार 721 कबड्डी, तीन हजार 763 शूटिंग वॉलीबॉल, 27 हजार 68 टेनिसबॉल क्रिकेट, तीन हजार 399 खो-खो, पांच हजार 234 वॉलीबॉल, दो हजार 900 हॉकी के लिये खिलाड़ियों सहित 70 हजार 85 खिलाड़ियों का पंजीकरण किया गया है।

राजस्थान में अच्छी बरसात के कारण बांधों का भराव 76 प्रतिशत से अधिक पहुंचा

जयपुर। राजस्थान में मानसून की अच्छी बरसात के कारण कई नदी नाले उफान पर हैं और बांधों में पानी की आवक बढ़ने से कई बांधों के गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही हैं वहीं बांधों का भराव 76 प्रतिशत से अधिक पहुंच गया हैं। जल संसाधन विभाग के अनुसार कोटा के कोटा बैराज के 14 गेट खोलकर 385151 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसी तरह कोटा के जवाहरसागर बांध के 11 गेट खोलकर 432401 क्यूसेक, चित्तौड़गढ़ के राणाप्रताप सागर बांध के 16 गेट खोलकर 477519 क्यूसेक, झालावाड़ जिले में कालीसिंध के 28 गेट खोलकर 627218 क्यूसेक, डूंगरपुर जिले में सोम कमला अम्बा के दो गेट खोलकर 15942 क्यूसेक तथा प्रदेश से लगते मध्यप्रदेश में गांधी सांगर बांध के 19 गेट खोलकर 447559 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। इसी तरह चित्तौड़गढ़ जिले में गंभीरी नदी के चार गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। इसी तरह बनास नदी का 1400 क्यूमेक, धौलपुर में चम्बल नदी से 20306, कोटा में चम्बल नदी से 567387, एवं चम्बल नदी के परवन पिकअप वैर से 10109 क्यूमेक पानी की निकासी की जा रही है। राज्य में छोटे बड़े 716 बांधों में अब तक 240 बांध पूर्ण रुप से भर चुके हैं एवं 262 आंशिक रुप से भरे हैं तथा 203 बांध अभी भी खाली हैं जबकि 11 बांधों की स्थिति के बारे में विभाग के पास कोई सूचना नहीं हैं।

तेलंगाना कांग्रेस के नेता की खुली धमकी

शहर में आग लगा दूंगा, सड़क पर आओ मुसलमानों

हैदराबाद। तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी के नेता टीराजा सिंह की गिरफ्तारी को लेकर सियासत तेज हो गई है। अब प्रदेश कांग्रेस नेता राशिद खान ने भी शहर में %आग लगाने% की धमकी दे दी है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि सिंह ने पैगंबर मोहम्मद को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था। इससे पहले भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के बयान को लेकर भी विवाद हुआ था।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सचिव खान ने कहा, यदि उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई तो शहर में आग लगा दूंगा। कानून-व्यवस्था यदि टूट गई तो फिर मैं जिम्मेदार नहीं रहूंगा। वह हमेशा से रसूल की शान में गुस्ताखी करता आया है। इसे हिरासत में नहीं

लूंगा तो मैं शहर की कानून-व्यवस्था खराब कर दूंगा।

उन्होंने आगे कहा, सीएम सो रहा है, होम मिनिस्टर सो रहा है। मुसलमान कौम सड़कों पर उतरो और 23 अगस्त को यदि उसे गिरफ्तार नहीं किया गया तो फिर 24 अगस्त मैं गोशामहल को अंगार में बदल दूंगा। उन्होंने कहा कि यदि गिरफ्तारी नहीं हुई तो मैं कानून व्यवस्था ध्वस्त कर दूंगा। सोमवार रात को ही हैदराबाद में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे।

विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद पुलिस ने भाजपा नेता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। उनके खिलाफ धारा 153ए, 295 और 505 के तहत कार्रवाई की गई है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सिंह ने समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। साथ ही उसकी गिरफ्तारी की मांग की गई है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और अलग-अलग पुलिस स्टेशन में शिफ्ट कर दिया।

क्या था मामला

भाजपा विधायक ने कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी के खिलाफ एक कॉमेडी वीडियो जारी किया था। इससे पहले सिंह ने कॉमेडियन के शो को रोकने की धमकी भी दी थी। खास बात है कि फारूकी ने हैदराबाद में भारी विरोध के बीच बीते सप्ताह शो किया था। सिंह ने कॉमेडियन पर हिंदू भावनाओं को भड़काने के आरोप लगाए थे।

लश्कर का 'हाईब्रिड' आतंकवादी, बडगाम में दो सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। सुरक्षा बलों ने स्वतंत्रता दिवस पर जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में अल्पसंख्यकों पर ग्रेनेड हमले में कथित रूप से शामिल एक और 'हाइब्रिड' आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में शनिवार को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो 'हाइब्रिड' आतंकवादियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा, बडगाम पुलिस की आगे की जांच के दौरान अल्पसंख्यकों पर ग्रेनेड हमले में शामिल लश्कर के पंजान चदूरा के एक और हाइब्रिड आतंकवादी सुहैल अहमद मलिक को आज गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया, गिरफ्तार हाइब्रिड आतंकवादी के कब्जे से लश्कर की आपत्तिजनक सामग्री और एक हथगोला बरामद किया गया है। पुलिस ने कहा कि इस मामले में आगे की जांच जारी है और कई गिरफ्तारियां की जा रही हैं और बरामदगी की उम्मीद है। स्वतंत्रता दिवस पर गोपालपोरा चदूरा बडगाम में ग्रेनेड हमले में अल्पसंख्यक समुदाय का एक सदस्य घायल हो गया था। इस बीच, बडगाम जिले में लश्कर के दो आतंकवादी सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों की पहचान क्रालपोरा के शाहनवाज अहमद भट और गुंड चेकपोरा कनिपोरा के समीर अहमद नजर के रूप में की है। पुलिस ने कहा, गिरफ्तार किए गए दोनों आतंकी सहयोगी लश्कर ए तैयबा के सक्रिय आतंकवादियों को रसद और सहायता प्रदान करने के साथ-साथ बडगाम के चदूरा इलाके में हथियारों और गोला-बारूद के परिवहन में शामिल पाए गए हैं।

बंडी संजय, भाजपा कार्यकर्ताओं को तत्काल रिहा किया जाए : चुग

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेलंगाना प्रभारी एवं राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने मंगलवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार और पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की और चेतावनी दी है कि पार्टी केसीआर के नेतृत्व वाली तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) सरकार के बर्बर कृत्य के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं की तत्काल रिहाई की मांग करते हुए श्री चुग ने यहां एक बयान में कहा कि भाजपा केसीआर के परिवारवाद शासन के खिलाफ अपना संघर्ष कभी नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली 'बर्बर और शठ' सरकार को जल्द ही झुकना होगा। टीआरएस सरकार की विफलताओं और भ्रष्ट आचरणों को उजागर करने के लिए श्री बंडी तीसरे चरण की प्रजा संग्राम यात्रा पर है और सभी क्षेत्रों से इस यात्रा पर लोगों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है।

श्री बंडी और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को जंगांव जिले के स्टेशन घनपुर के पास से आज ही गिरफ्तार किया गया। तरुण चुग ने जोर देकर कहा कि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से जुड़े दिल्ली में शराब घोटाले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए भाजपा कार्यकर्ता हैदराबाद में सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी की विधायक कलवाकुंतला कविथाई के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करके इसे सुर्खियों में लाने की कोशिश कर रहे थे।

महंगाई के खिलाफ दिल्ली में जबरदस्त हल्ला बोलेगी कांग्रेस

नैनीताल। कांग्रेस नेता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने मंगलवार को कहा कि महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ पार्टी आगामी चार सितंबर को दिल्ली में हल्ला बोल प्रदर्शन करेंगी। रावत ने आज हल्द्वानी में पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि उत्तराखंड से भी लगभग 15000 कांग्रेसी कार्यकर्ता हल्ला बोल कार्यक्रम में भाग लेंगे। उन्होंने कहा की जल्द ही राहुल गांधी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा भी निकाली जाएगी। उत्तराखंड अधीनस्थ चयन आयोग पेपर लीक जांच घोटाले मामले में श्री रावत ने धामी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सरकार के दबाव में एसटीएफ के हाथ बंधे हैं, इसलिए उन्होंने इस मामले की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो या उच्च न्यायालय के सिटिंग न्यायाधीश से कराने की मांग की है।

पाकिस्तान में गलती से दागी गई मिसाइल के लिए वायुसेना के 3 अधिकारी बर्खास्त

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान में गलती से दागी गई मिसाइल के लिए वायुसेना के 3 अधिकारियों को बर्खास्त किया गया है। इसी साल की शुरुआत में भारत की ब्रह्मोस मिसाइल गलती से शूट हो गई थी। वायुसेना ने अपने बयान में कहा, एक ब्रह्मोस मिसाइल गलती से 09 मार्च 2022 को दागी गई थी। घटना के लिए जिम्मेदार तीन अधिकारियों की सेवाओं को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। बता दें कि वायुसेना मुख्यालय से एक एयर वाइस मार्शल को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की आकस्मिक फायरिंग की जिम्मेदारी दी गई थी। विस्तृत जांच के बाद तीन लोगों को घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया गया।

आपको बता दें कि 9 मार्च को गलती से एक मिसाइल पाकिस्तान की जमीन पर जा गिरी थी। पाकिस्तान द्वारा मामले को उठाए जाने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 15 मार्च को संसद में विस्तृत जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान में मिसाइल के आकस्मिक प्रक्षेपण से जुड़ी घटना की उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया गया है। उन्होंने राज्यसभा में कहा था, दुर्भाग्य से 9 मार्च को एक मिसाइल गलती से लॉन्च हो गई थी। यह घटना एक नियमित निरीक्षण के दौरान हुई थी। हमें बाद में पता चला कि यह पाकिस्तान में जा गिरी थी।

वहीं पाकिस्तान ने बताया था कि मिसाइल ने 40,000 फीट की ऊंचाई पर और साउंड की स्पीड से तीन गुना तेज गति से उसके हवाई क्षेत्र के अंदर 100 किमी तक उड़ान भरी। मिसाइल पर कोई वारहेड नहीं था, इसलिए विस्फोट नहीं हुआ। मिसाइल से पाकिस्तान के मियां चन्नू शहर में गिरी। इससे किसी भी तरह की संपत्ति को कोई बड़ा नुकसान या किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ था। हालांकि भारत ने तुरंत इस घटना पर खेद जताया था।

कूड़ा निस्तारण मामले में जिलाधिकारियों पर गिर सकती है हाईकोर्ट की गाज

नैनीताल। उत्तराखंड में कूड़ा निस्तारण (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) को लेकर अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं किये जाने के मामले में सभी जिलाधिकारियों पर उच्च न्यायालय की गाज गिर सकती है।

अदालत ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए मंगलवार को जिलाधिकारियों और सरकार से 2017 में जारी आदेश की अनुपालन रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की युगलपीठ में अल्मोड़ा निवासी जितेन्द्र यादव की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि प्रदेश में ठोस कूड़ा निस्तारण के मामले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016 का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। किसी भी निकाय में कोई ठोस कदम नहीं उठाये गये हैं।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नाम पर बड़े शहरों एवं निकायों में डंपिंग जोन बनाये जा रहे हैं। प्लास्टिक कूड़े के निस्तारण के लिये भी कोई ठोस योजना नहीं बनायी गयी है। इसी का परिणाम है कि शहरों में कूड़े के पहाड़ खड़े होते जा रहे हैं। याचिकाकर्ता की ओर से हल्द्वानी डंपिंग जोन का भी हवाला दिया गया।

याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि 2017 में उच्च न्यायालय की ओर से सभी जिलाधिकारियों और नगर निकायों को कूड़ा निस्तारण के मामले में विस्तृत आदेश जारी किये गये थे। साथ ही जिलाधिकारियों को छह महीने के अदंर नगर निकायों को भूमि उपलब्ध कर कूड़ा निस्तारण संयंत्र बनाने व सार्वजनिक जगहों में कूड़ा फैलाने वालों के खिलाफ ठोस कार्यवाही करने के निर्देश के दिये गये थे।

अदालत की ओर से ही छह माह में प्रगति रिपोर्ट भी अदालत में पेश करने को कहा था लेकिन आदेश का अनुपालन नहीं किया गया है। इसके बाद अदालत में पेश की गयी।

कोसी नदी में डूबे वायु सेना स्टेशन के दूसरे कर्मी का शव भी बरामद

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड के अल्मोड़ा और नैनीताल जनपद की सरहद में कोसी नदी में डूबे भवाली वायु सेना स्टेशन के दूसरे संविदा कर्मी का शव मंगलवार को राज्य आपदा मोचन बल और बेतालघाट पुलिस टीम ने बरामद कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। भवाली के पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रमोद साह ने बताया कि रविवार को भवाली एयर फोर्स स्टेशन में संविदा पर काम करने वाले रवि कुमार निवासी राजस्थान और संजय पांडे निवासी थराली पौड़ी गढ़वाल अपने पांच दोस्तों के साथ सैर पर निकले थे। इसी दौरान सभी रानीखेत रोड के पास भुजान में कोसी नदी में नहाने के लिए उतरे।

पूर्वी तटीय रेलवे ने छह ट्रेनें रद्द कीं, चार आंशिक रद्द

भुवनेश्वर। ओड़िशा में पूर्वी तटीय रेलवे (ईसीओआर) ने भुवनेश्वर स्टेशन यार्ड पर सोमवार रात मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने के कारण मंगलवार को छह रेलगाडियां रद्द कर दीं जबकि चार रेलगाड़ियों को आंशिक रुप से रद्द कर दिया है।

ईसीओआर सूत्रों ने बताया कि सोमवार की रात आठ बजकर 35 मिनट पर सीमेंट से भरे मालगाड़ी के पांच डिब्बे भुवनेश्वर स्टेशन यार्ड पर पटरी से उतर गए थे। यह घटना तब हुई जब यह मालगाड़ी भुवनेश्वर होते हुए चक्रधरपुर मंडल से विजयनगरम जा रही थी। सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को रद्द होने वाली रेलगाड़ियों में भुवनेश्वर-हावड़ा-भुवनेश्वर एक्सप्रेस , भुवनेश्वर-बलनगीर-भुवनेश्वर एक्सप्रेस , पुरी-पारादीप-पुरी एक्सप्रेस , पुरी-बारबिल-पुरी एक्सप्रेस , तालछेर-पुरी-तालछेर सवारी गाड़ी और पारादीप-कटक-पारादीप सवारी गाड़ी है।

इसी तरह बोलनगीर-भुवनेश्वर को 22 अगस्त को नरज स्टेशन पर और विशाखापट्टनम-भुवनेश्वर एक्सप्रेस को बालूगांव पर, राऊलकेला-भुवनेश्वर एक्सप्रेस को कटक को आंशिक रुप से रद्द कर दिया गया है। 23 अगस्त को नयागढ़ कस्बा-भुवनेश्वर एक्सप्रेस खुर्दा रोड़ पर आंशिक रुप से रद्द की गई है।

बीएसएफ ने सरहद से पकड़ा व्यक्ति परिवार को सौंपा

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गिरफ्तार व्यक्ति को कर्नाटक स्थित उसके परिवार के हवाले किया है। बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त है। उसकी पहचान गोनियप्पा के रूप में हुई है और वह कर्नाटक के बल्लारी जिला के उप्पनायकहल्ली निवासी है। उसे सात अगस्त को सीमा के नजदीक घूमते हुए गिरफ्तार किया गया था। अधिकारी ने बताया कि गोनियप्पा पिछले छह साल से अपने घर से गायब था। बीएसएफ और पंजाब पुलिस के संयुक्त प्रयासों से उसके परिवार का पता लगाया गया और उसे परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया जो यहां कर्नाटक पुलिस के साथ आए थे।

भाजपा ने तेलंगाना में विधायक राजा सिंह को किया निलंबित

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केन्द्रीय अनुशासन समिति ने मंगलवार को तेलंगाना में गोशामहल विधानसभा से पार्टी के विधायक राजा सिंह को सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियों में एक समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उन्हें तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया है।

केंद्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव ओम पाठक ने श्री राजा सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी कर कहा कि उन्हें इस कृत्य के लिए क्यों ना पार्टी से निष्कासित कर दिया जाये। उन्हें 10 दिनों के अंदर इसका जवाब देने को कहा गया है।

स्थानीय पुलिस पहले ही भाजपा विधायक के खिलाफ एक समुदाय विशेष के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी को लेकर मामला दर्ज कर चुकी हैं।

भाजपा आलाकमान ने श्री राजा सिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया।

पुलिस ने विवादस्पद वीडियों की शिकायत मिलने के बाद श्री राजा सिंह को मंगलवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। हैदराबाद में सोमवार रात से ही उनके खिलाफ व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन हो रहे है।

मुस्लिम नेताओं ने विधायक की भड़काऊ टिप्पणी को लेकर भवानी नगर, दबीरपुरा और रेन बाजार पुलिस थाने अलावा शहर के पुलिस आयुक्त कार्यालय के सामने धरना दिया और उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

श्री राजा सिंह ने कहा कि वह धर्म के लिए मरने को भी तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि मुनव्वर फारूकी ने भगवान राम और देवी सीता का अपमान करते हुए एक कॉमेडी शो किया था और उन्हें चेतावनी थी कि इसके गंभीर परिणाम होंगे।

राज्य में विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं से अलग पहचान मिली: ठाकुर

शिमला। हिमाचल के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद राज्य को विकास तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन अलग पहचान मिली है और विभिन्न क्षेत्रों में इसकी उपलब्धियों की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई है।

ठाकुर ने आज यहां अर्की विधानसभा क्षेत्र के कुनिहार के हाटकोट में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक हिमाचली के लिए यह गौरव की बात है कि यह खूबसूरत प्रदेश अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूरे करने जा रहा है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने सोलन जिला की अर्की विधानसभा क्षेत्र के लिए 54 करोड़ रुपये की 21 विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के कई नेता

प्रदेश के गौरवशाली सफर और उपलब्धियों को एक उत्सव के रूप में मनाने का विरोध कर रहे हैं। इससे उनकी हताशा साफ झलक रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक हिमाचली को राज्य की उपलब्धियों पर गर्व महसूस करना चाहिए और युवा पीढ़ी को भी इनसे अवगत कराया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस एक नेतृत्वविहीन और दिशाहीन पार्टी है, जो आपसी प्रतिस्पर्धा में ही उलझी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता वर्तमान सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों में विश्वास जताकर आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा सरकार का मिशन रिपीट सुनिश्चित करेगी ताकि प्रदेश में विकास की गति निर्बाध रूप से चलती रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद इन वर्षों के दौरान हिमाचल ने अभूतपूर्व विकास किया है। इसका श्रेय राज्य के सक्षम नेतृत्व के साथ-साथ प्रदेश के मेहनती और ईमानदार लोगों को भी जाता है। उन्होंने कहा कि स्थापना के बाद हिमाचल प्रदेश के आकार में ही वृद्धि नहीं हुई है, बल्कि इस पहाड़ी राज्य ने सभी क्षेत्रों में तीव्र विकास किया है।

उन्होंने कहा कि गठन के समय राज्य की साक्षरता दर केवल 4.8 प्रतिशत थी, जबकि आज यह 83 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

एनजीटी का उपचारित जल का उपयोग करने के निर्देश

अमृतसर। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की निगरानी समिति ने आज शहर में चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों से जिले और नगर निगम अमृतसर और अन्य शहरी क्षेत्रों में चल रहे कचरा संग्रहण के बारे में जानकारी प्राप्त की और अधिकारियों को जिले में निर्माण कार्य के लिए उपचारित पानी का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्थानीय जिला प्रशासनिक परिसर में बैठक की अध्यक्षता करते हुए निगरानी समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जसबीर सिंह ने कहा कि निर्माण कार्य में भूजल के उपयोग पर रोक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निर्माण कार्य के लिए लोगों को निश्चित मूल्य पर ट्रीटेड पानी की आपूर्ति की संभावना तलाशी जानी चाहिए ताकि बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों को बचाया जा सके।

पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु चार दिन के पुलिस रिमांड पर

लुधियाना। अनाज लिफ्टिंग घोटाले को लेकर पंजाब विजिलेंस ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार पंजाब के पूर्व मंत्री और पंजाब कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष भारत भूषण आशु और तेलू राम को आज अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आशु को 27 अगस्त और तेलू राम को 25 अगस्त तक पुलिस रिमांड पर भेजा है।

अदालत मे विजिलेंस के वकील की तरफ से भारत भूषण आशु का सात दिन का पुलिस रिमांड मांगा था, इस दौरान विजिलेंस ने कहा है कि भारत भूषण आशु के कहने पर ही टेंडर दिए गए थे। डिप्टी डायरेक्टर और इनका निजी सहायक मीनू मल्होत्रा ठेकेदार तेलू राम से बात करता था। दूसरी तरफ भारत भूषण आशु और उनके वकील ने कहा है कि उनका तेलू राम से कोई लेन-देन नहीं है और न ही उसके साथ मुलाकात हुई थी। भारत भूषण आशु ने खुद न्यायाधीश को बताया कि उन्होंने तो केंद्र सरकार की स्कीम और पंजाब सरकार की स्कीमों को लागू करवाया है। इतने निचले स्तर पर वह काम नहीं करते थे।

पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए, पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने पूर्व मंत्री और राज्य के कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष भारत भूषण आशु को सोमवार को खाद्यान्न परिवहन घोटाले में गिरफ्तार किया है, जिसमें कथित तौर पर ट्रकों के रूप में सूचीबद्ध स्कूटर और कारों के पंजीकरण नंबर पर निविदाएं आवंटित की गईं थी। जेल जाने वाले पंजाब के वह दूसरे पूर्व मंत्री हैं। कांग्रेस सरकार में पूर्व वन मंत्री साधु सिंह धर्मसोत और संगत सिंह गिलजियान पर पहले ही कथित भ्रष्टाचार के मामलों में मामला दर्ज किया जा चुका है।

शार्ट न्यूज

डीटीयू का 9वां दीक्षांत समारोह 25 को

नई दिल्ली। दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) का 9वां दीक्षांत समारोह गुरुवार, 25 अगस्त को आयोजित होगा। डीटीयू के बीआर अंबेडकर सभागार में सुबह 11:00 बजे से आयोजित होने वाले इस समारोह की अध्यक्षता दिल्ली के उपराज्यपाल एवं डीटीयू के माननीय कुलाधिपति श्री विनय कुमार सक्सेना करेंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीटीयू कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने बताया कि आईआईटी कानपुर के पूर्व निदेशक प्रो. संजय गोविंद ढांडे दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि होंगे और दीक्षांत-भाषण देंगे। इस अवसर पर बिग बास्केट, पोर्टेया मेडिकल, होमलेन व ब्लूस्टोन के प्रोमोटर श्री गणेश कृषणन तथा डीटीटीई के सचिव श्री आर. एलिस वाज विशेष अतिथि के तौर पर समारोह में शिरकत करेंगे। उन्होने बताया कि इससे पूर्व 24 अगस्त को सांय के समय गोल्डन प्राइड समारोह का आयोजन होगा। प्रो. सैनी ने बताया कि दीक्षांत समारोह के दौरान शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में पीएच.डी. प्राप्तकर्ताओं को डिग्री और विभिन्न यूजी तथा पीजी प्रोग्रामों में स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ताओं को पदक प्रदान किए जाएंगे। उन्होने बताया कि सभी यूजी और पीजी डिग्री के पात्र अन्य विद्यार्थी भी दीक्षांत समारोह में भाग ले सकते हैं और अपनी डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। डीटीयू के अधिकारिक यूट्यूब चैनल डीटीयू स्टूडियो पर दीक्षांत समारोह का सीधा प्रसारण भी दिखाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि दीक्षांत समारोह से पहले दिन बुधवार, 24 अगस्त को गोल्डन प्राइड समारोह का आयोजन होगा। डीटीयू के गोल्ड मेडलिस्टों एवं पीएचडी अवार्डियों के सम्मान में बीआर अंबेडकर सभागार में सांय 6:00 बजे आयोजित इस समारोह में एम्स के निदेशक प्रो. रणदीप गुलेरिया मुख्यातिथि होंगे और POSOCO के चेयरमैन एवं एमडी श्री एस. आर. नरसिम्हा समारोह के विशिष्ट अतिथि होंगे।

अभी जेल में ही रहेंगे सत्येंद्र जैन, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में न्यायिक हिरासत 27 अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के कैबिनेट मिनिस्टर सत्येंद्र जैन अभी जेल में ही रहेंगे। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को एक बार फिर जैन की न्यायिक हिरासत 27 अगस्त तक के लिए बढ़ा दी है। हालांकि, अदालत ने आज उनकी पत्नी पूनम जैन को नियमित जमानत प्रदान कर दी है, पहले उन्हें अंतरिम जमानत दी गई थी। केजरीवाल सरकार में बिना विभाग के मंत्री 57 वर्षीय सत्येंद्र जैन को ईडी ने 30 मई को मनी लॉन्ड्रिंग प्रिवेंशन एक्ट (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया था। पहले उन्हें पहले पुलिस हिरासत में और उसके बाद न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। बता दें कि, ईडी ने सीबीआई द्वारा 24 अगस्त, 2017 को दर्ज एफआईआर के आधार पर सत्येंद्र जैन एवं अन्य के खिलाफ धन शोधन रोकथाम की धाराओं के तहत जांच शुरू की थी। सीबीआई ने आरोप लगाया था कि दिल्ली सरकार में मंत्री रहने के दौरान 14 फरवरी, 2015 से 31 मई, 2017 के बीच जैन ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। ईडी ने 27 जुलाई को स्पेशल मनी लॉन्ड्रिंग प्रिवेंशन एक्ट (पीएमएलए) कोर्ट में अपनी चार्जशीट दायर की थी।

दिल्ली में 32 वर्षीय दिव्यांग गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक 32 वर्षीय दिव्यांग व्यक्ति को एक महिला के नाम से फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाकर उसकी तस्वीरें अश्लील जानकारी के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आरोपी की पहचान महावीर एंक्लेव निवासी महावीर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि आरोपी के पास अपराध में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, इस मामले की रिपोर्ट एक महिला ने की थी, जिसने आरोप लगाया था कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके दो फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाए हैं और अश्लील जानकारी के साथ उसकी तस्वीरें पोस्ट कर रहा था। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसे अंजान लोगों द्वारा अलग-अलग अश्लील मैसेज और अश्लील तस्वीरें प्राप्त हो रही हैं। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एम हर्षवर्धन ने कहा कि शिकायत के बाद, फर्जी फेसबुक अकाउंट और वर्चुअल नंबरों का विवरण प्राप्त किया गया और उनका विश्लेषण किया गया। इस जांच के आधार पर एक संदिग्ध महावीर सिंह की पहचान की गई और दिल्ली के महावीर एन्क्लेव स्थित उसके घर पर एक टीम ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

सत्येंद्र जैन की पत्नी पूनम जैन को बड़ी राहत, दिल्ली की कोर्ट ने दी नियमित जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन की पत्नी पूनम जैन को मंगलवार को नियमित जमानत दे दी। उन्हें इस मामले में पहले 6 अगस्त को उन्हें अंतरिम जमानत दी गई थी। अंतरिम जमानत देते समय अदालत ने कहा कि यह नोट किया गया कि उन्हें जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया गया था। बता दें कि, ईडी ने सीबीआई द्वारा 24 अगस्त, 2017 को दर्ज एफआईआर के आधार पर सत्येंद्र जैन एवं अन्य के खिलाफ धन शोधन रोकथाम की धाराओं के तहत जांच शुरू की थी। सीबीआई ने आरोप लगाया था कि दिल्ली सरकार में मंत्री रहने के दौरान 14 फरवरी, 2015 से 31 मई, 2017 के बीच जैन ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। ईडी ने एक बयान में कहा कि चार्जशीट या अभियोजन शिकायत यहां 27 जुलाई को स्पेशल मनी लॉन्ड्रिंग प्रिवेंशन एक्ट कोर्ट में दायर की गई थी और अदालत ने इसका संज्ञान लिया है। ईडी ने चार्जशीट में सत्येंद्र जैन, उनकी पत्नी पूनम जैन और सहयोगियों अजीत प्रसाद जैन, सुनील कुमार जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन और कंपनियों अकिंचन डेवलपर्स प्रा. लिमिटेड, प्रयास इन्फोसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मंगलायतन डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और जेजे आइडियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम शामिल है।

आईओ ने दर्ज नहीं किए गवाहों के बयान, दिल्ली की अदालत ने पत्नी को तीन तलाक देने वाले पति को दी जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने अपनी पत्नी को तीन तलाक देने के आरोपी पति को यह कहते हुए अंतरिम जमानत दे दी कि एफआईआर दर्ज करने के दो माह बाद भी जांच अधिकारी (आईओ) ने प्रासंगिक गवाहों के बयान लेने की भी जहमत नहीं उठाई। अदालत ने इस मामले की उचित जांच के लिए आदेश की एक कॉपी संबंधित पुलिस उपायुक्त को भी भेजी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने टिप्पणी की कि आरोपी ने कई लोगों और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में पत्नी को तीन बार तलाक बोला, लेकिन आईओ ने किसी गवाह के बयान नहीं दर्ज किए। न्यायमूर्ति रावत ने कहा, इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों में जहां मुस्लिम वीमेन एक्ट 2019 की धारा चार लगाने का अनुरोध किया गया है, जिसमें अधिकतम तीन वर्ष की सजा का प्रावधान है और जहां जांच अधिकारी ने एफआईआर दर्ज होने के दो माह बीत जाने पर भी शिकायतकर्ता द्वारा उल्लेखित प्रासंगिक गवाहों के बयान दर्ज करने की भी जहमत नहीं उठाई, वहां मैं इसे आरोपी को जमानत देने के लिए उचित मानता हूं।

आबकारी नीति के खिलाफ एनडीएमसी लाएगी निंदा प्रस्ताव, केजरीवाल सरकार से मांगेंगे स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) दिल्ली सरकार की अब रद्द कर दी गई आबकारी नीति 2021-22 के खिलाफ परिषद की बैठक में 24 अगस्त को निंदा प्रस्ताव लाएगी। अधिकारियों ने बताया कि एनडीएमसी के सदस्य कुलजीत सिंह चहल यह प्रस्ताव पेश करेंगे और परिषद आबकारी नीति में कथित अनिमियतताओं पर चर्चा करेगी। उन्होंने बताया कि विरासती गोल मार्केट भवन को संग्रहालय में बदलने के लिए उसके उन्नयन और नवीनीकरण को भी बैठक के एजेंडे में शामिल किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, इस बार नगर निकाय एक प्रस्ताव को मंजूरी दे सकता है। चहल ने कहा, हम परिषद की बैठक में आबकारी नीति के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित करेंगे और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से स्पष्टीकरण मांगेंगे। उन्होंने कहा, केजरीवाल नई दिल्ली क्षेत्र से विधायक हैं और एनडीएमसी के सदस्य भी हैं, इसलिए उन्हें कल की बैठक में हिस्सा लेना चाहिए और आबकारी नीति 2021-22 के माध्यम से उनकी सरकार द्वारा किए गए भ्रष्टाचार के बारे में जवाब देना चाहिए।

दिल्ली के हर घर को आधुनिक सीवर लाइन से जोड़ने के लिए दिन-रात काम कर रही है केजरीवाल सरकार

सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को पूरी दिल्ली में सीवर लाइन बिछाने के काम में तेजी लाने के दिए निर्देश

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड उपाध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने अधिकारियों को पूरी दिल्ली में सीवर लाइन बिछाने के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के हर घर को आधुनिक सीवर लाइन से जोड़ने के लिए केजरीवाल सरकार दिन-रात काम कर रही है। बेहतर साफ-सफाई, सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार लाने, पर्यावरण को बेहतर बनाने और यमुना नदी को साफ करने के लिए आधुनिक सीवर लाइनों का विस्तार आवश्यक है। 21वीं सदी में कोई भी घर ऐसा नहीं होना चाहिए जो सीवर नेटवर्क से जुड़ा न हो।

दिल्ली जल बोर्ड उपाध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली जल बोर्ड मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उपाध्यक्ष ने राजधानी में आधुनिक सीवर लाइनों के नेटवर्क के विस्तार में तेज़ी लाने के सख्त निर्देश दिए। उपाध्यक्ष ने इस बात पर भी जोर दिया की सीवर लाइन के विस्तार के साथ साथ एसटीपी की क्षमता को भी बढ़ाना होगा, जिससे घरों से निकलने वाले गंदे पानी का सही ट्रीटमेंट हो सके और यमुना को जल्द पूरी तरह स्वच्छ बनाया जा सके। दिल्ली में सीवर लाइन बिछाने की परियोजना को समय से पूरा करना केजरीवाल सरकार का प्राथमिक उद्देश्य बन गया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आधुनिक सीवेज नेटवर्क एक बुनियादी सुविधा है जो दिल्ली में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को मिलनी चाहिए। इससे उनके जीवन स्तर में भी सुधार होगा और वे सामाजिक व आर्थिक लाभ के साथ पर्यावरण को भी बेहतर बना पाएंगे। 21वीं सदी में लोक कल्याण हित में कार्य करने वाली सरकार के रूप में हम यह स्वीकार नहीं कर सकते कि दिल्ली के किसी भी नागरिक के पास उचित सीवेज कनेक्शन न हो। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के लिए प्रक्रिया को और सरल बनाया जाना चाहिए।

डीजेबी उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का भी निर्देश दिया, जिन्हें अभी तक आधुनिक सीवेज सिस्टम से जोड़ा जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि यमुना किनारे बसे घरों और कॉलोनियों के खुले नालों को सीवर लाइन से जोड़कर उनसे निकलने वाले पानी की ट्रीटमेंट की जाए। 2025 तक यमुना नदी को साफ करने के केजरीवाल सरकार के उद्देश्य को पूरा करने के लिए सीवर लाइनों का विस्तार बहुत आवश्यक हैं। सीवर नेटवर्क के साथ घरों को जोड़ने से स्वच्छता को बढ़ावा मिलता है और लोगों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। घरों से निकलने वाला गंदा पानी अगर खुले नालों, सार्वजनिक स्थलों और पार्कों में नहीं जाता है तो इससे वहां के निवासियों, मुख्य रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने हाल ही में की थी बैठक

विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड राष्ट्रीय राजधानी में सीवेज नेटवर्क के विस्तार में सहायता के लिए पूरी दिल्ली में एसटीपी को बढ़ाने और सीवर नेटवर्क को उनसे जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। डीजेबी बिजवासन पूर्व, संगम विहार, देवली, दिचाऊं और शिकारपुर के क्षेत्रों में कई अनधिकृत कॉलोनियों और बस्तियों में नई सीवर लाइनें बिछा रहा है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने हाल में ही बोर्ड की एक महत्वपूर्ण बैठक की थी। जिसमें उनके साथ विधायक सौरभ भारद्वाज और दिल्ली जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। इस बैठक के दौरान उन्होंने बताया की डीजेबी अपशिष्ट जल को यमुना में जाने से रोकने और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में इसके ट्रीटमेंट के लिए दिल्ली की अनाधिकृत कॉलोनियों और गांवों में आधुनिक सीवेज नेटवर्क को विकसित करेगा।

बेरोजगारी के खिलाफ अनुपम के नेतृत्व में 'हल्लाबोल यात्रा' पहुंची सहरसा

सुपौल, मधेपुरा, अररिया होते हुए बिहार के अन्य जिलों में जनसंवाद करेंगे अनुपम

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। देश में भीषण बेरोज़गारी और बढ़ती आत्महत्या के खिलाफ युवा नेता अनुपम के नेतृत्व में चम्पारण से शुरू हुई हल्लाबोल यात्रा मंगलवार को सहरसा पहुंच गयी। बिहार के सभी जिलों से होते हुए अनुपम की यात्रा का समापन 23 सितंबर को पटना में एक बड़े सम्मेलन के साथ होगा।

हल्ला बोल यात्रा की शुरुआत 16 अगस्त को भितिहरवा स्थित गाँधी आश्रम से सादगी भरे एक कार्यक्रम से हुई थी। ज्ञात हो कि देश में बेरोज़गारी को राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बनाने में युवा हल्ला बोल संस्थापक और अध्यक्ष अनुपम की अहम भूमिका रही है।

उल्लेखनीय बात है कि यात्रा के दौरान अनुपम सिर्फ समस्या को चिन्हित नहीं कर रहे, बल्कि समाधान भी बता रहे हैं। उन्होंने बेरोज़गारी संकट के समाधान के तौर पर भारत रोज़गार संहिता का प्रस्ताव दिया है। भारत रोज़गार संहिता को संक्षिप्त में भ-रो-सा कहा जा रहा है। अपनी यात्रा के माध्यम से अनुपम सरकार से भरोसा मांग रहे हैं और इसी प्रस्ताव के इर्द गिर्द जनसमर्थन जुटा रहे हैं। पहले दिन से ही अनुपम की यात्रा को खूब जनसमर्थन मिल रहा है, विशेष तौर पर उनकी बैठकों में युवाओं और बुद्धिजीवियों की भागीदारी उल्लेखनीय है।

एमएलटी कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुपम ने कहा कि बेरोज़गारी आज जीवन मरण का सवाल बन चुका है। भविष्य को लेकर युवाओं में अनिश्चितता और अंधकार इस कदर है कि हताशा बढ़ती जा रही है। बेरोज़गारी के कारण आत्महत्या की खबरें अब आम बात होती जा रही है। इस कारण से युवाओं का सरकार से भरोसा उठता जा रहा है। अब युवाओं को चाहिए भ-रो-सा यानी भारत रोजगार संहिता। सरकार देश के सभी रिक्तियों को अविलंब भरे और भर्ती आचार संहिता% लागू कर 9 महीने में नियुक्ति पूरी करे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बोझा ढोने और ठेला चलाने के लिए बिहार के लोगों को हजारों किलोमीटर दूर बम्बई दिल्ली जाना पड़ता है। बंद पड़े चीनी, पेपर और जूट मिलों को पुनर्जीवित किया जाना चाहिए ताकि दो वक्त की रोटी के लिए बिहार के लोगों को पलायन न करना पड़े।

सभा में अतिथि के तौर पर अनुपम के अलावा बिहार प्रभारी प्रशांत कमल, केंद्रीय नेतृत्व से अर्जुन मिश्रा, राष्ट्रीय महासचिव रजत यादव, कोशी प्रभारी सुनील यादव, और राष्ट्रीय सचिव आकाश महतो भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन युवा हल्ला बोल के विश्वजीत सिंह और अभिषेक कुमार ने किया और 23 सितंबर को पटना सम्मेलन में भारी संख्या में पहुंचने का भरोसा दिया।

राष्ट्रीय महासचिव व यात्रा प्रभारी प्रशांत ने कहा कि देश में किसानों के आत्महत्या की खबरें पहले खूब आया करती थी। अब भारी संख्या में बेरोज़गारी के कारण युवाओं में आत्महत्या की खबरें आ रही है। युवाओं की आत्महत्या देश में राजनीतिक बहस के केंद्र में होना चाहिए। आज की सबसे बड़ी बहस होनी चाहिए लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकारों को कोई परवाह नहीं। ऐसे में युवाओं को एकजुट होकर कहना पड़ेगा कि आत्महत्या नहीं, आंदोलन होगा। एमएलटी कॉलेज में आयोजित सभा में वक्ताओं ने हल्लाबोल यात्रा के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि अनुपम की अगुवाई में चल रहा युवा आंदोलन देश के लिए उम्मीद की किरण है और हर नागरिक को इसमें सहयोग करना चाहिए।

इस मौके पर गुजरात से आये राष्ट्रीय युवा नेता अर्जुन मिश्रा ने कहा कि वो इस यात्रा में अनुपम के नेतृत्व में कंधे से कंधा मिलाकर बिहार के सभी जिलों में जाएंगे और देश को बेरोज़गारी के अंधकार से निकालने में अपनी हरसंभव भूमिका निभाएंगे।

सरकार के जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत हर घर जल पहुंचाने के उद्देश्य से डीएम ने संबंधित अधिकारियों के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप सरकार के जल जीवन मिशन कार्यक्रम ग्रामीण के तहत हर घर जल पहुंचाने के उद्देश्य से जिला अधिकारी सुहास एल वाई ने सोमवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में संबंधित अधिकारियों एवं योजना के निर्माण में लगी एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ मैराथन बैठक करते हुए गहन समीक्षा की गई। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में जनपद में कार्य अन्य जनपदों की अपेक्षा धीमी गति से चल रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत निर्माण एजेंसी के अधिकारियों द्वारा कार्य में तेजी लाकर योजना के निर्धारित मानकों के अनुरूप समय पर कार्य पूर्ण कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करें ताकि सरकार की इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर जल पहुंच सके। उन्होंने समीक्षा के दौरान पाया कि कई ग्रामों में भूमि संबंधित समस्याएं आ रही हैं इस संबंध में जिलाधिकारी ने जल निगम एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को निर्देश देते हुए कहा कि वह अपर जिलाधिकारी प्रशासन के साथ बैठक करते हुए सभी समस्याओं का तत्काल प्रभाव से निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण एजेंसी के द्वारा जनपद में जो ओवर हेड टैंक पंपिंग सेट एवं पाइप बिछाने की कार्रवाई ग्रामीण क्षेत्रों में की जा रही है उनमें कार्य धीमी गति से चल रहा है सभी संबंधित अधिकारी इन कार्यों में तत्काल प्रभाव से तेजी लाकर सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा करने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे ताकि पात्र लाभार्थियों को सरकार के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का शीघ्रता के साथ लाभ मिल सके। उन्होंने इस अवसर पर यह भी निर्देश दिए कि निर्माण एजेंसी के द्वारा जो कार्य स्थल पर किए जा रहे हैं मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा अधिकारियों की टीम लगाकर उनका मौके पर सत्यापन सुनिश्चित कराया जाए ताकि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ संपन्न हो सकें। आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य विकास अधिकारी तेज प्रताप मिश्र, जिला विकास अधिकारी वीके तिवारी, अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण भारत भूषण तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि गण बैठक में उपस्थित रहे।

पांच लाख रूपये की फिरौती मांगने वाले फरार अभियुक्त ने किया सरेंडर

ग्रेटर नोएडा। थाना बीटा टु पुलिस द्वारा कार्यवाही करने के भय से फरार अभियुक्त इमरान पुत्र सुलेमान निवासी ग्राम जलपुरा हल्द्वानी थाना ईकोटेक थ्री गौतमबुद्धनगर द्वारा थाने के बाहर आकर सरेंडर कर दिया। जिसके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। गौरतलब है कि थाना बीटा टु पुलिस की सोमवार को अपहरण कर फिरौती मांगने वाले अभियुक्तों के साथ दौराने चैकिंग चूहडपुर अंडर पास से परीचौक जाने वाले सर्विस रोड पर मुठभेड हुई थी। मुठभेड़ के दौरान अभियुक्त अय्यूब पुत्र मुमताज निवासी ग्राम हल्दौनी थाना ईकोटेक थ्री गौतमबुद्धनगर, अभियुक्त राशिद पुत्र यासीन निवासी गंगागढ थाना पहासू जिला बुलन्दशहर हाल पता हल्दौनी थाना ईकोटेक थ्री गौतमबुद्धनगर को गिरफ्तार किया गया था। जिनके चंगुल से अपहृत दिलबर खान पुत्र मिनहाज खान निवासी मिलकी दोस्तनी पोस्ट हसाय

थाना धनकुन्ड जिला बांका बिहार व उसके दोस्त परवेज अंसारी निवासी उपरोक्त को सकुशल बरामद किया गया। अभियुक्त अय्यूब दौराने गिरफ्तारी पुलिस मुठभेड में घायल हो गया था। अभियुक्त इमरान व दो अन्य साथी मौके से फरार होकर भाग गये थे। कार्यवाही के भय से अभियुक्त इमरान पुत्र सुलेमान निवासी ग्राम जलपुरा हल्द्वानी थाना ईकोटेक थ्री गौतमबुद्धनगर द्वारा थाने के बाहर आकर सरेंडर कर दिया। जिसके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

पूर्व सांसद एवं मंत्री डीपी यादव अपने पिता महाशय तेजपाल सिंह के दिए संस्कारो पर चल रहे हैं : वीरेश शांडिल्य

डीपी यादव द्वारा बनवाए जा रहे यूपी में शिक्षण संस्थान सराहनीय : शांडिल्य

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नोएडा। एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया एव ब्राह्मण महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एव पूर्व सांसद डीपी यादव के पिता महाशय तेजपाल सिंह ने न केवल आज़ादी की लड़ाई लड़ी बलिक वो एक गांधीवादी चिंतक व विचारक थे और भारत माता के अनन्य उपासक थे । शांडिल्य डीपी यादव के पिता तेजपाल सिंह यादव की जीवांत प्रतिमा के अनावरण के मौके पर डीपी यादव के निमंत्रण पर नोएडा पहुंचे । इस मौके पर पूर्व सीएम मुलायम सिंह के भाई शिवपाल यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एव नोएडा के बीजेपी सांसद डॉ महेश शर्मा, सिख इंटरनेशनल कौंसिल के चेयरमैन मुख्यतायर सिंह आंसल, पूर्व मंत्री अवध पाल, सुनील यादव,बॉलीवुड अभिनेता रंजीत सहित पूर्व सांसद ,पूर्व मंत्री व कई विधायक व संत समाज व आर्य समाज के संतों के अलावा डीपी यादव के पिता महाशय तेजपाल सिंह की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर हजारों लोग मौजूद थे।

एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया ने कहा कि मीडिया को डीपी यादव को बाहुबली लिखने से परहेज करना चाहिये और जिस डीपी यादव के पिता ने आजादी के लिए अंग्रेजी हकूमत से टक्कर ली वो आज अपने पिता की सोच को उत्तर प्रदेश के माध्यम से पूरे देश मे ले जा रहे हैं। डीपी यादव के पिता एक संस्थान थे जिन्होंने समाज मे शिक्षा पर बल दिया उसी सोच पर उनके बेटे पूर्व मंत्री डीपी यादव चल रहे हैं और आज डीपी यादव यूपी में शिक्षण संस्थाओं को तेजी से खोल गरीब जरूरतमंद बच्चो को शिक्षित करने का काम कर रहे हैं। डीपी यादव ने पिता की प्रतिमा बनाकर संदेश दिया कि कांशी या गंगा व कुंभ करने की जरूरत नही अपने माता पिता की सेवा करो ओर बताएं रास्ते पर चलो और इंसानियत के नाते हर जरूरतमंद व्यकित की मदद करो ।शांडिल्य ने कहा कि ब्राह्मण महापंचायत डीपी यादव के साथ है ।और उन्होंने कहा आज डीपी यादव ने देश मे उद्योग लगाकर बेरोजगारों को रोजगार देने का काम किया ये महाशय तेजपाल सिंह के संस्कार हैं। डीपी यादव जैसे ताकतवर जमीनी नेता को यूपी में नही पूरे देश मे राजनीति में सक्रिय होना चाहिए और उन्होंने बीजेपी शीर्ष नेतृत्व से मांग की है कि डीपी यादव जैसे लोगो को बीजेपी में लेकर आना चाहिए क्योंकि यादव की सोच देश को समर्पित है और जन कल्याण की है । वीरेश शांडिल्य ने तेजपाल सिंह की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी व कार्यक्रम में हजारों की तादाद में भीड़ को संबोधित किया।

गुमनाम शहीदों को नई पीढ़ी के सामने लाना होगा : डॉ. सत्यपाल सिंह

एक शाम बलिदान के नाम कार्यक्रम में बोले पूर्व मंत्री और बीजेपी सांसद

संवाददाता/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। हमारे देश में ऐसे कई वीर बलिदानी हैं, जो आज भी गुमनामी के अंधेरे में हैं। नई पीढ़ी में देशभक्ति जगाने और उन्हें अपने स्वर्णिम इतिहास से जागरूक कराने के लिए इन गुमनाम शहीदों को नई पीढ़ी के सामने लाना होगा। इस काम के लिए संजय पति तिवारी और एसपीटी डॉट कॉम टीम की तरफ से किए जा रहे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। पूर्व मंत्री और बागपत से बीजेपी सांसद डॉ. सत्यपाल सिंह ने एक शाम बलिदान के नाम कार्यक्रम में बोलते हुए ये बातें कहीं। इस अवसर पर उन्होंने काला पानी की सजा यातना झेलकर अपना बलिदान देने वाले 20 शहीदों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। श्री श्याम नारायण सिंह फाउंडेशन और एसपीटी डॉट कॉम के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेन्टर में अंडमान निकोबार द्वीपसमूह पोर्ट ब्लेयर में काला पानी की सजा झेलने वाले 20 शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक शाम बलिदान के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री और बागपत के मौजूदा सांसद डॉ. सत्यपाल सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इसके अलावा बिहार के मुजफ्फरपुर से सांसद श्री अजय निषाद, श्री श्याम नारायण सिंह फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. कैलाश बिहारी सिंह और सर्व भारत समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष शुभेष शरमन भी गणमान्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे.. । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं सांसद डॉ. सत्यपाल सिंह ने अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के पोर्ट ब्लेयर में काला पानी की सजा पाने वाले 20 शहीदों को श्रधांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं के लिए इन शहीदों को जानना और समझना बेहद जरूरी है। तभी नई पीढ़ी इन शहीदों के बलिदान से परिचित होगी।

इस अवसर पर एसपीटी डॉट कॉम से चंद्रकांत जी, प्रदीप पंडित, संजय मग्गू, शैलेन्द्र जैन, मानवेंद्र जी और वरुण आर्य भी मौजूद रहे... ।

पुलिस ने दहेज हत्या में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस ने दहेज हत्या वांछित अभियुक्त प्रदीप पुत्र इन्द्रजीत निवासी ग्राम साबौता थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को उसके घर साबौता से सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। उपरोक्त अभियुक्त थाना जेवर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 310/2022 धारा 498ए, 323,506, 304बी भादवि व 3/4 दहेज अधिनियम में वांछित चल रहा था ।अभियुक्त के अन्य चार परिवार वालों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है। गौरतलब है कि 21 अगस्त 2022 को वादी ने थाना हाजा पर लिखित तहरीर दी कि अभियुक्त व अन्य परिवार के सदस्यों के विरूद्ध निवासीगण गांव साबौता थाना जेवर जिला गौतमबुद्धनगर के द्वारा वादी की पुत्री उम्र 20 वर्ष के साथ शादी के दान दहेज से खुश न होकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देते हैं। 21 अगस्त 2022 को वादी की पुत्री को अपने ही घर मे फांसी लगाकर उक्त लोगो द्वारा हत्या कर दी गयी थी। जिसके सम्बन्ध में थाना जेवर पर उपरोक्त मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

अपहरण कर पांच लाख रूपये की फिरौती मांगने वाले दो गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना बीटा टु पुलिस ने अपहरण कर फिरौती मांगने वाले दो अभियुक्तों अय्यूब पुत्र मुमताज निवासी कस्बा मवाना जिला मेरठ हाल निवासी ग्राम हल्दौनी थाना ईकोटेक थ्री गौतमबुद्धनगर,राशिद पुत्र यासीन निवासी गंगागढ थाना पहासू जिला बुलन्दशहर हाल पता हल्दौनी थाना ईकोटेक थ्री गौतमबुद्धनगर को चूहडपुर अंडर पास से परीचौक जाने वाले सर्विस रोड पर हुई मुठभेड़ के उपरांत सोमवार को गिरफ्तार कर लिया।

जबकि इनके तीन अन्य साथी पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त अय्यूब पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसे पुलिस द्वारा उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने दो पिस्टल 32 बोर मय दो कारतूस जिन्दा व एक कारतूस खोका घटना में प्रयुक्त अर्टिगा कार नम्बर यूपी 13 बीटी 0157 बरामद की है ।पुलिस ने इनके चंगुल से अपहृत दिलबर खान पुत्र मिनहाज खान निवासी मिलकी दोस्तनी पोस्ट हसाय थाना धनकुन्ड जिला बांका बिहार व परवेज अंसारी पुत्र मंगलू अंसारी निवासी मिलकी दोस्तनी पोस्ट हसाय थाना धनकुन्ड जिला बांका बिहार को सकुशल बरामद कर लिया है। गौरतलब 21 अगस्त 2022 को शाम के समय अभियुक्त अय्यूब व राशिद अपने सह अभियुक्तों के साथ मिलकर परीचौक से अपहृत दिलबर को अर्टिगा कार नम्बर यूपी 13 बीटी 0157 में डालकर अपहरण कर ले गये थे। और परिजनों से पाँच लाख रुपये की फिरौती की मांग की गयी थी।

संपादकीय

लोकतंत्र का भविष्य खतरे में

राजनीति का स्तर जिस तीव्रता से स्खलित होते जा रहा है। अब उनसे किसी भी तरह की सांस्कृतिक संस्कारी आचार संहिता का पालन करने की उम्मीद और आशा नहीं की जा सकती है। राजनीति दिशाहीन,सिद्धांत-विहीन हो गई है। पद और सत्ता का लालच राजनीतिक पार्टियों का अंतिम लक्ष्य हो गया है। आज जिस तरह से राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव की सांध्य बेला पर सांसदों की अफरा-तफरी और विधायकों की खरीद-फरोख्त मैं मशगूल हो रही है, जातिवाद अवसरवाद पद लोलुपता सिर चढ़कर बोलने लगी है। निश्चित तौर पर लोकतंत्र शर्मिंदा होकर खंडित होने लगा है। संविधान की निर्मात्री सभा के सपने चूर चूर हो रहे हैं यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छे दूरगामी परिणामों के संकेत नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम जी ने कहा कि लोकतंत्र या प्रजातंत्र शब्द ग्रीक भाषा से अवतरित अंग्रेजी शब्द डेमोक्रेसी का हिंदी रूपांतरण है, जिसका सीधा सीधा अर्थ होता है प्रजा अथवा जनता द्वारा परिचालित शासन व्यवस्था। किंतु अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की परिभाषा सर्वमान्य रूप से प्रचलित है जिसके अनुसार प्रजातंत्र या लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा, शासन है। उन्होंने इस कथन के तर्क में कहा क्योंकि मैं गुलाम नहीं होना चाहता,इसीलिए मुझे शासक भी नहीं होना चाहिए, यही विचार मुझे लोकतंत्र की ओर अग्रेषित करता है। पर लखीमपुर खीरी, सिंधु बॉर्डर और जशपुर, भोपाल में हिंसक घटनाओं को देखते हुए लगता है कि सारी की सारी लोकतांत्रिक व्यवस्था चरमरा गई है और समस्त प्रतिमान धारासाही हो गए हैं। लखीमपुर खीरी की विभत्स घटना जिसमें 7 लोगों को वाहन से रोड पर कुचल कर मार दिया गया इनमें से कुछ लोगों को भीड़ ने पीट-पीटकर ही मार दिया एक बेचारा निर्भीक पत्रकार इस हिंसा की बलि चढ़ गया। सिंधु बॉर्डर में कुछ निहंगो ने एक निर्दोष व्यक्ति की पीट पीट कर हत्या कर दी। जशपुर में भीड़ पर गाड़ी चला कर कुछ लोगों की कुचल कर हत्या कर दी, सबसे ताजा घटना महाराष्ट्र में तख्तापलट एवं अन्य राज्यों में सत्ता को हिलाने का प्रयास लोकतंत्र से खिलवाड़ करने की सबसे निचले स्तर की कार्रवाई मानी जाएगी। दूसरी तरफ राजनैतिक हिंसक घटनाओं के पीछे यदि कारण खोजे जाएं तो राजनीतिक पार्टियों के एजेंडा में ही कई कारण मिल जाएंगे।अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकवादियों द्वारा कब्जे के बाद वैश्विक अशांति का दौर चल रहा है, रूस यूक्रेन युद्ध औपनिवेशिकवाद तथा विस्तार वादी मंसूबों का परिणाम ही है । इसके अलावा अधिकांश लोकतांत्रिक देश इस अशांति से भयभीत और घबराए हुए और अपनी आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में लग गए हैं। तालिबान आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जे से तालिबानी सोच पूरे विश्व में धीरे-धीरे फैलने लगी है। खासकर लोकतांत्रिक देश जहां बोलने, सुनने, कहने और अपनी मनमर्जी करने की आजादी है, वहां लोकतंत्र का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व हिंसा का घिनौना खेल खेलने से नहीं चूक रहे हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर दुर्गा पंडाल पर हमला कर दिया जाता है, यह एक तालिबानी सोच का सबसे बड़ा उदाहरण है। पाकिस्तान में सिखों को चुन-चुन कर मारा जाना भी इसी सोच का परिणाम है। लखीमपुर खीरी में बवाल मचाने वाले अनेक नेता जम्मू कश्मीर में अल्पसंख्यकों के जघन्य हत्याकांड पर अजीब तरीके से चुप हैं और उनकी सहानुभूति के लिए एक शब्द उनके मुंह से नहीं निकल रहे हैं। आज हर व्यक्ति, हर पार्टी, हर समूह के लिए लोकतंत्र के मायने अलग-अलग हैं। जब तक इनका उल्लू सीधा होता रहता है तब तक यह लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, इनका स्वार्थ सधने के बाद लोकतंत्र हवा में वाष्पित हो जाता है। भारत जैसे विशाल देश में इसे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक देश के रूप में जाना जाता है, इस देश में जिसकी मूल आत्मा ही प्रजातंत्र, लोकतंत्र है,यही पर यदि लगातार अलोकतांत्रिक घटनाएं होती रहेंगी और अलोकतांत्रिक व्यवहार दर्शित होता रहेगा तो लोकतंत्र की मूल भावना न सिर्फ आहत होगी बल्कि गायब भी होना शुरू हो जाएगी। यहीं से लोकतंत्र के स्खलन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। हम सारी अनुकूल प्रतिकूल परिस्थितियों पर गंभीरता के साथ विचार करें, तो पाएंगे कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था में जन्मी समस्याओं के पीछे शासन तंत्र नहीं बल्कि जनता के बड़े वर्ग का नेतृत्व करने वाले समूह इसका जिम्मेदार है।

समाज में उच्चत्तर शिक्षा अति महत्त्वपूर्ण

विजय गर्ग

किसी भी देश का विकास वहां के लोगों के विकास से गहरा संबंध रखता है। कोई देश विकास के पथ पर तभी आगे बढ़ा है और बढ़ सकता है जब उसके पास उच्च शिक्षा के स्तर पर शोध और अनुसंधान के पर्याप्त साधन उपलब्ध हों। प्रशासनिक चिंतक पीटर ड्रकर ने दशकों पहले कह दिया था कि आने वाले वक्त में ज्ञान का समाज दुनिया के किसी भी समाज से ज्यादा प्रतिस्पर्धात्मक बन जाएगा। किसी देश की समृद्धि का स्तर इस बात से आंका जाएगा कि वहां शिक्षा का स्तर कैसा है। बदलते वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अब दुनिया इस आकलन पर भी आकर अपना मंतव्य रखेगी कि अमुख देश का शोध और अनुसंधान किस स्तर का है। गौरतलब है कि शिक्षण, शोध एवं विस्तार कार्य इन तीनों उद्देश्यों की पूर्ति का माध्यम उच्च शिक्षा है, जबकि मानव जाति, संस्कृति और समाज का ज्ञान शोध से संचालित होता है। यूनेस्को के अनुसार ज्ञान के भंडार को बढ़ाने के लिए योजनाबद्ध ढंग से किए गए सृजनात्मक कार्य को ही शोध एवं विकास कहा जाता है। देखा जाए तो ज्ञान संचालित अर्थव्यवस्था और सीखने के समाज में उच्चत्तर शिक्षा अति महत्त्वपूर्ण है। जहां तक व्यावसायिक शिक्षा और पेशेवर प्रशिक्षण का सवाल है, बीते कुछ दशकों से इसकी मांग बढ़ी है। नई शिक्षा नीति 2020 भी ऐसी ही भावनाओं से ओत-प्रोत है। उच्च शिक्षा को लेकर जो सवाल उभरते हैं, उसमें एक यह कि क्या विश्व परिदृश्य में तेजी से बदलते घटनाक्रम के बीच उच्चत्तर शिक्षा और ज्ञान के विभिन्न संस्थान स्थिति के अनुसार बदल रहे हैं ? और दूसरा यह कि क्या शिक्षा का तकनीकी होने का बड़ा लाभ देश उठा पा रहा है ? शोध और अनुसंधान को लेकर भी ऐसे ही सवाल मानस पटल पर उभरते रहे हैं। इसलिए कुछ ऐसे सवाल हैं जो भारत के संदर्भ में प्रासंगिक बने हुए हैं। जैसे- आज की वैज्ञानिक प्रतिस्पर्धा वाली दुनिया में भारत के अनुसंधान एवं विकास की क्या स्थिति है ? चीन व जापान जैसे देशों से भारत शोध कार्यों के मामले में पीछे क्यों है ? शोध व विकास को लेकर भारत की प्रगति में वह कौनसी रुकावट है जो अनुसंधान का पहिया रोक रही है ? गौरतलब है कि विभिन्न विश्वविद्यालयों में शुरू में ज्ञान के सृजन का हस्तांतरण भूमंडलीय सीख और भूमंडलीय हिस्सेदारी के आधार पर हुआ था। बाजारवाद के चलते शिक्षा मात्रात्मक रूप से तो बढ़ी और निजी संस्थाओं में भी विकसित होती गई, मगर गुणवत्ता के मामले में कमजोर पड़ती गई। यहीं से उच्च शिक्षा और उसमें निहित अनुसंधान की प्रगति का पहिया धीमा पड़ने लगा। इसमें संदेह नहीं कि अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में भारत के समक्ष चुनौतियां बढ़ी हैं। पड़ताल बताती है कि लगभग पांच दशक पहले पचास फीसद से अधिक वैज्ञानिक अनुसंधान विश्वविद्यालयों में ही होते थे। इतना ही नहीं, विश्वविद्यालयों को उच्च शिक्षा के गढ़ और शोध केंद्र के तौर पर भी देखा जाता था। मगर मौजूदा समय में अब स्थिति केवल उपाधियों के वितरण तक ही सीमित दिखाई देती है। इसके पीछे एक बड़ा कारण अनुसंधान के लिए धन की उपलब्धता में कमी भी है। साथ ही युवाओं का शोध में कम तथा अन्य क्षेत्रों में जुड़ाव का अधिक होना भी है। महिलाओं के मामले में यह कहना अतार्किक नहीं होगा कि उच्च शिक्षा तक पहुंच ही उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में उपलब्धियों को छोड़ दें, तो शोध और अनुसंधान के मामले में वैश्विक पटल पर भारत की स्थिति मजबूत नहीं दिखती। मौजूदा समय में देश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने वालों की संख्या सभी प्रारूपों में चार करोड़ से अधिक है। सभी प्रकार के विश्वविद्यालयों की संख्या भी हजार से अधिक है। चालीस हजार से ज्यादा महाविद्यालय हैं। इसके अलावा कई सरकारी और निजी शोध संस्थाएं भी देखी जा सकती हैं। यह बात जितनी शीघ्रता से समझ ली जाएगी कि शोध एक समुचित, सुनिश्चित और आकलन व प्राक्कलन से भरा विकास का एक ऐसा वैज्ञानिक रास्ता सुझाता है, जिससे देश के समावेशी ढांचे को न केवल मजबूत करना संभव है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत का फलक भी इसी से हासिल किया जा सकता है।

कम से कम 'गलत' और 'अपराध' का साथ तो न दें

ललित गर्ग

कुछ ऐसे व्यक्ति सभी जगह होते हैं जिनसे हम असहमत हो सकते हैं, पर जिन्हें नजरअन्दाज करना मुश्किल होता है। ऐसे ही सिद्धान्त एवं मूल्यहीन व्यक्तियों की विडम्बनाओं से समाज एवं राष्ट्र परेशान है, लेकिन विडम्बना इससे बड़ी यह है कि हम ऐसे व्यक्तियों की गलतियों पर उनका बहिष्कार करने की बजाय उन्हें महानायक बनाने की कुचेष्ठा करते हैं। उनके समर्थन में उतरते हैं, उन्हें सम्मानित किया जाता है। ऐसा ही श्रीकांत त्यागी नामक एक कथित राजनीतिक कार्यकर्त्ता के साथ त्यागी समाज ने किया, उनकी गलती पर, एक महिला के साथ बदसलूकी पर उनको चेताने, उनका सामाजिक बहिष्कार करने की बजाय उनको हीरो बनाकर प्रस्तुत किया गया है। यह एक सभ्य, संस्कारी एवं आदर्श समाज की संरचना की एक विसंगति के रूप में सामने आया है।

श्रीकांत त्यागी का मामला राजनीतिक संरक्षण में पनप रहे दादा एवं गुंडा किस्म की मानसिकता का उदाहरण है। ऐसे तथाकथित छुटभैया नेता टाइप्ड लोग समाज के लिये एक बड़ी समस्या बनते रहे हैं। ये लोग चलते व्यक्ति के साथ कदम मिलाकर नहीं चलने की अपेक्षा उसे अड़ंगी लगाते हैं। सांप तो काल आने पर काटता है पर ऐसे दुर्जन तो पग-पग पर काटते हैं। यह निश्चित है कि सार्वजनिक जीवन में सभी एक विचारधारा, एक शैली व एक स्वभाव के व्यक्ति नहीं होते। अतः आवश्यकता है दायित्व के प्रति ईमानदारी के साथ-साथ आपसी तालमेल व एक-दूसरे के प्रति गहरी समझ एवं आदर भाव की।

श्रीकांत त्यागी ने जो किया वह निश्चित ही अक्षम्य अपराध है, प्रश्न है कि ऐसे अपराधों के महिमामंडन के लिये समाज क्यों साथ खड़ा होता है। सात से आठ हजार के करीब लोग जुटकर क्यों उसका समर्थन किया ? एक बड़े मंच से श्रीकांत त्यागी पर से गुंडा अधिनियम हटाने, उसके हटाए गए अवैध कब्जे को दुरुस्त करने, उसके जब्त सामान वापस करने, कार्रवाई करने वाले पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त करने आदि की मांग उठाई गई। क्यों कुछ लोग किसी कोने में आदर्श की स्थापना होते देखकर अपने बनाए समानान्तर आदर्शों की वकालत करते हैं। यानी स्वस्थ परम्परा का मात्र अभिनय। प्रवंचना का ओछा प्रदर्शन। गलत का साथ। श्रीकांत त्यागी का चरित्र किसी से छिपा नहीं है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने गुंडा तत्वों को समाप्त करने के मिशन के अन्तर्गत श्रीकांत के अवैध कब्जे ढहा दिए और उस पर गुंडा अधिनियम लगा दिया। तब जाकर फरार रहे श्रीकांत ने समर्पण किया। उसके बाद श्रीकांत के कुछ गुंडा किस्म के समर्थक उस सोसाइटी में पहुंच गए, जहां महिला के साथ बदसलूकी की गई थी। अब जब श्रीकांत पुलिस की गिरफ्त में है, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के त्यागी समुदाय के लोगों ने रविवार को महापंचायत बुला कर इसे अपनी पूरी जाति का अपमान बताया। प्रश्न है कि यह त्यागी समुदाय का अपमान क्यों और किस तरह माना जाये ?

श्रीकांत जैसे अनेक असामाजिक किस्म के छुटभैए नेता राजनीतिक संरक्षण में धौंसपट्टी पर अपनी छवि चमकाते और अवैध करोबार चलाते देखे जाते हैं। राजनीतिक दलों को लंबे समय से नसीहत दी जाती रही है कि वे आपराधिक छवि वाले लोगों को अपने से दूर रखें, पर वे अपना जनाधार बढ़ाने की मंशा से इन्हें प्रश्रय देते रहते हैं। फिर इसका नतीजा यह होता है कि वही राजनीतिक दलों की समस्या बनने के साथ-साथ समाज एवं राष्ट्र की एक बड़ी चिन्ता, शर्म एवं दर्द का कारण बन जाते हैं। ऐसे आपराधिक छवि वाले व्यक्ति को 'जाति' का गौरव बता कर उसके समर्थन में उतरेंगे तो इससे हमारे समाज का नैतिक उत्थान तो किसी भी रूप में नहीं हो सकेगा।

यह तो शुक्रिया स्मार्टफोन का, एक ही घटना के एकाधिक वीडियो बनने और वायरल होने से समाज में नासूर की तरह फैल रहे उन अपराधों का पता दूसरों को लग जाता है। मजबूरन पुलिस प्रशासन को भी कार्रवाई करनी पड़ती है। वरना ऐसी बदतमीजियों पर लगाम लगाना आसान नहीं है। अच्छी बात है कि बुरी घटना देखकर सोशल मीडिया खुलकर आपत्ति कर रहा है और गलतियां बेनकाब होती जा रही हैं।

यह अच्छी बात है। सब चाहते हैं कि हम आलोचना करें पर काम नहीं करें। हम गलतियां करें पर कोई हमारी गलतियों पर मुंह न खोले। ऐसा वर्ग आज राजनीति में बहुमत में है। ऐसे ही लोग राजनीति को भी दूषित कर रहे हैं एवं देश को भी।

लोग दुर्गा बनना चाहते हैं, पर दुर्गा सामने नहीं देखना चाहते। लोग चाहते हैं भगतसिंह पैदा हों, पर पड़ोस में। कारण भगतसिंह को जवानी में शहीद होना पड़ता है। आदर्श की बात पर डंडे के बल पर, कैसी विरोधाभासी स्थिति है।

समस्या जब बहुत चिन्तनीय बन जाती है तो उसे बड़ी गंभीरता से नया मोड़ देना जरूरी है। आज राजनीति में अपराधी तत्वों की बहुलता पर विराम लगाना नये भारत एवं सशक्त भारत की प्राथमिकता होनी ही चाहिए। श्रीकांत जैसे लोग राजनेताओं के साथ मिलीभगत करके आगे बढ़ जाते है एवं बड़ी संपत्ति अर्जित कर लेते हैं, लाखों रुपए की कमाई करने लगते और प्रशासन पर धौंस जमा कर अवैध गतिविधियों में संलिप्त रहते हैं। ऐसे लोग अपने आसपास को तनाव, आतंक एवं भय से परिव्याप्त रखते हैं। श्रीकांत भी सोसाइटी के रहवासियों को भय में रखने का प्रयास करता था और वहां अवैध कब्जा कर रखा था। ऐसे अनेक असामाजिक किस्म के छुटभैए नेता राजनीतिक संरक्षण में धौंसपट्टी पर अपनी छवि चमकाते और अवैध करोबार चलाते देखे जाते हैं। अपराध एवं राजनीति के इस गठजोड़ को तोड़ने के व्यापक प्रयत्न किये जाते हैं, लेकिन रह-रह कर अपराधी तत्वों का राजनीति में वर्चस्व कायम हो जाता है। जब तक समाज में ऐसे लोगों को पनपने से रोकने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई जाएगी, तब तक न सिर्फ सामाजिक ताने-बाने को दुरुस्त रखा जा सकता है, बल्कि राजनीतिक दलों के लिए भी जब-तब मुश्किलें खड़ी होती रहेंगी। इससे राष्ट्र भी सशक्त होने की बजाय कमजोर ही होता जायेगा।

इसी प्रकार जो देश और समाज अपनी सांस्कृतिक, सामाजिक, नैतिक एवं राष्ट्रीय परम्पराओं को भूल जाता है, वह नष्टप्रायः हो जाता है। स्थिति वह भी विस्फोटक होती है पर उसका विस्फोट दिखाई नहीं देता। वर्तमान भौतिकतावादी राजनीतिक व्यवस्था में सत्ता, सम्पदा एवं वर्चस्व के लिए जो छीना-झपटी चल रही है, उसमें संस्कृति पीछे धकेली जा रही है।

सुशासन लाने वाले नीतीश कुमार आखिर कुशासन की वापसी क्यों चाहते हैं ?

सीमाओं पर राष्ट्र की सुरक्षा करने वालों की केवल एक ही मांग सुनने में आती है कि मरने के बाद हमारी लाश हमारे घर पहुंचा दी जाए। ऐसा जब पढ़ते हैं तो हमारा मस्तक उन जवानों को सलाम करता है, लगता है कि देश भक्ति और कुर्बानी का माद्दा अभी तक मरा नहीं है।

भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाए जाने एवं महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी देने के नाम पर गहरा सन्नाटा पसरा है, जो लोकतंत्र की एक बड़ी विडम्बना बनती जा रही है। कैसा विरोधाभास एवं विसंगति है कि एक अपराध छवि वाला नेता कानून मंत्री बन जाता है, एक अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे प्रतिनिधि को शिक्षा मंत्री बना दिया जाता है। ऐसे ही अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालय के साथ होता है। यह कैसी विवशता है राजनीतिक दलों की ? अक्सर राजनीति को अपराध मुक्त करने के दावे की हकीकत तब सामने आ जाती है जब किसी राज्य या केंद्र में गठबंधन सरकार के गठन का मौका आता है। बिहार में नई सरकार में कानून मंत्री बने राष्ट्रीय जनता दल के विधायक कार्तिकेय सिंह हैं। जिन्हें पटना के दानापुर में अदालत के सामने समर्पण करना था, मगर वे राजभवन में शपथ लेने पहुंच गए।

बिहार में नीतीश कुमार को सुशासन बाबू के तौर पर जाना जाता है जिन्होंने राज्य में अपराध के खात्मे की घोषणा के बूते ही अपने राजनीतिक कद को ऊंचा किया। लेकिन ताजा उलटफेर में जिन लोगों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है, उनमें से कई पर लगे आरोपों के बाद एक बार फिर इस सवाल ने जोर पकड़ा है कि जो लोग राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त बनाने की बात करते हैं, वे हर बार मौका मिलने पर अपने संकल्प एवं बेदाग राजनीति के दावों से पीछे क्यों हट जाते हैं ? गौरतलब है कि 2014 में कार्तिकेय सिंह सहित सत्रह अन्य लोगों पर पटना के बिहटा थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया गया था। कार्तिकेय सिंह पर आरोप है कि उन्होंने एक बिल्डर को मारने के मकसद से अपहरण की साजिश रची थी। यह अजीब स्थिति है कि अक्सर साफ-सुथरी और ईमानदार सरकार देने के दावों के बीच आपराधिक छवि के लोगों को उच्च पद देने का सवाल उभर जाता है। सवाल है कि क्या नीतीश कुमार अपने ही दावों को लेकर वास्तव में गंभीर हैं ? ऐसे जिम्मेदार राजनेता अपने दावों से पीछे हटेंगे तो राजनीति को कौन नैतिक संरक्षण देगा ?

आज भारत की आजादी का अमृत महोत्सव की परिसम्पन्नता पर एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्त्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं। हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे सुशासन स्थापित करेंगे ? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे ? इस तरह अपराधी तत्वों को महिमामंडित करने के बाद नीतीश कुमार के उन दावों की क्या विश्वसनीयता रह जाती है कि वे बिहार को अपराध और भ्रष्टाचार से मुक्त कराएंगे ?

बड़ा प्रश्न है कि आखिर राजनीति में तब कौन आदर्श उपस्थित करेगा ? क्या हो गया उन लोगों को जिन्होंने सदैव ही हर कुर्बानी करके आदर्श उपस्थित किया। लाखों के लिए अनुकरणीय बने, आदर्श बने। चाहे आज़ादी की लड़ाई हो, देश की सुरक्षा हो, धर्म की सुरक्षा हो, अपने वचन की रक्षा हो अथवा अपनी संस्कृति और अस्मिता की सुरक्षा का प्रश्न हो, उन्होंने फर्ज़ और वचन निभाने के लिए अपना सब कुछ होम कर दिया था। महाराणा प्रताप, भगत सिंह, दुर्गादास, छत्रसाल, शिवाजी जैसे वीरों ने अपनी तथा अपने परिवार की सुख-सुविधा को गौण कर बड़ी कुर्बानी दी थी। गुरु गोविन्दसिंह ने अपने दोनों पुत्रों को दीवार में चिनवा दिया और पन्नाधाय ने अपनी स्वामी भक्ति के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया। ऐसे लोगों का तो मन्दिर बनना चाहिए। इनके मन्दिर नहीं बने, पर लोगों के सिर श्रद्धा से झुकते हैं, इनका नाम आते ही।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स प्रणाली की परफॉर्मेंस बढ़ाने के लिए नया तंत्र

आधुनिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स एप्लीकेशन्स में, डेटा को ऐंड डिवाइस और एक प्रोसेसिंग सेंटर के बीच संप्रेषित किया जाता है, जो क्लाउड या एज सर्वर (वह क्षेत्र जहाँ एक डिवाइस या स्थानीय नेटवर्क इंटरनेट के साथ इंटरफेस करता है) में हो सकता है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स प्रणालियों में इंटरनेट के माध्यम से वस्तुओं और प्रणालियों के बीच डेटा प्रसारित किया जाता है। इस प्रकार डेटा ट्रांसमिशन और प्रबंधन को वर्तमान में अलग पारिस्थितिक तंत्र में पैक किया जाता है। उदाहरण के लिए, एक उपकरण से संचालित किसी ऑपरेटिंग सिस्टम के भीतर काम करने वाली आईओटी प्रणालियां अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम द्वारा प्रबंधित उपकरणों के साथ क्रॉस-टॉक नहीं कर सकते हैं। भारतीय शोधकर्ताओं ने इंटरनेट ऑफ थिंग्स उपकरणों और अनुप्रयोगों से जुड़े डेटा संग्रह और ट्रांसमिशन की क्षमता बढ़ाने के लिए नया आर्किटेक्चर और एल्गोरिद्म विकसित किया है, जो इस तरह की चुनौतियों से निपटने में मददगार हो सकता है। यह अध्ययन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के शोधकर्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। अध्ययन से जुड़ी आईआईटी जोधपुर की शोधकर्ता डॉ सुचेतना चक्रवर्ती ने कहती हैं कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स को अगली औद्योगिक क्रांति माना जाता है, क्योंकि यह धीरे-धीरे हमारे जीवन को बदल रहा है। हमने पहले ही एम्बेडेड उपकरणों के माध्यम से रोजमर्रा की वस्तुओं को इंटरनेट से जोड़ना शुरू कर दिया है; स्मार्ट होम पहले ही एक वास्तविकता है, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रगति के साथ, इंटरनेट ऑफ थिंग्स सिस्टम कार्यात्मक रोबोट, सेल्फ-ड्राइविंग कारों, आदि को साकार कर रहे हैं। आगे वह कहती हैं कि पारिस्थितिकी तंत्र के बीच इंटरनेट ऑफ थिंग्स सेवाओं को साझा करने में रुचि बढ़ रही है। ऐसे तंत्र में एक बुनियादी सवाल यह है कि एकल इंटरनेट ऑफ थिंग्स सेटअप का सबसे अच्छा उपयोग और नियंत्रण कैसे कर सकते हैं ?

आओ अपनी उत्कृष्टत उपलब्धियां पहचानकर राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर

पारदर्शिता और जनभागीदारी के लिए सभी राष्ट्रीय पुरस्कार राष्ट्र का गौरव को राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर एक मंच पर लाना सराहनीय कार्य - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर अक्सर हम मीडिया के माध्यम से वैश्विक और राष्ट्रीय पुरस्कारों की चर्चा सुनते रहते हैं।अंतरराष्ट्रीय स्तरपर अक्सर नोबेल पुरस्कार, अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के पुरस्कार की चर्चा जोरों पर होती है।

साथियों बात हम भारतीय राष्ट्रीय पुरस्कारों की बात करें तो भारत रत्न, पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्म श्री, दादा साहब फाल्के पुरस्कार सहित अनेक अलग अलग क्षेत्रों में नागरिकों की उत्कृष्टता योग्यता गुणवत्ता के आधार पर पहचान कर पुरस्कार गौरव से सम्मानित किया जाता है परंतु मेरा मानना है कि पहली बात इन पुरस्कारों में भाई भतीजावाद, भ्रष्टाचार अपनों वाला शब्द से इनकार नहीं किया जा सकता तथा दूसरी बात एक गांव एक खेत खलिहान व गरीब योग्यतावान व्यक्ति जानकारी उपलब्ध ना होने के कारण भी इन राष्ट्रीय पुरस्कारों से वंचित रहते हैं इसलिए दोनों बातों को रेखांकित किया जा सकता है।शायद इसलिए ही पारदर्शिता और जनभागीदारी, सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबकी भागीदारी फार्मूले के तहत अब सभी राष्ट्रीय पुरस्कारों राष्ट्र के गौरव को राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल, एक मंच प्रदान कर उस पर लाना एक सराहनीय कार्य है। हालांकि डिजिटल इंडिया में वैसे भी हर मंत्रालय द्वारा प्रदत पुरस्कारों की प्रक्रिया ऑनलाइन ही की जाती है परंतु अब इन सबको एक मंच पर लाना रेखांकित करने वाली बात है, इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से सभी शासकीय पुरस्कारों और सभी नामांकन की ड्यू डेट वाले पुरस्कारों की चर्चा मीडिया में उपलब्ध जानकारी और पीआईबी के आधार पर करेंगे।

साथियों बात अगर हम20 अगस्त 2022 को आए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल की करें तो पीआईबी के अनुसार,सरकार द्वारा एक सामान्य राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल विकसित किया गया है ताकि पारदर्शिता और जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों/एजेंसियों के सभी पुरस्कारों को एक मंच पर लाया जा सके। यह पोर्टल प्रत्येक नागरिक या संगठन को भारत सरकार द्वारा स्थापित विभिन्न पुरस्कारों के लिए व्यक्तियों/संगठनों को नामित करने की सुविधा प्रदान करता है। नागरिक पुरस्कार अपने कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों वाले लोगों को प्रदान किए जाते हैं। ये पुरस्कार गणतंत्र दिवस पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा संबंधित प्राप्तकर्ताओं को प्रदान किए जाते हैं। इन नागरिक पुरस्कारों का स्थापना वर्ष 1954 है।

साथियों भारत की सम्मान प्रणाली, भारतीय गणराज्य द्वारा दिए जाने वाले सम्मानों हेतु प्रयोग की जाने वाली प्रणाली है। निम्नलिखित अनेक प्रकार के पुरस्कार/ सम्मान हैं जो अलग अलग भिन्न कारणों व परिस्थितियों के अनुसार दिए जाते हैं। भारत रत्न, परम वीर चक्र, पद्म सम्?मान, शौर्य चक्र, अशोक चक्र इनमें से प्रमुख हैं।

साथियों बात अगर हम भारत में मुख्यत:मिलने वाले राष्ट्रीय पुरस्कारों की करें तो इन्हें इन श्रेणियों में रखा गया है(1) नागरिक पुरस्कार - 1.1 भारत रत?न 1.2 पद्म पुरस्कार(2) सैन्य पुरस्कार 2.1 युद्धकालीन वीरता पुरस्कार 2.2 शांति के दौरान के पुरस्कार (3) चिकित्सा पुरस्कार (4) नेतृत्व पुरस्कार (5) साहित्य पुरस्कार (6) खेल और साहसिक पुरस्कार (7) सिनेमा और कला (8) विशेष पुरस्कार 8.1 पुलिस पुरस्कार 8.2 वीरता पुरस्कार।

साथियों बात अगर हम वर्तमान में ऑनलाइन खुले राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए नामांकन/सिफारिशों की करें तो अभी निम्न पुरस्कारों के लिए नामांकन शुरू है और भारत का कोई भी संबंधित योग्यता उपलब्धि रखने वाला नागरिक नामांकन कर सकता है। - पद्म पुरस्कार- अंतिम तिथि 15/09/2022, वानिकी में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2022- अंतिम तिथि 30/09/2022, राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार 2022-अंतिम तिथि 15/09/2022, राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2022- अंतिम तिथि 15/09/2022, वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - वयोश्रेष्ठ सम्मान 2022- अंतिम तिथि 29/08/2022, व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2021- अंतिम तिथि 28/08/2022, व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2022- अंतिम तिथि 28/08/2022, दि०?यांगजनों के सशक्तिकरण में कार्यरत संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2021- अंतिम तिथि 28/08/2022, दि०?यांगजनों के सशक्तिकरण में कार्यरत संस्थानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2022- अंतिम तिथि 28/08/2022, राष्ट्रीय सीएसआर पुरस्कार 2022- अंतिम तिथि 31/08/2022, नारी शक्ति पुरस्कार 2022- अंतिम तिथि 31/10/2022, सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार 2023- अंतिम तिथि 31/08/2022, मद्यपान और मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2022- अंतिम तिथि 29/08/2022, जीवन रक्षा पदक - अंतिम तिथि 30/09/2022

साथियों बात अगर हम कुछ विशिष्ट भारतीय पुरस्कारों की करें तो, भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार हैं। इसे 1954 में स्थापित किया गया था।जाति, व्यवसाय, पद, लिंग या धर्म के भेद के बिना कोई भी व्यक्ति इस पुरस्कार के लिए पात्र है। यह मानव सेवा के किसी भी क्षेत्र मेंअसाधारण सेवा या उच्चतम क्रम के प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाता है। पुरस्कार प्रदान करने पर, प्राप्तकर्ता को राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित एक सनद (प्रमाणपत्र) और एक पदक मिलता है।

पद्म विभूषण असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। पद्म विभूषण भारत में दूसरा सबसे बड़ा नागरिक पुरस्कार है। पद्म भूषण एक उच्च क्रम की विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है।

अरमाँ मेरे जगने लगे....

अरमाँ मेरे जगने लगे,
सपने मेरे सजने लगे...
रब ने मुझे जो तुझको दिया ..
सब शिक़वे गिले मिटने लगे...
अरमाँ मेरे जगने लगे....

तेरे बिना ..... है बेताबियाँ
घबराहटें ..... परेशानियाँ
देखो जरा तुम जो हो वहाँ
रुक सा गया मेरा जहाँ
समझो ना तुम दिल की जुबाँ
आता नहीं करुँ कैसे बयाँ
धड़कन मेरे कहने लगे...
अरमाँ मेरे जगने लगे....

तन्हाईयाँ .... बेचैनियाँ....
मुझको मिली है रुसवाईयाँ
ख्यालों के अंधेरे से डरती है
परछाइयाँ सुबह मेरी आती नहीं ...
रातें मेरी जगने लगी..
अरमाँ मेरे जगने लगे....

तेरी शैतानियाँ.... बादमाशियाँ ....
वो मासूमियत .... नादानियाँ ....
यादों तेरी रुलाते मुझे...
पर आँसू मेरे क्यों दिखते नहीं .....
अरमाँ मेरे जगने लगे....

अरमाँ मेरे जगने लगे,
सपने मेरे सजने लगे...
रब ने मुझे जो तुझको दिया ..
सब शिक़वे गिले मिटने लगे...

शार्ट न्यूज

सोनभद्र में पुलिस हिरासत से कैदी फरार

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिला कारागार में हत्या के एक मामले में निरुद्ध विचाराधीन कैदी मंगलवार को जिला अस्पताल के पैथोलॉजी कक्ष से फरार हो गया। बीमार होने के कारण उसे चार सिपाही उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर आये थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि चोपन थाना क्षेत्र के डाला क्षेत्र का निवासी लछु केवट हत्या के आरोप में 10 अप्रैल 2020 से जिला कारागार गुरमा में निरुद्ध है। वह टीबी का मरीज है। मंगलवार को तबीयत खराब होने पर उसे चार सिपाहियों की सुरक्षा में जिला अस्पताल उपचार के लिए ले जाया गया था। सिपाही लछु को पैथोलॉजी के पास बैठा कर इधर-उधर हुए कि विचाराधीन कैदी वहां से फरार हो गया। सिपाहियों ने उसकी तलाश शुरू की लेकिन पता नहीं चला। अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला गया लेकिन कोई जानकारी नहीं हुई। इसके बाद सिपाहियों ने उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। जिला कारागार के डिप्टी जेलर जगदंबा प्रसाद दुबे ने बताया कि लछु तपेदिक का पुराना मरीज है। जेल के अंदर के डॉक्टर ने उसकी जांच की थी। उसके मुंह से खून आ रहा था। इसलिए उसे रूटीन चेकअप के लिए जिला अस्पताल सुबह करीब नौ बजे भेजा गया था। उधर पुलिस अधीक्षक के पीआरओ ने बताया कि मामले की जानकारी हुई है। जांच की जा रही है। सुरक्षा में लगे सिपाहियों पर एफआईआर कराई जाएगी। अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

महोबा : सड़क हादसे में दो की मौत दो घायल

महोबा। उत्तर प्रदेश में महोबा के सदर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को हुई भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगो की दर्दनाक मौत हो गई और एक महिला समेत दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस उप अधीक्षक आरपी राय ने बताया कि उक्त हादसा कानपुर सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जिला मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर मिरतला गांव के निकट हुआ। जिसमें तेज रफ्तार मोटरसाइकिल व मारुति वैन की जोरदार भिड़ंत में बाइक के परखच्चे उड़ गए। वहीं, मारुति वैन सड़क के किनारे एक खाई में जा गिरी। दुर्घटना में बाइक सवार अज्ञात युवक की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि मारुति वैन में सवार फतेहपुर के महुआ गांव के पंकज की अस्पताल ले जाते समय मृत्यु हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दुर्घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए मृतकों की आत्म शांति की कामना कर शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि घटना के समय मृतक पंकज अपने पिता कैलाश और माँ आशादेवी को लेकर मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम में दर्शन पूजन के लिए जा रहा था। हादसे में बुरी तरह से घायल हुए कैलाश व आशा देवी को तत्काल पुलिस की मदद से इलाज के लिए महोबा जिला अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने कैलाश को मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया।

संक्रामक रोगों पर नजर रखें चिकित्सक, ओपीडी पर समय से बैठें

लखनऊ। बरसात के मौसम में संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश देते हुये डाक्टरों को ओपीडी में पूरा समय देने को कहा है। लोकभवन में मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में श्री योगी ने कहा कि बरसात के मौसम में अनेक संक्रामक बीमारियों का प्रकोप बढ़ने की आशंका है। अस्पतालों में दैनिक ओपीडी के रिकार्ड बताते हैं कि वायरल/मौसमी बीमारियां बढ़ रही हैं। स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा तत्काल सभी सरकारी अस्पतालों, सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेजों में दवाओं की उपलब्धता, डॉक्टरों की उपस्थिति, जांच उपकरणों की कार्यशीलता की जांच कर ली जाए। डॉक्टर समय से ओपीडी में बैठें। कहीं से भी कोई शिकायत मिले तो तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि कोविड संक्रमण से बचाव के लिए टीकाकरण के टीके की %अमृत डोज% (बूस्टर/प्रिकॉशन डोज) दी जा रही है। साप्ताहिक वृहद बूस्टर डोज अभियान का आयोजन सफल हो रहा है। पिछले रविवार 19 लाख से अधिक लोगों ने बूस्टर डोज का लाभ लिया। अब तक दो करोड़ से अधिक लोगों ने बूस्टर डोज लगवा लिया है। इसमें और तेजी की जरूरत है।

शामली में मंदिर से लाखों के आभूषण चोरी

शामली। उत्तर प्रदेश के शामली जिले के कैराना क्षेत्र में स्थित प्राचीन बाला सुंदरी देवी मंदिर के तीन ताले तोड़कर अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये कीमत के आभूषण और अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि मंगलवार देर रात्रि अज्ञात चोरों ने प्राचीन बाला सुंदरी मंदिर को अपना निशाना बनाया। चोरों द्वारा मंदिर के बड़े भवन के गेट के तीन ताले तोड़े गए तथा लकड़ी के पल्ले को चौखट से अलग कर दिया जिसके बाद मंदिर के अंदर देवी माता की मूर्ति के पास रखें चांदी के 45 छत्र, एक चांदी का मुकुट, चांदी के तीन बड़े छत्र व एक तोला सोने का छत्र चोरी कर लिया। चांदी के सभी छत्रों का वजन करीब साढ़े तीन किलो बताया गया है। मंदिर के बराबर में ही एक परिसर में अपने परिवार के साथ रह रहें पंडित आशीष कुमार सुबह लगभग पांच बजे मंदिर खोलने गए तो मंदिर के ताले टूटे मिले तथा दरवाजे भी मंदिर के अंदर पड़े मिले। मंदिर में हुई चोरी की घटना की सूचना पंडित द्वारा मंदिर कमेटी व श्रद्धालुओं को दी। जिसके बाद काफी संख्या में श्रद्धालु मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पाकर कोतवाली प्रभारी अनिल कपरवान किला गेट पुलिस चौकी इंचार्ज पवन सैनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तथा आसपास की जानकारी जुटाई इसके बाद अपर पुलिस एडिशनल एसपी ओपी सिंह भी मंदिर में पहुँचे और मंदिर के पुजारी से मामले के संबंध में जानकारी ली।

पशुओं को लंपी वायरस से बचाने के लिये लगेंगे टीके

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पशुओं को लंपी वायरस से बचाने के लिये वृहद टीकाकरण अभियान शुरू करने के निर्देश दिये हैं। लोकभवन में मंगलवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में श्री योगी ने पिछले दिनों गोवंश पर लंपी वायरस का दुष्प्रभाव देखने को मिला है। इस संक्रमण के कारण कई राज्यों में व्यापक पशुधन हानि हुई है। प्रदेश में इसके प्रसार को रोकने के लिए हमें मिशन मोड में काम करना होगा। स्थिति सामान्य होने तक प्रदेश में पशुमेलों का आयोजन स्थगित रखा जाए। अंतरराज्यीय पशु परिवहन पर रोक लगाई जाए। पशुपालकों को संक्रमण के लक्षण और उपचार के बारे में पूरी जानकारी दी जाए। गोआश्रय स्थलों में अनावश्यक लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि लंपी वायरस से सुरक्षा के लिए पशु टीकाकरण का विशेष अभियान चलाया जाना जरूरी है। टीके की उपलब्धता के लिए केन्द्र सरकार से भी मदद मिलेगी। वह मक्खी और मच्छर से फैलने वाला वायरस है, ऐसे में ग्राम्य विकास, नगर विकास और पशुपालन विभाग परस्पर समन्वय से गांव व शहरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। संक्रमित पशु की मृत्यु की दशा में अंतिम क्रिया पूरे मेडिकल प्रोटोकॉल का साथ कराया जाए। किसी भी दशा में संक्रमण का प्रसार न हो।

ट्रेन में हार्ट अटैक से यात्री की मौत

प्रयागराज। मुंबई से अपने गांव लौट रहे एक यात्री की ट्रेन में मौत हो जाती है। आस पास बैठे यात्रियों को उसकी भनक तक नहीं लगती है। घंटों बाद भी जब यात्री सोकर नहीं उठा तो बगल वाली बर्थ पर बैठे एक यात्री ट्वीट के जरिए रेलवे और लक्ष्मको इसकी जानकारी दी। मंगलवार को सुबह करीब 10 बजे ट्रेन जब प्रयागराज जंक्शन पर पहुंची तो वहां रेलवे के डाक्टर और जीआरपी के जवान भी ट्रेन में पहुंच गए। डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जीआरपी ने परिवार के लोगों को इसकी जानकारी दी और शव को परिवार वालों को सौंपा। यात्री को यदि समय रहते इलाज मिल गया होता तो शायद उसकी जान बचायी जा सकती थी। सोनू कुमार कौशांबी जनपद के सिराथू का रहने वाला था। वह सोमवार को मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनल से ट्रेन संख्या 11055 गोदान एक्सप्रेस में सवार हुआ था। बर्थ नंबर 28 पर सो गया। लेकिन पूरी रात वह नहीं उठा।

माफिया अतीक अहमद पर योगी सरकार का शिकंजा

75 करोड़ की अवैध संपत्तियां कुर्क होगी

एजेंसी

प्रयागराज। अवैध धंधे से कमाई कर अर्जित की गई माफिया अतीक अहमद की संपत्तियों को कुर्क करने की अनुमति मिल गई है। धूमनगंज पुलिस की रिपोर्ट पर जिलाधिकारी ने अतीक की 75 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियों को गैंगस्टर एक्ट में कुर्क करने का आदेश जारी कर दिया है। पुलिस को छह सितंबर तक कार्रवाई करके जिलाधिकारी को रिपोर्ट देनी है। कुछ दिन पहले ही धूमनगंज पुलिस ने अतीक की 24 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क किया था। पूर्व सांसद और माफिया अतीक अहमद की अवैध संपत्तियों की खोजबीन के लिए धूमनगंज व पूरामुफ्ती पुलिस को लगाया गया है। 24 करोड़ की संपत्ति कुर्की के बाद पुलिस ने कौशाम्बी जिले में अतीक की पत्नी शाइस्ता के नाम से आठ बीघा जमीन का पता लगाया। इसके अलावा शाइस्ता के नाम से हाईवे पर पौने चार बीघा जमीन भी मिली थी।

वहीं, रहीमाबाद में अतीक के नाम से ही सवा दो बीघा प्रॉपर्टी की जानकारी मिली है। इन तीनों प्रॉपर्टी को कुर्क करने के लिए एसएसपी के माध्यम से जिलाधिकारी से अनुमति मांगी गई थी। पुलिस गैंगस्टर एक्ट की धारा 14-1 के तहत माफियाओं की अवैध संपत्तियां कुर्क कर रही है। इसी एक्ट के तहत अतीक की 75 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क किया जाएगा।

मेरठ में रिटायर दरोगा का काटा गला, खुद थाने पहुंच कर आरोपी बोला, मैंने किया है मर्डर

मेरठ। मेरठ के हसनपुर कलां में नशे में धुत युवक ने अपने मौसा रिटायर दारोगा की धारदार हथियार से गर्दन काटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर आरोपी खुद थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। हां मैंने मर्डर किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। नोएडा गौतमबुद्धनगर का दनकौर थानांतर्गत भट्टा पारसौल निवासी श्यौराज सिंह (67) सोमवार शाम किठौर के गांव हसनपुर कलां में अपने साढू महेंद्र के यहां आया था। बताया गया कि खाने के बाद श्यौराज सिंह और उसकी साली के लड़के अंकुर (28) ने एक साथ शराब पी और फिर सोने चले गए। यहां नशे में दोनों के बीच शुरू हुई बातचीत आक्रोश में बदली और अंकुर ने पास में रखे फावड़े से मौसा श्यौराज की गर्दन पर वार कर दिया, जिससे श्यौराज की गर्दन कटने से मौके पर ही मौत हो गई। सूत्रों का कहना है कि वारदात को अंजाम देकर हत्यारोपी खुद थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी देते हुए सरेंडर कर दिया। हालांकि इंस्पेक्टर अरविंद मोहन शर्मा ने हत्यारोपी के सरेंडर से इंकार किया है।

तेज रफ्तार इनोवा कार होटल में घुसी, एक की मौत, दो घायल

रायबरेली। लखनऊ-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सरौरा गांव के पास अनियंत्रित इनोवा का होटल में घुस गई। कार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है। वहीं दो अन्य घायल हुए हैं। अशोक कुमार (65) पुत्र लाल बहादुर निवासी सरौरा गांव के पास ही लखनऊ प्रयागराज हाईवे किनारे स्थित अपने होटल में एक चाय की दुकान चलाते हैं। मंगलवार सुबह लगभग छह बजे सुबह अपनी दुकान पर चाय बना रहे थे। इसी दरमियान लखनऊ रायबरेली की ओर जा रही एक अनियंत्रित इनोवा कार साइकिल सवार मायाराम (52) पुत्र सत्रोहन निवासी दोस्तपुर व होटल के सामने खड़े होकर चाय पी रहे अनुराग वर्मा पुत्र सुशील वर्मा निवासी कस्बा प्रकाश नगर महाराजगंज को रौंदते हुए होटल में जा घुसी। होटल में टकराते ही होटल मालिक अशोक कुमार भी कार की चपेट में आ गया। हादसे में अनुराग इनोवा कार के नीचे फंस गया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद अनुराग को इनोवा कार के नीचे से बाहर निकाला। तभी मौका पाकर इनोवा कार चालक घटनास्थल से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सैलरी देने के बहाने आधी रात को केबिन में बुलाकर रिसेप्शनिस्ट का रेप

हॉस्पिटल ओनर के खिलाफ केस दर्ज

गोरखपुर। गोरखपुर के एक हॉस्पिटल ओनर पर सैलरी देने के बहाने अपनी रिसेप्शनिस्ट को आधी रात को केबिन में बुलाकर रेप करने का आरोप लगा है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामला, शाहपुर के पादरीबाजार स्थित न्यू लाइफ हॉस्पिटल का है। हॉस्पिटल में रिसेप्शनिस्ट का काम करने वाली लड़की का कहना है कि उसे 8500 रुपये की सैलरी पर रखा गया था। लेकिन छह महीने से तनख्वाह नहीं मिली।

लड़की का कहना है कि उसे कॉलेज की फीस जमा करनी थी, इसलिए कई दिनों से संचालक से सैलरी मांग रही थी। युवती ने बताया कि 20 अगस्त की रात उसकी नाइट शिफ्ट थी। अस्पताल संचालक मणि पांडेय ने उसे रात एक बजे केबिन में बुलवाया। उसने 500 रुपये देते हुए कहा तुम्हें पैसों की जरूरत थी, रख लो।

इस पर मैंने कहा, सर इससे क्या होगा। मुझे अपनी फीस जमा करनी है। इतना कम पैसा मिलने पर विरोध किया तो संचालक ने बाल पकड़ लिया और मेज पर दुष्कर्म किया। विरोध करने बुरी तरह पीटा। घर पहुंच कर उसने परिवारवालों को बताया और शाहपुर थाने में तहरीर दी। इंस्पेक्टर शाहपुर रणधीर मिश्रा ने बताया, रिसेप्शनिस्ट की शिकायत पर न्यू लाइफ हॉस्पिटल के संचालक मणि पांडेय के खिलाफ रेप और मारपीट का केस दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेजा जा रहा है।

एक और महिला कर्मी से की थी छेड़खानी

रेप की घटना के बाद एक और महिला कर्मी सामने आई है। उसने भी संचालक मणि पांडेय पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि मणि काफी दिनों से छेड़छाड़ कर रहा था। हालांकि महिला ने पुलिस को तहरीर नहीं दी है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

सोमवार की शाम पुलिस अस्पताल पर पहुंची और अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। हालांकि अस्पताल मालिक मणि पांडेय भाग गया है। उधर, पुलिस की पहल पर स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल की भी जांच शुरू कर दी है।

आर्यन हॉस्पिटल के संचालक पर मुकदमा

आर्यन हॉस्पिटल के संचालक पर डॉक्टर से 6.58 लाख रुपये हड़पने के मामले में तहरीर के आधार पर कैंट पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। हरिओम नगर में रहने वाले डॉ. एलबी गुप्ता का छात्रसंघ चौराहा पर क्लिनिक है। कैंट थाना प्रभारी को दी गई तहरीर में उन्होंने लिखा है कि दाउदपुर स्थित आर्यन हॉस्पिटल में मरीज भर्ती करने के साथ ही अपनी दवा की थोक दुकान से आपूर्ति करता था।

भदोही में यूनिफॉर्म में ना आने को लेकर पूर्व प्रधान पर दलित युवती को पीटने और स्कूल से बाहर निकालने का आरोप

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही में एक दलित लड़की को कथित रूप से जातिवादी गाली देने और स्कूल से बाहर निकलाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूल की वर्दी ना पहनने को लेकर पूर्व प्रधान ने दलित युवती को जातिसूचक गालियां दी और स्कूल से निकाल दिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान पूर्व प्रधान मनोज कुमार दुबे के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ना तो अधिकारी है और न ही शिक्षक, फिर भी वह हर दिन स्कूल जाता है और शिक्षकों और बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करता है। चौरी थाना प्रभारी गिरिजा शंकर यादव के मुताबिक दुबे ने सोमवार को सरकारी स्कूल की

आठवीं कक्षा की छात्रा से वर्दी नहीं पहनने को लेकर पूछताछ की। इस दौरान लड़की ने उसने कहा कि जब उसके पिता वर्दी खरीदेंगे तो वो वर्दी पहन लेगी। आरोप है कि मनोज कुमार दुबे इस बात से भड़क गया और उसने लड़की की ना सिर्फ पिटाई की बल्कि उसे जातिसूचक शब्द बोलते हुए स्कूल से बाहर भी निकाल दिया। पुलिस के मुताबिक बच्ची की मां की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मारपीट, धमकाने और एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी अक्सर स्कूल टीचरों पर धौंस जमाता है और उनके साथ बदतमीजी करता है। उसके रसूख के चलते प्रिंसिपल से लेकर टीचर तक सब डरे-सहमे रहते हैं। कोई भी टीचर आरोपी के खिलाफ आवाज नहीं उठाता। आरोपी हर रोज स्कूल आता है और स्कूल को अपनी जागीर समझता है और हर किसी के साथ मनमाना व्यवहार करता है और गाली-गलौज करता है।

गोण्डा में चोरों ने उड़ाये लाखों के जेवर

गोण्डा। उत्तर प्रदेश में गोण्डा जिले के तरबगंज क्षेत्र में चोरों ने एक घर में सेंधमारी कर लाखों के आभूषण और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बतायाकि नरायनपुर के मजरा छोटकी हजारिया गांव निवासी परमेश्वर के घर में बीती रात अज्ञात चोर पेड़ के सहारे घर में घुस गये और कमरे में रखा लाखों का आभूषण व नगदी चुरा कर फरार हो गये। उन्होंने बताया कि आज सुबह घर में सामान बिखरा देख कर परमेश्वर और उसके घर वालों को चोरी की घटना पता चली। गृहस्वामी के अनुसार चोर लाखों के जेवरात और एक लाख 75 हजार रूपये की नगदी पर हाथ साफ कर गये हैं।

पुलिस कर्मी बनकर परीक्षार्थी से वसूले 75 हजार

आगरा। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा वन्य जीव रक्षक की परीक्षा में एक परीक्षार्थी से अवैध वसूली की गई। फर्जी परीक्षार्थी बताकर उसे धमकाया गया। जेल भेजने की धमकी दी गई। वसूली करने वाले ने खुद को पुलिस कर्मी बताया। परीक्षार्थी से 75 हजार रुपये वसूल लिए। ऑन लाइन यह रकम जमा कराई गई। पीड़ित ने इस संबंध में एडीजी जोन राजीव कृष्ण से शिकायत की है। उन्होंने एसएसपी आगरा को प्रकरण की जांच के निर्देश दिए हैं। रविवार को परीक्षा थी। कुरावली (मैनपुरी) के गांव खिरिया पीपर निवासी अवनीश यादव परीक्षा देने आया था। सदर क्षेत्र में सेंटर पड़ा था। अवनीश कुमार ने आरोप लगाया है कि उससे अवैध वसूली हुई है। वह सुबह परीक्षा केंद्र पहुंचा। गेट पर आधार कार्ड चेक हुए। फिंगर प्रिंट लिए गए। वो मिल नहीं रहा था। कर्मचारी ने उन्हें लाइन से अलग बुला लिया। उससे कहा कि वह फर्जी परीक्षार्थी है। कर्मचारी ने खुद को एसओजी कर्मी बताया। मुकदमा लिखकर जेल भेजने की धमकी दी। वह घबरा गया। कथित पुलिस कर्मी ने उससे उसके भाई लोकेंद्र कुमार का नंबर लिया। भाई को व्हाट्स एप कॉल की। मामला रफादफा करने के दो लाख रुपये मांगे। रुपये नहीं देने पर कथित पुलिस कर्मी थाने चलने की कहने लगा। वह भी बुरी तरह घबरा गया। अपनी सफाई दी मगर वह कुछ भी सुनने को तैयार नहीं था। धमकी से उसका भाई भी दहशत में आ गया। उसका भाई लोकेंद्र कुमार सीआरपीएफ दिल्ली में तैनात है। भाई ने तीन बार में 75 हजार रुपये आरोपित के फोनपे पर ट्रांसफर कर दिए। रुपये मिलने के बाद उसे परीक्षा देने दी गई।

अवैध संबंधों का विरोध करने पर बेटी की हत्या कर फूंका शव

एटा। अवैध संबंध का विरोध करने पर एक पिता ने बेहद खौफनाक वारदात को अंजाम दिया है। बेटी की हत्या कर दी। हत्या करने से पहले पत्नी को कमरे में बंद कर दिया। बेटी की हत्या के बाद शव को रात में जला दिया गया। किसी तरह कमरे से बाहर आने पर पत्नी ने पुलिस को सूचना दी। बेटी की हत्या का मुकदमा पिता के साथ ही बुआ और चार लोगों के खिलाफ दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली जलेसर के गांव गनेशपुर निवासी शकुंतला देवी ने बताया कि पति बृजवासी से सत्रह साल पहले शादी हुई थी। आरोप है कि 2014 से पति के थाना रिजोर के गांव बाकलपुर निवासी महिला से अवैध संबंध हो गए। जिसका वह खुद, बेटी नीलू (15) विरोध करती है। इन्ही सब विवादों को लेकर वह गांव के बाहर बने कमरे में रहती है। आरोप है कि रात में पति बृजवासी घर पर आया। इस दौरान बेटी नीलू और पिता में कहासुनी होने लगी। रात करीब दो बजे बृजवासी ने बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को पेड़ पर लटका दिया। जब पत्नी ने विरोध किया तो कमरे में बंद कर दिया और मोबाइल भी छीन लिया।

चचेरे भाई विनोद के साथ मिलकर रात में ही बेटी का अंतिम संस्कार कर दिया। सोमवार सुबह ग्रामीणों की मदद से कमरे से बाहर आई और मायकेवालों को सूचना दी। जानकारी पर पहुंचे मायकेवालों की मदद से पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हड्डी, राख को सैंपल लिए और जिन्हें जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला आगरा में भेजे जाएंगे। मां ने आरोप लगाया कि पिता और बेटी से विवाद से पहले उसकी ननद मनोरमा ने फोनकर बेटी को धमकाया। मृतका की मां ने आरोपी पति बृजवासी, विनोद, मनोरमा, एक अन्य के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है।

किसानो की समस्यायों को लेकर राज्यपाल से मिला रालोद का प्रतिनिधिमंडल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानो के बकाये का भुगतान समेत अन्य समस्यायों को लेकर राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की और दस सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन सौंपा। पार्टी सूत्रों ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष जयंत चौधरी के निर्देश पर पार्टी के एक 12 सदस्यीय प्रतिनिधि ने राज्यपाल से भेंट की और गन्ना किसानों एवं प्रदेश की अन्य ज्वलंत समस्याओं से सम्बन्धित 10 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मण्डल में रालोद के के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनजीत सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे, टीम आरएलडी के राष्ट्रीय संयोजक अनुपम मिश्रा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव आरिफ महमूद आदि शामिल थे। उन्होने बताया कि प्रदेश में गन्ना किसानों का वर्ष 2021-22 का गन्ना भुगतान सहकारी व निजी चीनी मिलों पर 1,77,648.96 करोड रूपया बकाया है किसानों की फसलों की लागत बढ़ गई है।

सिरफिरे ने बीच चौराहे दारोगा को पटककर पीटा, किसी तरह हवालात में डाला गया

बदायूं। बदायूं में एक सिरफिरे युवक ने टहलने निकले दारोगा पर अचानक ही हमला कर दिया। हमले में दरोगा को चोट आ गई है। दारोगा की वर्दी भी फट गयी। मामले की जानकारी पर पहुंची पुलिस टीम आरोपी को पकड़कर कोतवाली ले आयी। जैसे तैसे उसे काबू करके हवालात में बंद किया जा सका।

देर शाम को पुलिस लाइन में तैनात दारोगा अवधेश पारासर किसी काम से अलापुर गये थे। देर शाम को वे जोगीपुरा रोड पर स्थित एक धर्मशाला के पास रुकने के बाद पैदल ही लावेला चौक से जा रहे थे। जैसे ही जैन मंदिर के पास पहुंचे सिरफिरे युवक ने उन पर अचानक हमला कर दिया।

दारोगा कुछ समझ पाते तब तक सिरफिरे ने उन्हें जमीन पर गिरा दिया और पीटने लगा। बीच चौराहे वर्दी में दारोगा की पिटाई देख लोग बचाने दौड़े। कई लोगों ने कोशिश की लेकिन सिरफिरा किसी के कब्जे में नहीं

आया। इस पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और उसको दबोचना चाहा लेकिन वह सिपाहियों से भी भीड़ गया। जैसे जैसे लोगों की मदद से उसे काबू करके कोतवाली ले जाया गया। कोतवाली में सिरफिर ने गाली के अलावा बात ही नही की। पुलिस ने उसको काबू करने की कोशिश की तो वह योगी-मोदी जिंदाबाद के नारे लगाने लगा। इसके बाद पुलिस को समझ में आ गया कि युवक मानसिक बीमार है।

इसके बाद उसे जिला अस्पताल भेजा। प्रभारी कोतवाल आकाश कुमार ने बताया, युवक सिरफिरा है। उसको हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों के निर्देश के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। दरोगा को चोट नहीं लगी है। हमला किया गया है। जांच की जा रही है।

इस वजह से दारोगा को पीटा

सुबह घायल हालत में दादी की रसोई के पास मिला सिरफिरे युवक का नाम राजा पुत्र चंद्रपाल निवासी बरनी ढकपुरा को एंबुलेंस से दादी की रसोई के पास से घायल अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया था। जैसे ही वह जिला अस्पताल पहुंचा वैसे ही वह एंबुलेंस कर्मचारी से भिड़ गया।

कर्मचारी से छूटा तो अस्पताल में तैनात होमगार्ड से भिड़ गया। जैसे तैसे उसको बचाया गया। शाम के समय उसकी हरकत देख पुलिसकर्मियों ने उसे पीट दिया। इससे वह तैश में था। इसी बीच पैदल जाते दरोगा को वह पिटाई करने वाले पुलिस कर्मी समझा और उन्हें पीट डाला।

डांसर सपना चौधरी की बढ़ी मुश्किलें

लखनऊ कोर्ट ने जारी किया गिरफ्तारी वारंट

लखनऊ। मशहूर डांसर सपना चौधरी के खिलाफ लखनऊ की ACJM कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। डांस प्रोग्राम में न पहुंचने और टिकट का पैसा न लौटाने के 4 साल पुराने मामले में कोर्ट में गैरहाजिर रहने पर यह वारंट जारी हुआ है। सपना ने 10 मई को इस मामले में सरेंडर कर अंतरिम जमानत ली थी। 8 जून को सपना की नियमित जमानत भी सशर्त मंजूर हुई थी।

सोमवार को इस मामले में सुनवाई थी, लेकिन सपना कोर्ट नहीं पहुंचीं तो कोर्ट ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया।

26 मई को वारंट रिकॉल कराने आई थीं सपना

इसी साल 26 मई को मास्क

लगाकर गुपचुप तरीके से सपना चौधरी कोर्ट पहुंची थीं। लखनऊ की SJM-5 की कोर्ट में 3 घंटे तक वह बैठी रहीं। वह धोखाधड़ी मामले में अंतरिम जमानत पर चल रही हैं।

14 अक्टूबर 2018 को सपना के खिलाफ हुआ था केस

दरअसल हुआ यह था कि इंस्पेक्टर फिरोज खान ने 14 अक्टूबर 2018 को सपना के खिलाफ आशियाना थाने में मामला दर्ज किया था। उनके मुताबिक 13 अक्टूबर को लखनऊ के स्मृति उपवन में उनका प्रोग्राम होना था। यह शो दोपहर 3 बजे से रात 10 बजे के बीच होना था और इस इवेंट के हजारों टिकट पहले ही बिक चुके थे।

जब सपना शो में नहीं आईं तो भीड़ ने हंगामा मचाना शुरू कर दिया और शो के ऑर्गनाइजर्स ने भीड़ के टिकट के पैसे भी नहीं लौटाए। इवेंट के ऑर्गनाइजर्स जुनैद अहमद, नवीन शर्मा, इवाद अली, अमित पांडे और रत्नाकर उपाध्याय भी इस मामले में आरोपी हैं।

सपना को 8 जून तक मिली थी राहत

कोर्ट में पेश न होने पर 17 नवंबर 2021 को सपना चौधरी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। इसके बाद 23 नवंबर 2021 को सपना चौधरी ने गिरफ्तारी वारंट निरस्त करने की मांग की थी। इसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। फिर 21 दिसंबर 2021 को सपना चौधरी की अग्रिम जमानत अर्जी भी खारिज कर दी गई थी। इसके बाद 25 मई को उनको अंतरिम जमानत मिली थी, जिसको 8 जून तक के लिए बढ़ा दिया गया था। फिर पेशी पर आने पर दोबारा नोटिस भेजी गई।

भाजपा अपने नेताओं के बिगड़े बोल पर लगाम लगाये : मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा)की अध्यक्ष मायावती ने तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक की विवादित टिप्पणी को शर्मनाक बताते हुए कहा है कि भाजपा को अपने नेताओं के 'बिगड़े बोल' पर लगाम लगाकर उन्हें संयमित आचरण करने की जिम्मेदारी का अहसास कराना चाहिये।

मायावती ने मंगलवार को कहा कि भाजपा से निलंबित पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के अमर्यादित बयान से देश का बिगड़ा माहौल अभी ठीक नहीं हो पाया था कि अब तेलंगाना से भाजपा के विधायक राजा सिंह के उसी प्रकार का उत्तेजनात्मक काम किया है। यह निंदनीय है।

उन्होंने ट्वीट कर कहा, अभी भाजपा से निलम्बित नुपूर शर्मा द्वारा पैग़म्बर-ए-इस्लाम के विरुद्ध विवादित टिप्पणी पर देश भर में गर्माया माहौल पूरी तरह से ठण्डा भी नहीं हो पाया है कि बीजेपी के अन्य नेता तेलंगाना के विधायक राजा सिंह ने उसी प्रकार का उत्तेजनात्मक कार्य किया है जो अति-शर्मनाक व घोर निन्दनीय। मायावती ने भाजपा से अपने नेताओं पर नियंत्रण रखने और संयमित व्यवहार करने की नसीहत देते हुए कहा, हालाँकि तेलंगाना सरकार ने बीजेपी विधायक को आज हैदराबाद में गिरफ्तार कर लिया है, किन्तु क्या यह बीजेपी नेतृत्व की जिम्मेदारी नहीं बनती है कि वह अपने लोगों को संयमित व नियंत्रित रखकर देश में अमन-शान्ति कायम रखने के साथ-साथ विदेशों में भारत की छवि को भी आघात लगने से बचाए।

शार्ट न्यूज

सोना 320 और चांदी 539 रुपये चमकी

मुंबई। वैश्विक बाजार की तेजी से समर्थन पाकर आज घरले सर्राफा बाजार में सोना 320 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 539 रुपये प्रति किलोग्राम चमक गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर एक प्रतिशत चढ़कर 1753.09 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिका सोना वायदा 0.80 प्रतिशत चमककर 1747.90 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस दौरान चांदी हाजिर 0.84 प्रतिशत की बढ़त लेकर 19.17 डॉलर प्रति औंस बोली गई। देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 320 रुपये महंगा होकर 51483 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 308 रुपये तेज होकर 51525 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इसी तरह चांदी 539 रुपये मजबूत होकर 55531 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 372 रुपये की तेजी लेकर 56031 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

रुपया एक पैसे चढ़ा

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में जारी तेजी के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में लौटी तेजी की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया एक पैसे की बढ़त लेकर 79.83 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। वहीं, पिछले कारोबार दिवस रुपया 79.84 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया एक पैसे फिसलकर 79.85 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और लिवाली के दबाव में यह 79.90 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक टूट गया। हालांकि बिकवाली होने से यह 79.81 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले दिवस के 79.84 रुपये प्रति डॉलर के मुकाबले एक पैसे की बढ़त लेकर 79.83 रुपये प्रति डॉलर हो गया।

ऑडी की कारें होंगी 2.4 प्रतिशत तक महंगी

मुंबई। जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी ने आज भारत में अपनी कारों के अलग-अलग मॉडलों की कीमतों में 2.4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि लागत बढ़ने के कारण कारों की कीमतों में यह बढ़ोतरी की जा रही है। कीमतों में यह वृद्धि 20 सितंबर 2022 से लागू होगी। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा हम एक स्थायी बिजनेस मॉडल चलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इनपुट और सप्लाई चेन की बढ़ती लागत के कारण, हमें अपनी कारों के अलग-अलग मॉडलों की कीमतों में 2.4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की जरूरत महसूस हुई।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में टिकाव

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में जारी उतार चढ़ाव के बीच घरेलू स्तर पर आज भी पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज लंदन ब्रेंट 1.47 प्रतिशत बढ़कर 97.90 डॉलर प्रति औंस पर और अमेरिकी क्रुड 1.80 प्रतिशत बढ़कर 91.99 डॉलर प्रति औंस बोला गया। घरेलू स्तर पर तेल विपणन करने वाली कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर यथावत है। पिछले दो महीने से अधिक समय से तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर हैं। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

पेयजल परियोजना के लिए एडीबी देगा 9.63 करोड़ डालर का कर्ज

नयी दिल्ली। सरकार ने सोमवार को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के साथ हिमाचल प्रदेश में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने और जलापूर्ति और स्वच्छता सेवाओं में सुधार के लिए 9.63 करोड़ डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए। केन्द्र सरकार की ओर से आर्थिक मामलों के विभाग के अतिरिक्त सचिव रजत कुमार मिश्रा और भारत में एडीबी के लिए निदेशक ताकेओ कोनिशी ने एडीबी के लिए हस्ताक्षर किए। श्री मिश्रा ने नयी दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा यह परियोजना भारत सरकार के जल जीवन मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप है। इसका उद्देश्य 2024 तक सभी ग्रामीण परिवारों को पाइप से पानी उपलब्ध कराना है और यह पानी की आपूर्ति के बुनियादी ढांचे को उन्नत करेगा और सुरक्षित, टिकाऊ और समावेशी ग्रामीण जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत क्षमता को मजबूत करेगा। श्री कोनिशी ने कहा, परियोजना में एडीबी की भागीदारी जल प्रबंधन को सर्वोत्तम अभ्यास प्रदान करेगी, संस्थागत क्षमता को मजबूत करेगी और शुल्क व्यवस्था में सुधार का मार्गदर्शन करेगी।

मूंगफली तेल, गेहूं और चावल हुए महंगे

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर मांग बढ़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में मूंगफली तेल, सोया रिफाइंड के साथ ही गेहूं और चावल के दाम बढ़ गए। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 72 रिंगिट बढ़कर 4235 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, इस दौरान अमेरिकी सोया तेल का सितंबर वायदा 0.01 सेंट फिसलकर 66.34 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान मूंगफली तेल 146 रुपये और सोया रिफाइंड 147 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं, सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में भी तेजी रही। इस दौरान गेहूं 50 रुपये और चावल के भाव 50 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गए। दाल-दलहन : चना 4550-4650, दाल चना 5550-5650, मसूर काली 8300-8400, मूंग दाल 8000-8100, उड़द दाल 9850-9950, अरहर दाल 8650-8750 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2400-2500 रुपये और चावल : 2600-2700 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3530-3660, चीनी एम. 3800-3900, मिल डिलीवरी 3410-3510 और गुड़ 3900-4000 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 16849 रुपये, मूंगफली तेल 19413 रुपये, सूरजमुखी तेल 19780 रुपये, सोया रिफाइंड 15751 रुपये, पाम ऑयल 13773 रुपये और वनस्पति तेल 14652 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

शक्कर मजबूत, खाद्य तेलों में सुधार, दलहनो में गिरावट, दालें घटी, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में मजबूती दर्ज की गई। खाद्य तेलों में सुधार रहा। सोयाबीन रिफाइंड बढ़कर बिका। दलहनो में नरमी रही। आज मूंग सस्ती बिकी वहीं दालों में भाव मंदे बोले गए। चावल में कामकाज सामान्य रहा। शक्कर में उठाव रहा। आज शक्कर में कामकाज 3650 से 3700 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा में मांग दर्ज की गई। हल्दी में कामकाज सामान्य बताया गया। खाद्य तेल में पूछपरख रही। आज सोयाबीन रिफाइंड में भाव ऊंचे बोले गए। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बताई गई इससे तेजी रही। स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में नरमी दर्ज की गई। आज मूंग सस्ती बिकी। दालों में मांग सुस्ती से भाव गिरावट लिए बताए गए। आज चावल में उठाव साधारण रहा। शक्कर 3650 से 3700 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 175 से 190 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 5800 से 7400, पैकिंग में 7600 से 7800 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों निमाड़ी 6000 से 6200, राया 5700 से 5900 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल इंदौर 1660 से 1680, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1225 से 1230, सोयाबीन साल्वेंट 1195 से 1200, पाम तेल 1255 से 1260 रुपये प्रति 10 किलो।

एनडीटीवी ने कहा अडानी समूह की घोषणा एकतरफा

नयी दिल्ली। टीवी चैनल परिचालक एनडीटीवी ने मंगलवार को कहा कि अडानी समूह की ओर से उसके अधिग्रहण के संबंध में जो घोषणा की गयी है वह एनडीटीवी के संस्थापक राधिका और प्रणव रॉय की बिना सहमति के है।

यह बयान अडानी समूह की आज की उस घोषणा के बाद आया है कि वह एनडीटीवी की 29.18 प्रतिशत हिस्सेदारी अप्रत्यक्ष रूप से हासिल कर रहा है और बाजार नियामक सेबी के नियमों के तहत 26 प्रतिशत और हिस्सेदारी अधिग्रहीत करने के लिए शेयरधारकों के समक्ष खुला प्रस्ताव रखेगा।

अडानी समूह ने कहा है कि वह बाजार में सूचीबद्ध टीवी चैनल की 29.18 प्रतिशत हिस्सेदारी समूह की कंपनी विश्वप्रधान कामर्शियल प्राइवेट लिमिटेड (वीसीपीएल) के पास एनडीटीवी समूह की प्रवर्तक कंपनी के वारंट को शेयर में बदल कर हासिल कर रहा है।

वीसीपीएल अडानी समूह की मीडिया कंपनी एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड (एएमएनएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है।

एनडीटीवी ने अडानी समूह के बयान के बाद शेयर बाजार बीएसई को दी गयी सूचना में कहा, एनडीटीवी और कंपनी के संस्थापक यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि वीसीपीएल ने जिस अधिकार का प्रयोग किया है, वह एनडीटीवी के संस्थापकों की किसी जानकारी, उनके साथ किसी बातचीत या उनकी सहमति के बिना किया गया है और उन्हें एनडीटीवी की ही तरह इस अधिकार के प्रयोग के बारे में आज ही अवगत कराया गया।

एनडीटीवी दाखिल सूचना में कहा गया है, यहां तक कि अभी कल ही एनडीटीवी ने इस शेयर बाजार को सूचित किया था कि उसके संस्थापकों की शेयरधारिता में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

किसी चर्चा के एक नोटिस जारी कर दिया कि वह आरआरपीआर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड की 99.5 शून्य प्रतिशत हिस्सेदारी को अधिग्रहीत करने की अधिकार का प्रयोग कर रही है।

आरआरपीआर एनडीटीवी के प्रवर्तक समूह की कंपनी है और इस प्रसारण कंपनी में 29.18 प्रतिशत की हिस्सेदार है।

एनडीटीवी की तरफ से कहा गया है कि वीसीपीएल ने शेयर अधिग्रहण का नोटिस एनडीटीवी के संस्थापकों राधिका एवं प्रणव रॉय द्वारा 2009-10 में उसके साथ कर्ज के लिए किये गये करार की शर्तों के अनुसार भेजा है। नोटिस में कहा गया है कि वह आरआरपीआरएच के 19 लाख 90 हजार वारंट को 10 रुपये प्रति शेयर के भाव से इक्विटी शेयर में बदलने के अधिकार का प्रयोग किया है और उसने इसके लिए आरआरपीआरएच को 1.99 करोड़ रुपये हस्तांतरित कर दिये हैं।

इससे पहले शेयर बाजार बीएसई को नियमानुसार दी गयी एक आवश्यक सूचना में अरबपति गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले अडाणी उद्योग समूह ने बताया कि एएमएनएल की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी वीसीपीएल के पास एनडीटीवी की प्रवर्तक कंपनी आरआरपीआरएच के वारंट (प्रतिभूतियां) थे जिन्हें आआरपीआरएच की 99.99 प्रतिशत हिस्सेदारी में बदला जा सकता था।

अडाणी समूह ने कहा है कि आरआरपीआर होल्डिंग एनडीटीवी समूह की एक प्रमोटर कंपनी है और एनडीटीवी में 29.18 प्रतिशत की हिस्सेदार है।

समूह ने घोषणा की है कि विश्वप्रधान कमर्शियल, एएमएनएल और अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (आपस में मिल कर) सेबी (बाजार विनियामक) के नियम (शेयरों का पर्याप्त अधिग्रहण और अधिग्रहण, विनियम 2011) के अनुपालन के लिए एनडीटीवी में 26 प्रतिशत और हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक खुली पेशकश करेंगे। एनडीटीवी का शेयर बीएसई में आज 2.61 प्रतिशत बढ़कर 366.20 रुपये पर बंद हुआ।

खान, खनिज उद्योग 30-40 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन कम करें : सिंधिया

नयी दिल्ली। केंद्रीय इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने खान एवं खनिज उद्योग से वर्ष 2030 तक कार्बन उत्सर्जन 30-40 प्रतिशत तक कम करने का मंगलवार को आह्वान किया जिससे देश इस क्षेत्र के विकास, विस्तार और निर्यात के लिए वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना सके।

श्री सिंधिया ने फिक्की के सहयोग से एनएमडीसी द्वारा यहां आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन 'इंडियन मिनरल्स एंड मेटल्स इंडस्ट्री- ट्रांजिशन टूवर्ड्स 2030 एंड विजन 2047' को संबोधित करते हुए कहा कि उद्योग 7-8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि उभरती वैश्विक चुनौतियों के मद्देनजर भारत को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और प्रभावशाली बनाने के लिए अपनी उत्पादन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना जरूरी है। उन्होंने जोर दिया, हमें 'मेड इन इंडिया' को बढ़ावा देने की जरूरत है। जब हम अपनी कंपनियों के माध्यम से भारतीय ब्रांड को देखना चाहते हैं तो हमें मदर ब्रांड मेड इन इंडिया की ब्रांडिंग पर भी ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारा मूल ब्रांड उत्पाद की उच्चतम गुणवत्ता की पहचान होना चाहिए। श्री सिंधिया ने कहा कि वर्ष 2030 तक भारत में इस्पात उत्पादन क्षमता 30 करोड़ टन तक पहुंच जायेगी और देश के इस्पात के शुद्ध आयातक की जगह एक प्रमुख निर्यातक बनने की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत न केवल एक निर्यातक देश है, बल्कि यह एक बड़ा उपभोक्ता देश भी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि देश की प्रति व्यक्ति स्टील खपत बढ़ेगी और 2047 तक मौजूदा विश्व औसत 225 किग्रा तक पहुंच जाएगी।

उन्होंने कहा, यदि आप वर्तमान वैश्विक प्रति व्यक्ति इस्पात उपभोग के वर्तमान औसत 225 किलोग्राम से तुलना करें तो 2013-14 में देश में 57.8 किलोग्राम प्रति व्यक्ति खपत थी जो मात्र आठ वर्षों में 50 प्रतिशत वृद्धि के साथ 78 किलोग्राम प्रति व्यक्ति तक पहुंच गयी है। उन्होंने कहा कि 2047 तक प्रति व्यक्ति यह खपत तिगुनी होकर 225 किलोग्राम तक पहुंच जायेगी।

श्री सिंधिया ने कहा कि देश की इस्पात उत्पादन क्षमता पिछले आठ वर्ष में 10 करोड़ 20 लाख टन से बढ़कर 15 करोड़ 40 लाख टन तक पहुंच गयी है। उन्होंने कहा, वर्तमान में हम 12 करोड़ 10 लाख टन इस्पात का उत्पादन कर रहे हैं जबकि वर्ष 2013-14 में यह मात्र आठ करोड़ टन था। सभी चारों मापदंडों पर भारतीय इस्पात उद्योग न केवल मजबूती से कदम बढ़ा रहा है बल्कि हम दुनिया के चौथे उत्पादक से दूसरे सबसे बड़े इस्पात उत्पादक बनने की ओर अग्रसर हैं।

केन्द्रीय इस्पात मंत्री ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि इस्पात उत्पादन के क्षेत्र में पहले पायदान पर खड़ा देश हमसे काफी आगे हैं, लेकिन एक दिन ऐसा आयेगा, जब भारत दुनिया का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक देश बनेगा।

केंद्रीय खान एवं कोयला मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इस मौके पर कहा कि सरकार ने एक राजस्व बंटवारा मॉडल पेश किया है, जिसके अनुसार खनिजों के शुरुआती उत्पादन पर राजस्व हिस्सेदारी पर 50 प्रतिशत की छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि 2021 में, एमएमडीआर अधिनियम में संशोधन किया गया था ताकि चूना पत्थर, लौह अयस्क और बॉक्साइट ब्लॉकों के खनन पट्टे के लिए नीलामी की अनुमति दी जा सके।

श्री जोशी ने कहा कि पिछले सात वर्षों में विभिन्न प्रमुख खनिजों के कुल 190 ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई

है। चालू वित्त वर्ष में सरकार ने 36 खनिज ब्लॉकों की नीलामी की है।

उन्होंने कहा कि भारतीय खनिज और धातु क्षेत्र के लिए उत्पादकता और दक्षता बढ़ाने के लिए विश्व स्तर पर उपलब्ध सर्वोत्तम तकनीकों को अपनाना अनिवार्य है।

श्री जोशी ने कहा कि सरकार उद्योगपतियों और व्यापारियों को अपना व्यवसाय बढ़ाने में आने वाली दिक्कतों को दूर करने के लिए सदैव तत्पर है। सरकार का मानना है कि व्यापार बढ़ने से सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी जिससे गरीब कल्याण योजनाओं को लागू करने में सहूलियत होगी।

10 भाषाओं में 'टॉपिक्स' लॉन्च करने वाला पहला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बना कू ऐप

नयी दिल्ली। बहुभाषी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कू ऐप ने 10 भाषाओं में टॉपिक्स नामक एक इन-ऐप फीचर की शुरुआत की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि बहुभाषी यूजरों को टॉपिक्स काफी ज्यादा व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करते हैं। हिंदी, बांग्ला, मराठी, गुजराती, कन्नड़, तमिल, तेलुगू, असमिया, पंजाबी और अंग्रेजी जैसी 10 भारतीय भाषाओं में इस फीचर को मुहैया कराने वाला कू ऐप पहला और एकमात्र मंच है। 'सबसे पहले भाषा' दृष्टिकोण के साथ सभी को एकजुट करने वाला मंच होने के नाते कू ऐप के पास विभिन्न आयु-वर्ग-स्थान के यूजर हैं। इनमें लाखों ऐसे क्रिएटर शामिल हैं, जो पहली बार सोशल मीडिया पर आए हैं और कविता, साहित्य, कला, संस्कृति, खेल, फिल्म, आध्यात्मिकता के माध्यम से सक्रिय रूप से खुद को व्यक्त करते हैं। टॉपिक्स के माध्यम से यूजर्स को केवल उस तरह का कंटेंट देखने को मिलता है जो उनके लिए सबसे अधिक प्रासंगिक होता है। और इस तरह कू ऐप पर टॉपिक्स फीचर उनकी यात्रा को और अधिक सार्थक और समृद्ध बनाता है। कू ऐप पर होने वाली तमाम चर्चाओं के बीच, टॉपिक्स फीचर यूजर्स के लिए प्लेटफ़ॉर्म पर मौजूद फ़ीड को स्क्रॉल करने के बजाय, उनकी दिलचस्पी और पसंद के अनुसार कंटेंट चुनना और देखना आसान बनाता है। उदाहरण के लिए स्वास्थ्य से संबंधित समाचार और जानकारी चाहने वाला यूजर टीकाकरण, जीवन शैली की बीमारियों, चिकित्सा विशेषज्ञों से स्वास्थ्य संबंधी सलाह आदि से जुड़ी सभी प्रासंगिक कू पोस्ट देखने के लिए टॉपिक टैब के अंतर्गत %स्वास्थ्य% सेक्शन पर क्लिक कर सकता है।

गिरावट से उबरा शेयर बाजार

मुंबई। वैश्विक बाजार के कमजोर रुख के बीच स्थानीय स्तर पर धातु, तेल एवं गैस, ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऊर्जा समेत 17 समूहों में हुई लिवाली से शेयर बाजार आज पिछले लगातार दो दिन की गिरावट से उबरता हुआ तेजी के साथ बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 257.43 अंक उछलकर 59 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 59031.30 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 86.80 अंक बढ़कर 17577.50 अंक पर रहा। बड़ी कंपनियों के मुकाबले बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों में अधिक लिवाली हुई। इससे मिडकैप 1.03 प्रतिशत मजबूत होकर 24,770.48 अंक और स्मॉलकैप 0.78 प्रतिशत चढ़कर 28,062.93 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान टेक और आईटी समूह की 1.67 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर बीएसई के शेष 17 समूहों में तेजी रही। बेसिक मैटेरियल्स 1.28, सीडीजीएस 1.16, ऊर्जा 1.28, वित्त 0.88, हेल्थकेयर 0.75, इंडस्ट्रियल्स 0.70, दूरसंचार 1.26, ऑटो 1.70, बैंकिंग 1.10, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.44, तेल एवं गैस 1.16 और धातु समूह के शेयरों में 2.08 प्रतिशत की बढ़त रही। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.47, जापान का निक्केई 1.19, हांगकांग का हैंगसेंग 0.78 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.05 प्रतिशत टूट गया जबकि जर्मनी का डैक्स 0.28 प्रतिशत मजबूत रहा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 568 अंक लुढ़ककर 58,205.97 अंक पर खुला और बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद ही 58,172.48 अंक के निचले स्तर तक टूट गया।

मोतीलाल ओसवाल का एएसएपी बाजार में जोखिमों से परे देगा बेहतर परिणाम

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूंजी प्रबंधन की प्रमुख कंपनियों में से एक मोतीलाल ओसवाल प्राइवेट वेल्थ मैनेजमेंट ने अल्फा स्ट्रेटेजिस्ट एडवांटेज पोर्टफोलियो (एएसएपी) नामक एक निवेश प्रस्ताव तैयार किया है जिससे बाजार में अस्थिरता का सामना किया जा सकेगा।

कंपनी ने मंगलवार को एक मीडिया वेबिनार में कहा कि वैश्विक केंद्रीय बैंकों की अपनी आसान मौद्रिक नीति पर लिए जाने वाले फैसलों से वैश्विक बाजारों में उच्च अस्थिरता देखने की उम्मीद है।

मोतीलाल ओसवाल के इस पोर्टफोलियो में भारतीय इक्विटी (केवल निष्क्रिय इंडेक्स फंड में निवेश), अमेरिकी इक्विटीज (केवल एसएंडपी 500 इंडेक्स फंड में निवेश), सोना (गोल्ड फंड), ऋण (लक्षित परिपक्वता निधि) और नकद (आर्बिट्रेज फंड) का समान रूप से 20-20 प्रतिशत हिस्सा होगा।

पोर्टफोलियो में समान हिस्सेदारी का एक बड़ा लाभ होगा, क्योंकि इससे किसी एक फंड पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा। गोल्ड फंड और आर्बिट्रेज फंड के खिलाफ इक्विटी का बचाव किया जाएगा, जिससे किसी भी बड़ी गिरावट के खिलाफ यह सुरक्षा प्रदान करेगा। इसमें भारतीय और अमेरिकी इक्विटी से उच्च लाभ प्राप्त होता है।

मोतीलाल ओसवाल की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 1990-2022 तक एएसएपी सोने में 9.9 प्रतिशत, ऋण में 8.3 प्रतिशत और भारतीय एवं अमेरिकी इक्विटी में क्रमश: 13.8 प्रतिशत और 13 प्रतिशत की वृद्ध के मुकाबले 11.7 प्रतिशत की चक्रवृद्धि औसत वृद्धि दर से बढ़ा है।

मोतीलाल ओसवाल प्राइवेट वेल्थ के निवेश उत्पादों के प्रमुख नितिन शानबाग ने कहा, एएसएपी एक हर मौसम रणनीति है और निश्चित आय का एक बेहतर विकल्प है। इसमें व्यवहार संबंधी पूर्वाग्रहों को दूर करते हुए जोखिमों से परे एक लंबी अवधि में स्थिर लाभ उत्पन्न करना है।

मोतीलाल ओसवाल के अनुसार वैश्विक स्तर पर निवेशक मध्यम अवधि में बाजार में उतार-चढ़ाव की उम्मीद कर सकते हैं, जो कि बढ़े हुए भू-राजनीतिक तनाव और आय में गिरावट की संभावना को देखते हुए है। निवेशकों को परिसंपत्ति आवंटन में बड़े बदलावों से बचना चाहिए जो दीर्घकालिक जोखिम-आधारित लक्ष्यों से भिन्न होते हैं। बाहरी जोखिमों और उनके संभावित प्रभाव को देखते हुए, अलग-अलग तरीके से निवेश करने से बाजार की चरम सीमाओं को दूर करने में मदद मिल सकती है।

कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 तक निफ्टी 50 ईपीएस वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में 465 अंकों से लगभग दोगुना से अधिक 997 अंकों पर पहुंचने की संभावना है जबकि वित्त वर्ष 2029-30 तक देश की अर्थव्यवस्था छह लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकती है।

अडानी समूह को बड़े कर्ज के प्रति सतर्क रहने की जरूरत

नई दिल्ली। कार्पोरेट जगत के सदस्यों की वित्तीय स्थिति पर निगाह रखने वाली फर्म क्रेडिटसाइट्स ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में आगाह किया कि अडाणी समूह अपनी महत्वाकांक्षी विस्तार योजनाओं के लिए जिस तरह भारी कर्ज पर आश्रित है उससे समूह के कर्ज के जाल में फंसने का खतरा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अरबपति उद्यमी गौतम अदानी के नेतृत्व वाले अडणी समूह ने आक्रामक विस्तार योजना अपनाई है जिससे उसकी वित्तीय साख की परिस्थितियों और नकदी प्रवाह पर दबाव है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अडाणी समूह अपने पहले से चल रहे और नए दोनों तरह के कारोबार में के विस्तार में आक्रामक रूप से निवेश कर रहा है। यह निवेश मुख्य रूप से ऋण लेकर किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप कर्म पर आश्रण ऊंचा हो गया है और सॉल्वेंसी (कर्ज शोधन के लिए आवश्यक पूंजी) के अनुपात में वृद्धि हुई है।

अडानी ग्रुप- डीपली ओवरलीवरेज्ड% शीर्षक इस रिपोर्ट में कहा गया है, यह समझा जा सकता है कि इससे पूरे समूह के बारे में यह चिंता उत्पन्न हुई है।

चिंता यह है कि समूह की उन कंपनियों पर इसका क्या प्रभाव हो सकता है जिन्होंने कर्ज के लिए बांड जारी किए हैं। स्थिति बुरी हुई तो स्पष्ट रूप से अत्यधिक महत्वाकांक्षी ऋण-वित्त पोषित विस्तार की योजनाएं अंतत: समूह को कर्ज के एक बड़े भंवर में फंसासकती हैं ।

क्रेडिटसाइट्स की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि हालत बिगड़ने पर समूह की एक या एक से अधिक कंपनियों के लिए कर्ज चुकाने में कठिनायी हो सकती है या वे किस्तें चुकाने में विफल हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अडाणी समूह की ओर से विस्तार योजनाओं में अपनी ओर से शेयर पूंजी लगाने के सबूत कम हैं। इसमें यह भी कहा है कि समूह को अपना लेखा-जोखा दुरुस्त रखने के लिए कर्ज का सहारा कम करना चाहिए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अडानी समूह और रिलायंस इंडस्ट्रीज के बीच बाजार प्रभुत्व हासिल करने के लिए संभावित मजबूत प्रतिस्पर्धा से अविवेकपूर्ण वित्तीय निर्णय लिए जा सकते हैं।

अडानी समूह के पक्ष में हमारा कहना है कि इसके घरेलू और अंतरराष्ट्रीय- दोनों तरह के बैंकों के साथ ठोस बैंकिंग संबंध हैं, जो समूह को अपने मौजूदा व्यवसायों और नए उद्यमों दोनों के लिए बड़ी मात्रा में उधार देने के इच्छुक हैं।

देश में 2030 तक इस्पात उत्पादन दुगुना हो जायेगा : सिंधिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। केन्द्रीय इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 2030 तक भारत में इस्पात उत्पादन 30 करोड़ टन हो जायेगा और देश प्रमुख आयातक से प्रमुख निर्यातक बनने की ओर अग्रसर है।

फिक्की की ओर से भारतीय खनिज एवं धातु उद्योग के 'ट्रांजिशन 2030 एंड विजन 2047' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भारत न केवल एक निर्यातक देश है बल्कि यह एक बड़ा उपभोक्ता देश भी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि देश की प्रति व्यक्ति स्टील खपत बढ़ेगी और 2047 तक मौजूदा विश्व औसत 225 किग्रा तक पहुंच जाएगी।

उन्होंने कहा, यदि आप वर्तमान वैश्विक प्रति व्यक्ति इस्पात उपभोग 225 किलोग्राम की तुलना में 2013-14 के देश में 57.8 किलोग्राम के आंकड़े को देखें तो मात्र आठ वर्षों में हमारी खपत 50 प्रतिशत वृद्धि के साथ 78 किलोग्राम प्रति व्यक्ति तक बढ़ गयी है। उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति खपत तिगुनी हो जाएगी और 2047 तक विश्व औसत 225 किलोग्राम प्राप्त कर लेगी।

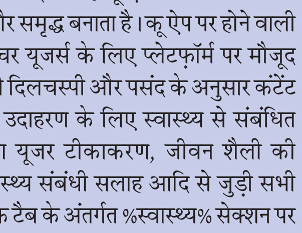

श्री सिंधिया ने कहा कि अब उत्पादन क्षमता सामर्थ्य 10 करोड़ 20 लाख टन से बढ़कर 15 करोड़ 40 लाख टन तक पहुंच गयी है।

उन्होंने कहा, वर्तमान में हम 12 करोड 10 लाख टन इस्पात का उत्पादन कर रहे हैं जबकि वर्ष 2013-14 में यह मात्र आठ करोड़ टन थी। सभी चारों मापदंडों पर भारतीय इस्पात उद्योग न केवल मजबूती से कदम बढ़ा रहा है बल्कि हम दुनिया के चौथे उत्पादक से दूसरे सबसे बड़े इस्पात उत्पादक बनने की ओर अग्रसर है।

केन्द्रीय इस्पात मंत्री ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि इस्पात उत्पादन के क्षेत्र में पहले पायदान पर खड़ा व्यक्ति हमसे काफी आगे हैं, लेकिन एक दिन ऐसा आयेगा, जब भारत दुनिया का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक देश बनेगा।

'लहसुन' से धोखा खाये किसान कर रहे हैं तौबा

इटावा। भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ साथ हृदय रोग समेत कई जटिल बीमारियो के इलाज में अहम भूमिका अदा करने वाले लहसुन की कीमतों में आयी भारी गिरावट से हतप्रभ किसान दूसरी फसलों की ओर रूख करने लगे हैं।

उत्तर प्रदेश के बाजारों में लहसुन की कीमत औंधे मुंह गिरी है। आमतौर पर हमेशा मुनाफे की फसल साबित होने वाले लहसुन को किसान पांच रूपये किलो तक में बेचने को मजबूर हैं। कीमतों में आई अप्रत्याशित गिरावट से लहसुन की पैदावार करने वाले किसानों की जान सांसत में पड़ गई है। खासकर जिन किसानों ने कर्ज लेकर फसल तैयार की थी, उनकी हालत ज्यादा खराब है। किसानों का कहना है कि इस साल तो लागत निकलना ही मुश्किल लग रहा है। किसानों की माने तो कभी 30 हजार रुपये प्रति कुंतल तक बिकने वाला लहसुन मात्र 500 से लेकर एक हजार रुपये प्रति कुंतल बिक रहा है।

किसान व लहसुन कारोबारी भाव में भारी गिरावट के पीछे अन्य प्रांतों में लहसुन की बंपर पैदावार मान रहे हैं। दाम में गिरावट से लहसुन किसान भुखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं। दो साल पहले यही लहसुन 15 से 20 हजार रुपये प्रति कुंतल बिका था लेकिन इस वर्ष लहसुन को माटी मोल बिकना किसानों के लिए सिरदर्द बन गया है।

भाव के अभाव मे इटावा जिले के लहसुन किसान अब दूसरी खेती की ओर से मुड़ना शुरू हो गये है। किसानो को उनकी फसल का वाजिब भाव के ना मिलने के कारण ताखा क्षेत्र में लहसुन का रकबा लगातार घटता जा रहा है। पिछले सात वर्ष में लहसुन पैदावार का रकबा 4540 हेक्टेयर घट गया है।

शार्ट न्यूज

मणिपुर में हर वर्ष मणिपुर ओलंपिक खेल आयोजित किये जायेंग : बीरेन

इम्फाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मंगलवार को घोषणा की कि इस साल से राज्य में हर वर्ष मणिपुर ओलंपिक खेल आयोजित किए जाएंगे। श्री सिंह ने यहां मुख्यमंत्री सचिवालय में दूसरे मणिपुर ओलंपिक खेलों की आयोजन समिति की बैठक के दौरान यह घोषणा की ।मणिपुर ओलंपिक संघ (एमओए) द्वारा आयोजित खेलों का दूसरा संस्करण 26 से 30 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा जिसमें मणिपुर के सभी 16 जिलों के लगभग 6000 एथलीट 34 विधाओं में भाग लेंगे। श्री सिंह ने युवा मामले एवं खेल मंत्री के गोविनदास और एमओए अध्यक्ष राधेश्याम के साथ मिलकर खेलों का शुभंकर भी लॉन्च किया गया था। श्री सिंह ने आश्वासन दिया कि सभी सरकारी विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेंगे कि खेलों के दौरान सर्वोत्तम वातावरण और आतिथ्य प्रदान किया जाए। उन्होंने कार्यक्रम के बाद एक सोशल नेटवर्क प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, मणिपुर ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित दूसरे मणिपुर ओलंपिक खेल 2022 के शुभंकर का अनावरण करते हुए खुशी हो रही है।

एआईएफएफ चुनावों की नयी तिथियां घोषित

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति के चुनाव दो सितंबर को होंगे। एआईएफएफ के निर्वाचन अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उच्चतम न्यायालय ने फीफा की शर्त के अनुसार सोमवार को प्रशासकों की समिति (सीओए) को भंग करते हुए एआईएफएफ के चुनाव एक हफ्ते के लिये बढ़ा दिये थे। शीर्ष अदालत के फैसले के कुछ घंटे बाद आज ही निर्वाचन अधिकारी उमेश सिन्हा ने ताज़ा नोटिस जारी करते हुए नयी प्रक्रिया की घोषणा की। नयी प्रक्रिया के अनुसार उम्मीदवार 25 अगस्त से 27 अगस्त नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं। नामांकनों की जांच 28 अगस्त को होगी। नामांकन वापस लेने की तिथि 29 अगस्त है। निर्वाचक अधिकारी 30 अगस्त को चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची एआईएफएफ की वेबसाइट पर डालेंगे। चुनाव दो सितंबर को नयी दिल्ली में एआईएफएफ मुख्यालय में होंगे और निर्वाचन अधिकारी के नोटिस के अनुसार परिणाम दो या तीन सितंबर को घोषित किए जा सकते हैं।

नीरज ने डायमंड लीग में हिस्सा लेने की पुष्टि की

नयी दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक 2020 के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने स्विट्ज़रलैंड के लौसेन में 26 अगस्त से होने वाली डायमंड लीग में हिस्सा लेने की पुष्टि मंगलवार को की। जर्मनी में अपनी चोट का इलाज करवा रहे नीरज ने ट्विटर पर अपनी तस्वीर साझा करते हुए कहा, मज़बूत और शुक्रवार के लिये तैयार महसूस कर रहा हूं। समर्थन के लिये सभी का शुक्रिया। आपसे लौसेन में मिलते हैं! गौरतलब है कि भारत के जैवलिन-थ्रो खिलाड़ी नीरज पिछले महीने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान चोटिल हो गये थे और उन्हें एक महीने के आराम की सलाह दी गयी थी। नतीजतन, वह बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में हिस्सा नहीं ले सके थे। नीरज ने विश्व चैंपियनशिप में 88.13 मीटर के जैवलिन-थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। वह अंजू बॉबी जॉर्ज के बाद विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं।

चिंता की बात नहीं,द्रविड़ समय पर लौट आयेंगे

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने अपने उत्तराधिकारी राहुल द्रविड़ के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद मंगलवार को कहा कि घबराने की कोई बात नहीं है, क्योंकि द्रविड़ कोरोना को मात देकर भारत-पाकिस्तान मुकाबले के लिये मैदान पर आ जायेंगे। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इससे ज्यादा फर्क पड़ेगा। आज उसे कोविड-19 न कहें, वह सिर्फ फ्लू है। द्रविड़ तीन-चार दिन में स्वस्थ होकर मैदान पर लौट आएंगे। उल्लेखनीय है कि भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ टीम के यूएई रवाना होने से पहले मंगलवार को कोरोना संक्रमित पाये गये। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को उम्मीद है कि द्रविड़ कोरोना से उबरने के बाद भारतीय दल में शामिल होंगे। वह फिलहाल बीसीसीआई की चिकित्सीय टीम की निगरानी में हैं। शास्त्री ने कोरोना को लेकर यह भी कहा कि अगर भारतीय टीम इंग्लैंड टेस्ट शृंखला का पांचवां और अंतिम मैच 2021 में ही खेलती तो वह शृंखला जीत सकती थी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट 2021 में कराने के लिये प्रयास किये गये थे, लेकिन कोरोना वायरस के कई मामले सामने आने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। यह मैच अंतत: जुलाई 2022 में खेला गया, जिसे जीतकर इंग्लैंड ने शृंखला 2-2 से ड्रॉ की।

निलंबन के फैसले पर पुनर्विचार करे फीफा

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के कार्यवाहक महासचिव सुनंदो धर ने मंगलवार को विश्व फुटबॉल संचालक संस्था फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) की महासचिव फातमा समोरा से 'एआईएफएफ के निलंबन के फैसले पर पुनर्विचार' करने का अनुरोध किया। उल्लेखनीय है कि फीफा ने मंगलवार को 'तीसरे पक्ष के अनावश्यक हस्तक्षेप' का हवाला देते हुए एआईएफएफ को निलंबित कर दिया था और कहा था कि उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित प्रशासकों की समिति (सीओए) के निरस्त होने और एआईएफएफ का कार्यभार महासंघ की कार्यकारी समिति के हाथों में जाने के बाद ही निलंबन हटाया जाएगा। इस घटना की सनद लेते हुए उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को सीओए को भंग करने का फैसला किया और एआईएफएफ का कार्यभार महासचिव धर को सौंप दिया। श्री धर ने सुश्री समोरा को लिखे एक पत्र में शीर्ष अदालत के फैसले की सूचना देते हुए कहा, 'हमें आपको यह सूचित करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने हमारे मामले की सुनवाई की और सीओए को पूर्णत: भंग करने एवं महासंघ की पूरी जिम्मेदारी एआईएफएफ को देने का निर्देश दिया है।

चांगवोन 2022 के छठे दिन भारत ने जीते तीन पदक

चांगवोन। भारतीय निशानेबाजों ने चांगवोन 2022 पैरा-शूटिंग विश्व कप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आयोजन के छठे दिन मंगलवार को तीन पदक जीते। विश्व की नंबर पांच शूटर रुबीना फ्रांसिस ने पी2 महिला 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में 213.2 पॉइंट के साथ कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता में ईरान की शाही ने 238.4 पॉइंट के साथ स्वर्ण जीता, जबकि उनकी हमवतन सारेह जवांमर्दी ने 234.3 पॉइंट के साथ चांदी अपने नाम की। रुबीना ने निशा और सुमेधा के साथ मिलकर पी2 महिला टीम 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में भारत के लिये रजत भी जीता। इसी बीच, सिंहराज अधाना, दीपेंद्र सिंह और संदेश की भारतीय टीम ने पी1 पुरुष टीम 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में रजत पदक हासिल किया। भारत अब तक चांगवोन 2022 में एक स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य सहित नौ पदक जीत चुका है।

विराट ने पहले मैच में अर्द्धशतक जड़ा तो सबका मुंह बंद हो जाएगा : शास्त्री

बेंगलुरु। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने मंगलवार को कहा कि अगर विराट कोहली एशिया कप के पहले मैच में अर्द्धशतक बनाते हैं तो बाकी के टूर्नामेंट के लिये 'सबके मुंह बंद हो जाएंगे।' शास्त्री ने एशिया कप से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा वह अब शांत दिमाग के साथ वापस आयेंगे। आप मैदान से दूर रह चुके हैं। अब आप लय में आने की कोशिश करेंगे। अगर आप पहले मैच में 50 रन बनाते हैं तो बाकी के टूर्नामेंट के लिये सबके मुंह बंद हो जाएंगे। कोहली पांच हफ्ते के आराम के बाद 28 अगस्त को एशिया कप के पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ वापसी करेंगे, जो उनका 100वां टी20 मुकाबला भी होगा। वह भारत के वेस्ट इंडीज़ और ज़िम्बाब्वे दौरे पर टीम में शामिल नहीं हुए थे।

गिल में कोहली, रोहित जैसी काबिलियत, भविष्य में बन सकते हैं कप्तान : हरभजन

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने युवा बल्लेबाज़ शुभमन गिल की तारीफ के पुल बांधते हुए कहा है कि उनमें रोहित शर्मा, विराट कोहली एवं के. एल. राहुल जैसी काबिलियत है और वह भविष्य में भारतीय टीम का कप्तान बन सकते हैं।

टाइम्स ऑफ इंडिया ने मंगलवार को हरभजन के हवाले से कहा, वह (शुभमन गिल) एक सुलझे हुए बल्लेबाज हैं। उनकी तकनीक सधी हुई है और शॉट चयन बेहतरीन है। मैं उन्हें बल्लेबाजी के मामले में रोहित शर्मा, विराट कोहली और के.एल. राहुल के साथ रखूंगा। वह बल्लेबाजी करते हुए दर्शकों का मनमोह लेते है।

हरभजन ने बताया कि जब वह विजय हज़ारे ट्रॉफी 2017 में पंजाब की कप्तानी कर रहे थे तब उन्हें 17 वर्षीय गिल के बारे में पहली बार पता चला।

उन्होंने कहा, चयनकर्ताओं ने मुझे गिल के बारे में बताया। उन्होंने कहा वह प्रतिभावान खिलाड़ी है। हम उसे इस साल रणजी ट्रॉफी में खिलाएंगे, वह अच्छा प्रदर्शन करेगा। मैंने इसपर जवाब दिया कि अगर वह प्रतिभावान है तो हम उसे भविष्य की जगह अभी क्यों न खिलाएं? चयनकर्ताओं ने मुझसे पूछा कि क्या मैं उन्हें लेकर निश्चित हूं, मैंने कहा मैं 100 प्रतिशत निश्चित हूं।

गिल ने हरभजन के भरोसे पर खरे उतरते हुए अपने दूसरे मैच में ही असम के खिलाफ 121 रन की शतकीय पारी खेली थी। आगे चलकर उन्हें रणजी ट्रॉफी में भी पंजाब के लिये अपने दूसरे मैच में 129 रन बनाये थे।

हरभजन ने कहा, जब वह पहली बार पंजाब के लिये खेले तो मुझे समझ आया कि उनके पास तेज़ गेंदबाज़ी खेलने के लिये बहुत समय है। वह छोटी गेंदों को बहुत अच्छा खेलते हैं, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने योग्य बनाता है। वह छोटी गेंद को स्क्वैर लेग की जगह मिड-ऑन और मिड-विकेट की ओर खेलते हैं, जो दिखाता है कि उनके पास कितना समय है।

गिल इस समय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने सोमवार को ज़िम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में अपना पहला शतक जड़ते हुए 130 रनों की पारी खेली। वह इससे पहले वेस्ट इंडीज़ में 64, 43 और 98 नाबाद की पारियां खेल चुके हैं, जबकि ज़िम्बाब्वे में शतक से पहले दो मैचों में उन्होंने 82 और 33 रन बनाये थे।

गिल ने अपने नौ एकदिवसीय मैचों में 71.29 की औसत और 105.27 के स्ट्राइक रेट से 499 रन बनाये हैं।

हरभजन ने गिल के भविष्य के बारे में कहा, उनके बारे में अच्छी बात यह है कि गिल में रनों भूख है। आजकल ऐसे बहुत कम बल्लेबाज हैं जो रन न बनने पर बुरा महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि जब वह खराब फॉर्म में हैं तो वह टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे। यह विशेषता सचिन में भी थी। मेरे अनुसार वह भावी भारतीय कप्तान हैं। उनके पास खेलने की क्षमता है, और वह कप्तानी के गुर सीख जाएंगे, तो क्यों नहीं?

चेतेश्वर पुजारा ने रॉयल लंदन वनडे कप में जड़ा तीसरा शतक

केवल 90 गेंदों पर ठोके 132 रन

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम की दीवार कहे जाने वाले चेतेश्वर पुजारा इंग्लैंड में इस समय गजब की फॉर्म में चल रहे हैं। पुजारा रॉयल लंदन वनडे कप में ससेक्स के लिए बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे हैं। पुजारा ने मंगलवार को रॉयल लंदन वनडे कप में सीजन का अपना तीसरा शतक ठोक दिया पुजारा ने ससेक्स की ओर से खेलते हुए मिडिलसेक्स के खिलाफ केवल 90 गेंदों पर 132 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली।

उन्होंने पहले 64 गेंदों पर 70 रन बनाए और फिर अगले 26 गेंदों पर ही 62 रन ठोक डाले। भारतीय बल्लेबाज ने अपनी पारी के दौरान 238.44 के स्ट्राइक रेट से रन बटोरे। पुजारा ने केवल 75 गेंदों पर ही अपना शतक पूरा कर डाला। वह रॉयल लंदन वनडे कप में ससेक्स के लिए अब तक 9, 63, 14*, 107, 174, 49*, 66 और 132 रन की पारी खेल चुके हैं। उन्होंने इस टूर्नामेंट में अपने 500 रन भी पूरे कर लिए हैं।

टीम की कप्तानी कर रहे पुजारा ने अपनी आक्रामक पारी में 20 चौके और दो छक्के लगाये। सलामी बल्लेबाज टॉम एलसोप ने 155 गेंद में 189 रन की पारी खेली। पुजारा और एलसोप ने तीसरे विकेट के लिए 240 रन की साझेदारी की।

पुजारा ने इससे सरे के गेंदबाजों को धोते हुए इस टूर्नामेंट में बैक टू बैक दूसरा शतक लगाया था। उससे पहले उन्होंने वारविकशायर के खिलाफ 73 गेंदों पर शतक जड़ा था।

बीसीसीआई ने द्रविड़ के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि की

मुंबई। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ एशिया कप 2022 के लिए टीम के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जाने से पहले नियमित परीक्षण में कोरोना संक्रमित पाये गये हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई ने कहा कि कोच द्रविड़ फिलहाल चिकित्सीय टीम की निगरानी में हैं। एक बार कोरोना से उबरने पर वह टीम में शामिल होंगे। टीम के अन्य खिलाड़ी मंगलवार, 23 अगस्त को यूएई में एकत्रित होंगे। बीसीसीआई ने द्रविड़ की गैरमौजूदगी में किसी अस्थायी मुख्य कोच की घोषणा नहीं की है, हालांकि लक्ष्मण इस दौरान भारतीय टीम की कमान संभाल सकते हैं। लक्ष्मण ने सोमवार को समाप्त हुए ज़िम्बाब्वे दौरे पर भी भारतीय टीम के कोच की भूमिका निभाई थी। इससे पहले वह आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 शृंखला में भी भारत के कोच रह चुके हैं। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 28 अगस्त को पाकिस्तान के खिलाफ करेगा।

शटलर साइना, त्रिशा-गायत्री ने पहले दौर में जीत दर्ज की

टोक्यो। भारत की शीर्ष शटलर साइना नेहवाल ने बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 2022 में विजयी शुरुआत करते हुए मंगलवार को पहले दौर में हॉन्ग कॉन्ग की चिउंग न्यान यी को 2-0 से मात दी।

विश्व चैंपियनशिप 2015 की सिल्वर मेडलिस्ट साइना ने टोक्यो मेट्रोपोलिटन जिम्नेजियम में 38 मिनट में न्यान यी को 21-19, 21-9 से मात दी।

साइना का सामना दूसरे दौर में जापान की नोज़ोमी ओकुहारा से होना था, लेकिन उसके नाम वापस लेने के बाद भारतीय शटलर सीधा प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी हैं। प्री-क्वार्टरफाइनल में उनका सामना थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान और जर्मनी की यवोन ली के बीच होने वाले दूसरे दौर के संघर्ष की विजेता से होगा।

साइना (32) विश्व चैंपियनशिप में पहुंचने वाली महिला एकल प्रतियोगिता में एकलौती भारतीय

खिलाड़ी हैं। इनके अलावा 2019 की चैंपियन पीवी सिंधु ने टखने की चोट के कारण प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था, जबकि युवा मालविका बंसोड़ पहले दौर में डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गयी थीं।

साइना नेहवाल के अलावा त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने महिला युगल के पहले दौर में मलेशिया की लो यीन युआन और वैलेरी सियो को 21-11, 21-13 से हरा कर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है।

अब त्रिशा-गायत्री का सामना दूसरे दौर में राष्ट्रमंडल खेलों की मलेशियाई चैंपियन जोड़ी टैन पर्ली और तिनाह मुरलीधरन से होगा।

दूसरी ओर, अश्विनी भट्ट और शिखा गौतम की महिला युगल जोड़ी ने इटली की मार्टिना कोर्सिनी और जूडिथ मेयर को 21-8, 21-14 से परास्त करके दूसरे दौर में जगह बना ली है।

मिश्रित युगल मुकाबले में हालांकि भारत के हाथ निराशा लगी। जहां ईशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी दूसरे दौर में थाइलैंड के सुपक जोमकोह और सुपिसारा पॉसमप्रन से 14-21, 17-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये।

वेंकट प्रसाद और जूही देवांगन की मिश्रित युगल जोड़ी को भी पहले दौर में इंग्लैंड के ग्रेगोरी मेयर्स और जेनी मूर के हाथों 10-21, 21-23 से हार मिली।

फ्रांस के फेबियन डेल्यूर और विलियम विलेगर ने पहले दौर में कृष्णा प्रसाद गरग और विष्णुवर्धन पंजला की भारतीय पुरुष जोड़ी को 21-14, 21-18 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

पाक में हिंदुओं, अहमदिया को कुचलने का हथियार बना ईशनिंदा कानून

साल भर में 585 मामले और कई कत्ल

नई दिल्ली। पाकिस्तान में ईशनिंदा कानून अल्पसंख्यकों के लिए मुश्किल बनता जा रहा है। खासकर हिन्दुओं और अहमदिया पर जुल्म की इंतेहा हो रही है। इस्लाम में धर्मांतरण और अन्य सांप्रदायिक मतभेदों के नाम पर अल्पसंख्यकों के साथ अमानवीय घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। लगातार हत्या की जा रही है। आंकड़े गवाह हैं कि साल भर में ही इस तरह के 585 मामले और कई कत्ल हो चुके हैं।

हाल ही में, एक अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के एक व्यक्ति पर रविवार को पाकिस्तान के हैदराबाद में ईशनिंदा के एक फर्जी मामले में मामला दर्ज किया गया था। उस व्यक्ति की पहचान अशोक कुमार के रूप में हुई, जो पाकिस्तान में हैदराबाद के सदर में राबिया केंद्र में रहने वाला एक सफाई कर्मचारी था और उस पर हिंसक भीड़ ने हमला किया था।

2021 में 585 लोगों पर मामला दर्ज

पाकिस्तान में ईशनिंदा का मामला नया नहीं है। पुलिस के आंकड़ों का हवाला देते हुए पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग के अनुसार, पंजाब से भारी बहुमत के साथ, 2021 में ईशनिंदा के आरोप में कम से कम 585 लोगों पर मामला दर्ज किया गया था। अहमदिया समुदाय के डेटा से संकेत मिलता है कि इस समुदाय के खिलाफ धार्मिक आधार पर 100 से अधिक मामले दर्ज किए गए थे, जिसमें मुस्लिम के रूप में खुद को पेश करना, उनके धर्म का प्रचार करना और ईशनिंदा के आरोप शामिल थे।

आंकड़े हैं गवाह

एचआरसीपी के अनुसार, अहमदिया समुदाय के कम से कम तीन सदस्य अलग-अलग लक्षित हमलों में मारे गए। जबरन धर्म परिवर्तन के संबंध में, पाकिस्तान के पंजाब में 2020 में 13 मामलों से बढ़कर 2021 में 36 हो गया। 2021 के दौरान सिंध के विभिन्न हिस्सों से जबरन धर्मांतरण की खबरें आती रहीं। जबरन धर्म परिवर्तन करने वालों में से अधिकांश निम्न-जाति या अनुसूचित-जाति के हिंदू और ईसाई थे।

अपहरण, किडनैप और धर्मांतरण

इस तरह के मामलों में पैटर्न हमेशा एक सा है। एक हिंदू परिवार की एक लड़की का अपहरण कर लिया जाता है और कुछ दिनों या हफ्तों बाद, वह एक अदालत के सामने पेश होती है या दुनिया को एक वीडियो संदेश के माध्यम से सूचित करती है कि उसने एक मुस्लिम व्यक्ति से प्यार से शादी की है और इस्लाम धर्म अपना लिया है। । एक निश्चित धार्मिक स्कूल या मौलवी के प्रमाण पत्र को धर्मांतरण का संकेत देने वाले साक्ष्य के रूप में दिखाया जाता है। सिंध में नौशेरो फिरोज जिले के महराबपुर कस्बे के एक सेवानिवृत्त प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक जुमान भील ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए एक निश्चित कोटा है, लेकिन बौद्धों के लिए कुछ भी नहीं है। पाकिस्तानी बौद्ध समुदाय को राष्ट्रीय जनगणना में एक विशिष्ट धार्मिक समूह के रूप में और शैक्षिक और सरकारी नौकरी कोटा से बाहर रखा गया है।

अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत

फैजाबाद। अफगानिस्तान के उत्तरी बदख्शां प्रांत में मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। मतीन ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह हादसा यावान जिले में आज दोपहर बाद उस वक्त हुआ, जब एक वाहन में सवार होकर यात्री पर्वतीय रास्ते से अपने यथास्थान पर जा रहे थे, उसी दौरान जरा सी चूक होने पर वाहन पलट गया, जिसमें सवार एक महिला और एक बच्चे सहित आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता महमूद शाह रसौली ने कहा कि पश्चिमी हेरात प्रांत के शिदंद जिले में सोमवार देर रात इसी तरह की एक और दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

अब जज के खिलाफ बोलकर फंसे इमरान खान, अवमानना कार्यवाही शुरू; हाईकोर्ट ने 31 अगस्त को बुलाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मूसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने मंगलवार को पीटीआई प्रमुख इमरान खान को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दरअसल इमरान खान ने हाल ही में एक रैली के दौरान अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी की थी। अब अदालत ने सोमवार को उनके विरुद्ध अवमानना कार्यवाही शुरू करने का निर्णय लिया है। हाईकोर्ट ने उन्हें 31 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से तलब किया है।

इमरान खान ने अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। जेबा चौधरी वही जज हैं जिन्होंने इस्लामाबाद पुलिस के अनुरोध पर इमरान के सहयोगी व पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ शाहबाज गिल की दो दिन की हिरासत को मंजूरी दी थी। इमरान खान का जज का फैसला पसंद नहीं आया और अपना आपा खो बैठे।

अब हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की है। इमरान को यह नोटिस न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कयानी की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ द्वारा जारी किया गया था, जिसमें न्यायमूर्ति बाबर सत्तार और न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब भी शामिल थे। आईएचसी ने सोमवार को पीठ का गठन किया था। आज की सुनवाई के दौरान, इस्लामाबाद के महाधिवक्ता जहांगीर खान जादून ने अदालत को बताया कि उन्होंने एक आवेदन दायर किया था जिसमें राज्य संस्थानों के खिलाफ इमरान के विवादास्पद बयानों को रिकॉर्ड करने की अनुमति मांगी गई थी। जिसके बाद अदालत ने उनसे पूछा कि इमरान ने आपत्तिजनक टिप्पणी कब की? इस पर जादून ने जवाब दिया कि पीटीआई प्रमुख ने शनिवार को इस्लामाबाद के एफ-9 पार्क में एक रैली के दौरान टिप्पणी की थी। महाधिवक्ता ने पूर्व प्रधानमंत्री के हवाले से कहा, इमरान खान ने कहा, जेबा साहिब, आपको शर्म आनी चाहिए, हम आपके खिलाफ भी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि इमरान बार-बार पाकिस्तान की न्यायपालिका और चुनाव आयोग के बारे में विवादित बयान दे रहे हैं और न्याय में बाधा डाल रहे हैं।

सीरिया में ईरानी सैन्य सलाहकार की मौतः रिपोर्ट

तेहरान। सीरिया में ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कोर के ग्राउंड फोर्सेज के एक वरिष्ठ सदस्य की मौत हो गई। सरकारी प्रेस टीवी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट में बताया गया कि युद्धग्रस्ति देश में सैन्य सलाहकार के तौर पर काम करने वाले अबोलफजल अलीजानी की सोमवार सुबह मौत हो गई। अलीजानी का पार्थिव शरीर उनके स्वदेश ईरान वापस भेज दिया जाएगा। ईरान ने साल 2011 से सीरियाई सरकार के अनुरोध पर सीरिया में अपने सैन्य सलाहकारों की मौजूदगी की पुष्टि की।

फिलीपींस में चक्रवात के खतरे के कारण कक्षाएं, कार्य निलंबित

मनीला। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड रोमुअलडेज़ मार्कोस ने गंभीर उष्णकटिबंधीय तूफान मा-ऑन के कारण उत्पन्न होने वाले खतरे को ध्यान में रखते हुए मनीला महानगर और छह अन्य प्रांतों में मंगलवार और बुधवार को सभी कक्षाओं और सरकारी कार्यों को निलंबित कर दिया है ।प्रेस सचिव रोज बीट्रिक्स क्रूज-एंजेल्स ने कहा कि इस निलंबन को राजधानी क्षेत्र के अलावा मध्य लुजोन क्षेत्र में लागुना, रिजाल, बुलाकन, कैविटे, जाम्बल्स और बाटान प्रांतों में भी लागू किया गया है ।एंजेल्स ने कहा कि भारी बारिश आम लोगों के लिए खतरा उत्पन्न कर सकती है। निजी स्कूलों और कार्यालयों के प्रमुख इस विषय पर अपना निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं। राज्य मौसम ब्यूरो के अनुसार, भीषण उष्णकटिबंधीय तूफान मा-ऑन मंगलवार को स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 10:30 बजे उत्तरी फिलीपीन्स के इसाबेला प्रांत पहुंचा, जिससे बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं।

मलेशिया की शीर्ष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री नजीब की सजा बरकरार रखी

कुआलालंपुर। मलेशिया की शीर्ष अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक के खिलाफ 12 साल की सजा को मंगलवार को बरकरार रखा है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार संघीय न्यायालय ने भ्रष्टाचार के मामले में श्री नजीब की याचिका को खारिज कर दिया। श्री नजीब को सजा से बचाने को लेकर अपने अंतिम प्रयास के तहत उनके वकील ने मामले की अध्यक्षता करने वाले पैनल से मुख्य न्यायाधीश तेंगकु मायमुन तुआन माट को हटाने का अनुरोध किया। उन्होंने दावा किया कि मुख्य न्यायाधीश माट उनके साथ पक्षपात कर सकती हैं क्योंकि उनके पति ने 2018 में एक फेसबुक पोस्ट किया था जिसकी श्री नजीब की आलोचना थी। मुख्य न्यायाधीश ने हालांकि उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

पाकिस्तान में भारी बारिश, बाढ़

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में भारी मानसूनी बारिश और बाढ़ से व्यापक स्तर पर नुकसान हुआ है। मीडिया की मंगलवार को रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई। डॉन न्यूज की एक रिपोर्ट में बताया कि खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने सोमवार को चार जिलों में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी, पंजाब के डेरा गाजी खान और राजनपुर जिलों और अन्य बाढ़ प्रभावित हिस्सों में राहत सामग्री भेजी गई। रिपोर्ट के अनुसार, गिलगित-बलूचिस्तान में ग्लेशियर के पिघलने से होपर घाटी और नगर खास जलमग्न हो गए तथा छोटे-छोटे गांव में पानी भर गया, इस बाढ़ से लगभग 50 परिवार बेघर हो गए। बाढ़ प्रभावित कई परिवारों को यहां के राहत शिविर में भेज दिया गया।

चीन भीषण गर्मी से लोग बेहाल

बीजिंग। चीन की राष्ट्रीय वेधशाला ने मंगलवार को उच्च तापमान के मद्देनजर फिर से रेड अलर्ट जारी किया है। जो कि चार स्तरीय चेतावनी प्रणाली में से सबसे गंभीर चेतावनी है। देश के कई हिस्से जबरदस्त लू की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने बताया कि आज अपराह्न में गांसु, शानक्सी, अन्हुई, जिआंगसु, शंघाई, हुबेई, हुनान, जियांग्शी, झेजियांग, फुज़ियान, सिचुआन, चोंगकिंग, गुइझोउ, ग्वांगडोंग और गुआंग्शी के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 35 से 39 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

कॅरियर गाइडेंस देश व दुनिया में आज हेल्थ सेक्टर का जितना विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आगे चलकर काबिल फिजियोथैरेपी की मांग और बढ़ेगी। फिजियोथैरेपी विज्ञान की ऐसी विधा है जिसके अंतर्गत शारीरिक व्यायाम के जरिए व्यक्ति के रोगों व व्याधियों का उपचार किया जाता है।

फिजियोथैरेपी वक्त की मांग

फिजियोथैरेपिस्ट का काम रोगियों में किसी बीमारी, चोट, अक्षमता या बढ़ती उम्र की वजह से उपजी शारीरिक व्याधियों का उपचार करना है। आज लोग बीमारी के उपचार के लिए समग्र नजरिया अपनाने लगे हैं। इसकी वजह से दुनिया भर में फिजियोथैरेपिस्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है।

काम का दायरा

फिजियोथैरेपिस्ट्स अस्पतालों, विकलांगों की लिए बने पुनर्वास केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों, शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए बने स्कूलों, स्वास्थ्य संगठनों के

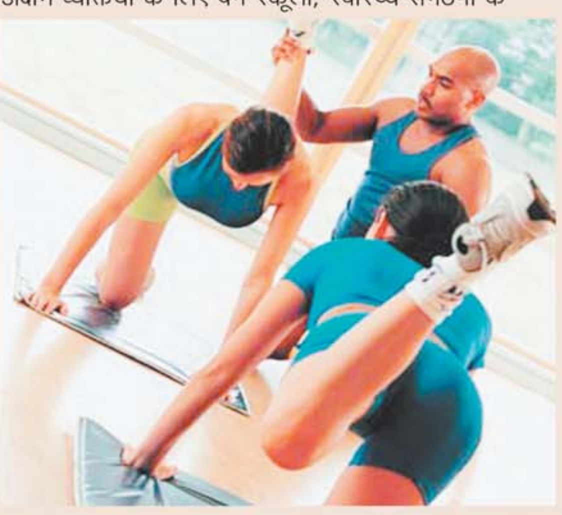

अलावा डिफेंस मेडिकल प्रतिष्ठानों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी अपनी सेवाएं देते है। इंजुरी व फैक्चर्स, जोड़ों के दर्द, खिंचाव, मोच, स्ट्रोक्स के उपचार में काबिल फिजियोथैरेपिस्ट की सेवाएं कारगर साबित होती हैं।

बढ़ती मांग

आज जिस तरह के अत्याधुनिक अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र व क्लीनिक्स खुल रहे हैं और हेल्थ सेक्टर का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि फिजियोथैरेपिस्ट की मांग आगे चलकर और बढ़ेगा। कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खुद को फिट रखने व फिटनेस संबंधी सुझाव लेने के लिए फुलटाइम पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की सेवाएं लेते हैं। विदेशों में और खासकर अमेरिका कनाडा व आस्ट्रेलिया जैसे देशों में पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की जबदस्त मांग है।

योग्यता

फिजियोथैरेपी में कोई डिग्री अथवा डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए अभ्यर्थी को फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी के साथ 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अस्पताल व क्लीनिक्स अमूमन ऐसे लोगों को रोजगार देते हैं, जिनके पास फिजियोथैरेपी में बैचलर डिग्री (बीपीटी) हो। बीपीटी करने के बाद छात्र यदि चाहें तो अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं।
फिजियोथैरेपी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छह महीने से लेकर दो साल तक हो सकती है। डिग्री स्तर अवधि तीन से चार साल तक होती है। प्रतिष्ठित संस्थान कॉमन टेस्ट सीईटी के जरिए बीपीटी में छात्रों की दाखिला देते है।

व्यक्तिगत योग्यता

फिजियोथैरेपिस्ट्स बनने के चाह रखने वाले अभ्यर्थियों में लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने की क्षमता होनी चाहिए। काबिल फिजियोथैरेपिस्ट वहीं है जो मरीज की जरूरत को अच्छी तरह समझ सके, उसके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाए। सफल फिजियोथैरेपिस्ट बनने के लिए व्यक्ति में इन खूबियों के अलावा मानवीय संरचना का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अति आवश्यक है।

पारिश्रमिक

इस क्षेत्र से जुड़े कोई फ्रेश ग्रेजुएट किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में ट्रेनी फिजियोथैरपिस्ट के तौर पर 8,000 से 12,000 रूपए वेतन पाने की उम्मीद कर सकता है। हालांकि प्रतिष्ठित अस्पतालों में आपको और भी अच्छा वेतन मिल सकता है। अनुभव हासिल करने के बाद आपके वेतन में खासा इजाफा हो सकता है। अनुभवी फिजियोथैरपिस्ट चाहे तो निजी क्लीनिक खोल कमाई कर सकते हैं।

डायटीशियन

कॅरियर का बेहतर विकल्प

आहार जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। हम जो आहार लेते है उसका शरीर में पाचन किया जाता है। प्रकृति ने विभिन्न खाद्य-पदाथों को भोजन का रूप दिया है जिसे कच्चा या पका कर हम उपयोग करते हैं ऐसे पदार्थ हमारे पाचक अंगों द्वारा पचा लिए जाते हैं, जिनसे ऊतकों का निर्माण एवं पोषण होता है। चलने, फिरने दौडने या अन्य शारीरिक कार्य करते रहने से शरीर के भीतर के ऊतक टूटते-फूटते एवं घिसते रहते है। भोजन द्वारा हमारे शरीर की संरचना तथा मरम्मत के लिए विभिन्न पोषक तत्व मिलते रहते हैं, जिनसे हमें शक्ति मिलती हैऔर हमारे शीरीरिक के विभिन्न अंग अपना कार्य सुचारू रूप से करते रहते हैं।सन्तुलित आहार और सही आहार हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लिहाजा हमारी शारीरिक जरूरतों के अनुसार कितने पोषक तत्वों की जरूरत होती हैं और कौन से खाद्य-पदार्थ से सेहत को नुकसान पंहुच सकते है, इसका जवाब डायटीशियन ही बता सकता है। जीवनशैली में आ रहे बदलावों और उसके दुष्णपरिणाम के चलते डायटीशियन एक बेहतर केरियर ऑप्शन के रूप में उभरा है। यह कोर्स अपनाकर आप अपना ही नहीं दूसरो की सेहत का भी ख्याल रख सकते है। एक डायटीशियन के रूप में आप नवजात शिशु से लेकर बुजुर्ग, बीमार, अभिनेताओं और खिलाडियों तक की डाइट का चार्ट बना सकते हैं। डायटीशियन लोगों को सलाह देता है, कि उसे स्वस्थ रहने के लिए किस तरह का भोजन करना चाहिए। डायटीशियन का कार्य जितना आसान दिखाई देता है वास्तव में वह उतना आसान नहीं हैं, क्योंकि रोगियों के लिए व्यक्तिगत आहार योजना बनाते हुए विभिन्न क्लीनिकल घटकों को ध्यान में रखना होता है। साथ ही रोगियों की जीवनशैली, खान-पान की आदतों पर भी विचार करना होता है।पोरेट स्तर पर डायटीशियन की मांग बढ रही है और पांच सितारा होटलों में भी डायटीशियनों की सेवाएं ली जा रहीं हैं।

करार्टे- दुश्मन को बिना किसी हथियार से हराने की तकनीक

करार्टे निहत्थे लड़ने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है। जिस व्यक्ति को करार्टे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक करार्टे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं करार्टे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। करार्टे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है।

करार्टे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। करार्टे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं। इन सभी भागों को कड़ी मेहनत और प्रैक्टिस से कठोर बनाया जाता है। एक करार्टे एक्सपर्ट कई इंच मोटी लकड़ी को अपने हाथ या पैर से तोड़ सकता है। सही टाइमिंग, कुशलता तथा जज्बा तो इसके लिए जरूरी है ही साथ ही जरूरी होती है शारीरिक कठोरता।

करार्टे के खेल में वार को शरीर के संपर्क में आने से एक इंच पहले ही रोक लिया जाता है। करार्टे में मैच सिर्फ 3 मिनट के होते हैं। एक खेल के तौर पर इसमें कुशलता का स्तर परखने के लिए दोनों में नकली लड़ाई और औपचारिक परीक्षण दोनों का आयोजन किया जाता है। यदि प्रतियोगी अच्छे से वार न कर पाए तो जज अपना फैसला मूवमैंट्स और डिफेंस तकनीक के आधार पर सुना सकते हैं।जजों द्वारा खिलाडियों के प्रदर्शन को वैसे ही रेटिंग दी

जाती है, जैसे जिम्नास्टिक में होता है। करार्टे एशिया में विकसित हुआ जिसे कई शताब्दियां लग गईं और 17वीं शताब्दी के दशक में जाकर यह कला के रूप में व्यवस्थित होने लगा। 1920 के दशक में यह जापान में बहुत प्रसिद्ध हुआ। आज पूरे विश्व में कई स्कूल करार्टे की ट्रेंनिंग देते हैं। 1970 में करार्टे वर्ल्ड चैम्पियनशिप टाइटल की स्थापना की गई थी।

प्राचीन चीन से शुरू और जापान में प्रसिद्ध हुआ युद्ध कौशल (मार्शल आर्ट) करार्टे आज पूरे विश्व में अत्यधिक लोकप्रिय है। करार्टे खेल भी, कला भी करार्टे निहत्थे लड़ने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है।

जिस व्यक्ति को करार्टे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक करार्टे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं करार्टे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। करार्टे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है। करार्टे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। करार्टे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं।

स्वरोजगार

कागज़ उद्योग

देश में सामाजिक-आर्थिक विकास की दृष्टि से कागज़ उद्योग देश का सबसे पुराना और अति महत्वपूर्ण उद्योग है। इस उद्योग का अनुमानित आकार 25000 करोड़ रुपये (5.95 बिलियन डॉलर) है। विश्व के कागज और कागज बोर्ड उत्पाद में इसका हिस्सा लगभग 1.6 प्रतिशत है। इस उद्योग से 1.20 लाख लागों को प्रत्यक्ष रूप से और 3.40 लाख लोगों को परेक्ष रूप से रोजगार मिला हे। अधिकतर पेपर मिल पिछले लम्बे अर्से से कार्य कर रहे हैं और इस प्रकार वर्तमान समय में इनमें पुरानी से लेकर अति आधुनिक तकनीक वाली दोनों प्रकार की प्रौद्योगिकियाँ इस्तेमाल हो रही हैं।
पिछले पाँच वर्षों से कागज़ की खपत लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है। कागज़ उद्योग को कागज के उत्पादन की किस्म के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है; जैसे क्रीमवोव, मैपलिथो, कोपलर, कोटेड पेपर, इंडिस्ट्रयल पेपर और स्पेस्लिटी पेपर। इंडिस्ट्रयल पेपर अधिक मात्रा में इस्तेमाल होता है, जो कि कुल खपत का लगभग 60 प्रतिशत है। अभी तक कागज उद्योग की वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद में हुई वृद्धि के बराबर रही है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसमें औसतन 6-7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्तर पर भारत में कागज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है ओर यह उत्सावर्धक स्थिति को दर्शाता है। आर्थिक संवृद्धि के साथ कागज की खपत में भी अत्याधिक उछाल आने की संभावनाएँ हैं और यह 2015-16 तक 13.95 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भावी अनुमान यह हे कि कागज की खपत में सकल घरेलू उत्पाद के गुणांकों में वृद्धि होगी और इस प्रकार प्रति व्यक्ति 1 किलाग्राम खपत की वृद्धि से उसकी मांग में 1 मिलियन टन की वृद्धि होगी। उद्योग के अनुमानानुसार वर्ष 2012-13 तक कागज़ उत्पादन 8.4 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि कागज की खपत 9 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ी है। कम खर्च व लागत में कागज उद्योग स्वरोजगार का बेहतर जरिया बन सकता है।

पैरा-मैडीकल कोर्सेज में संवारें कॅरिअर

यदि आपकी बारहवीं परीक्षा की श्रेणी या अंक बहुत अच्छे नहीं हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। इसकी वजह यह है कि पैरा-मैडीकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए सी.पी.एम.टी. जैसी कठिन प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होती। डॉक्टर जब मरीज को देख लेता है उसके बाद (कुछ मामलों में डाक्टर से पहले भी) सारा काम पैरा-मैडीकल के लोग ही संभालते हैं।

मरीज के खून, पेशाब, बलगम, वीर्य, टिश्यू आदि की जांच करनी हो, उसका एक्स-रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एम.आर.आई., अल्ट्रा साऊंड, सी.टी. स्कैन, टी.एम.टी.,पी.एफ.टी., मैमोग्राफी आदि इंजैक्शन व दवा देनी हो तथा इसके अलावा भी अनेक ऐसे काम हैं जिसे पैरा-मैडीकल स्टाफ ही करता है। आप्रेशन करते समय एक डाक्टर को असिस्ट करने के लिए पैरा-मैडीकल स्टाफ होता है। मैडीकल फील्ड का लगभग सारा टैक्निकल स्टाफ पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही आता है।

इसके तहत प्रमुख कोर्स व संबंधित कार्य इस प्रकार हैं- मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी , एक्स-रे टैक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी/रेडियोग्राफी, ऑप्टोमीट्री या ऑप्थाल्मिक टैक्नोलॉजी, प्रॉस्थैटिक एवं ऑथोटिक इंजीनियरिंग, फिजियोथैरिपी एंड ऑकुपेशनल थैरेपी, डैंटिस्ट असिस्टैंट, स्पीच थैरेपी एंड ऑडियोलॉजी, क्लीनिकल चाइल्ड डिवैल्पमैंट, रिहैबिलिटेशन, मैडीकल ट्रांसक्रिप्शन, कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्स कोर्स (मेल/फीमेल/मल्टीपर्पज़) ऑप्रेशनल थैरेपिस्ट असिस्टैंट/ ऑप्रेशन थिएटर असिस्टैंट व टैक्नीशियन कोर्स, कॉर्डियोलॉजी टैक्नीशियन कोर्स, सी.टी. स्कैन टैक्नीशियन कोर्स।

इनके साथ ही फॉर्मेसी, नर्सिंग एवं मिडवाइफरी तथा साइकोलॉजी की गणना भी पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही की जाती है। उपरोक्त सभी कोर्सों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, बी.एससी., एम.एससी., बैचलर या मास्टर डिग्री विभिन्न मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रदान की जाती है।

संस्थान

- पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सैक्टर-11,चंडीगढ़-1600012
- पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज, रोहतक-124001, हरियाणा।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110007

CMYK CMYK CMYK CMYK